हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, रविवार 4 अक्टूबर 2026



ANSH TRADING COMPANY
Own Your Energy

adani Solar | WAAREE One with the Sun | SOLARUS POWERING A BRIGHTER FUTURE

अपने घर के लिए सोलर सिस्टम लगवाएं

स्वच्छ ऊर्जा, सुरक्षित भविष्य, खुशहाल परिवार!



मात्र ₹1,65,000 से
3 kW सोलर सिस्टम
(पूर्ण इंस्टॉलेशन सहित)

- बिजली बिल में बड़ी बचत
- पर्यावरण के लिए बेहतर
- अपने घर की कीमत बढ़ाएं
- 25-30 वर्ष पैनल वारंटी
- कम मेंटेनेस
- 24x7 स्वच्छ ऊर्जा

अपने शहर में सोलर बिजनेस शुरू करें

कम निवेश, बड़ा व्यापार, स्थायी कमाई !

कुल निवेश
₹ 3,00,000

- ₹ 1,00,000 Interior / Showroom Setup
- ₹ 2,00,000 Solar की सामग्री / Stock

कमाई का अवसर
₹5,00,000
प्रति माह तक

- ONE BLOCK ONE CHANNEL PARTNER
- कंपनी द्वारा पूर्ण सहयोग
- हर महीने स्थिर कमाई
- मार्केटिंग सपोर्ट
- टेक्निकल ट्रेनिंग
- ब्रांडेड प्रोडक्ट्स

हमारे अधिकृत फ्रेंचाइजी / एसोसिएट पार्टनर (जिला एवं स्थान अनुसार)

क्र.	नाम	जिला	स्थान/ब्लॉक
1	AMIT SAO	JASHPUR	JASHPUR
2	ANISH AGRAWAL	SURGUJA	AMBIKAPUR
3	SANJAY YADAV	JASHPUR	BAGICHA
4	MANISH MITTAL	SURGUJA	SURAJPUR
5	RAKESH AGRAWAL	JASHPUR	JASHPUR
6	RUPESH AGRAWAL	JASHPUR	PATHALGAON
7	SANJAY JAIN	SURGUJA	BISHRAMPUR
8	SHIVAM TAYAL	SURGUJA	PRATAPPUR
9	PRINCE SONI	SURGUJA	SURAJPUR
10	HARSH GOYAL	SURAJPUR	BISHRAMPUR
11	SANJAY YADAV	SARGUJA	BAGICHA
12	RAKESH KUMAR DHURVE	KAWARDHA	PANDARIYA
13	SHIVJI YADAV	DURG	BHILAI
14	RAJESH BANCHHOR	DURG	PATAN
15	RISHAB SHARMA	BALODA BAZAR	BALODA BAZAR
16	PUNIT SAHU	BALODA BAZAR	BALODA BAZAR
17	AKSHAY SHRIVASTAVA	DURG	DURG
18	SANDEEP SHARMA	RAIPUR	DUBE COLONY

क्र.	नाम	जिला	स्थान/ब्लॉक
19	DHARMENDRA TANDAN	RAIPUR	ABHANPUR
20	RAVI KUMAR YADAV	RAIPUR	RAIPUR
21	RUPESH VERMA	RAIPUR	AARANG
22	RAVINDRA VASPBARKAR	RAIPUR	DHARSIWA
23	HITESH BANJAARE	RAIPUR	DHARSIWA
24	SWARNIM DALAL	RAIPUR	DDU NAGAR
25	MOHAMMED WAJID AKHTAR	RAIPUR	DHARSIWA
26	ANJALI THAKUR	RAIPUR	RAIPURA
27	ANKIT AGRAWAL	RAIPUR	RAIPUR
28	SANTOSH NAHAK	RAIPUR	RAIPUR
29	SANTOSH SINHA	MAHASAMUND	PITHORA
30	DILKHUSH KUMAR JHA	RAIPUR	SIVANAND NAGAR
31	RAJESH NETAM	RAIPUR	ARANG
32	RAJEEV PANDEY	RAIPUR	SARSIWA
33	HARSHAL MESHRAM	RAIPUR	MOHABABAZAR
34	BHUWAN LAL SAHU	BASTAR	JAGDALPUR
35	CHAMPESHWAR SAHU	RAIPUR	BHAKHARA
36	ANURAG JAIN	RAIPUR	SANKAR NAGAR

सोलर लगवाने हेतु संपर्क करें
+91 91790 61948

फ्रेंचाइजी या एसोसिएट बनने के लिए कॉल करें
+91 92435 06661

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी



- भारत को एक ही दिन में मिला पांच गोल्ड मेडल

भारत का 'गोल्डन पंच'

क्रिकेट में पाक को हराया, हॉकी में मलेशिया को, कुमकुम-प्रणवी-अमन चमकीं

एजेंसी ▶▶| नागोया

एशियन गेम्स 2026 में आज के दिन भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य समेत कुल नौ पदक अपने नाम किए। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने फाइनल में पाकिस्तान को 19 रन से हराकर लगातार दूसरी बार एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक जीता। पुरुष हॉकी टीम ने भी मलयेशिया को 5-1 से हराकर गोल्ड पर कब्जा जमाया और लगातार दूसरी बार चैंपियन बनी। तीरंदाजी ▶▶|शेष पेज 6 पर



कुमकुम ने 48 साल का इंतजार खत्म किया

तीरंदाजी में कुमकुम मोहोद ने महिला व्यक्तिगत रिकर्व में इतिहास रच दिया। उन्होंने फाइनल में दक्षिण कोरिया की येजिन ओह को शूट ऑफ में हराकर स्वर्ण पदक जीता।

भारत को 85 मेडल

- 21 गोल्ड
- 27 सिल्वर
- 37 ब्रांच



पुरुष हॉकी टीम ने भी मलेशिया को 5-1 से हराकर गोल्ड पर कब्जा जमाया

इन्होंने भी जीता पदक

- भारतीय महिला टीम ने भी गोल्फ में जीता रजत पदक
- महिला कुश्ती 53 किलोग्राम वर्ग में अंतिम पंघाल को रजत
- दीपक पूनिया तथा नीरज चौहान ने कांस्य पदक जीते

सेवा संकल्प अभियान का समापन...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मस्थान वडनगर से उनकी कर्मभूमि काशी तक निकली 'सेवा संकल्प यात्रा' का 7 अक्टूबर को भव्य समापन होगा। इस अवसर पर काशी में भाजपा बड़े सार्वजनिक आयोजन के जरिए अभियान का समापन करेगी।

वडनगर में शिवराज, शुभेंदु-भूपेंद्र काशी में नितिन, योगी और हिमंता

विशेष संवाददाता ▶▶| नई दिल्ली

खास बात यह है कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद नितिन नवीन की काशी में यह पहली बड़ी जनसभा होगी, जिसमें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे। जगतपुर इंटर कॉलेज मैदान में होने वाली इस सभा में करीब 50 हजार लोगों को जुटाने का लक्ष्य रखा गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 17 सितंबर को जन्मदिन से शुरू हुई यह यात्रा उनके ▶▶|शेष पेज 6 पर



नितिन नबीन



शिवराज सिंह चौहान



शुभेंदु अधिकारी



योगी आदित्यनाथ



हिमंता बिस्वा शर्मा

दोनों दिशाओं से निकलीं 20 टीमें

इस अभियान के तहत वडनगर और वाराणसी से कुल 20 टीमें रवाना की गईं। यात्रा में करीब 500 बाइक यात्री शामिल हैं। वडनगर से काशी पहुंचने वाले यात्रियों का 7 अक्टूबर को नमो घाट पर स्वागत किया जाएगा। इसके बाद वे नमो बुक फेस्टिवल जाएंगे, जहां ▶▶|शेष पेज 6 पर

नितिन के साथ जुटेगा भाजपा नेतृत्व

समापन समारोह में भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन की मौजूदगी को पार्टी के संगठनात्मक स्तर पर भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद काशी में उनकी पहली बड़ी जनसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा भी मंच साझा ▶▶|शेष पेज 6 पर

वडनगर में शिवराज, बढ़ते राष्ट्रीय कद का संकेत

सेवा संकल्प अभियान के समापन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मस्थान वडनगर में केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की मौजूदगी को भाजपा के भीतर उनके बढ़ते राष्ट्रीय महत्व के संदर्भ में देखा जा रहा है। वडनगर जैसे प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण केंद्र की जिम्मेदारी शिवराज सिंह चौहान को दी गई है। शिवराज सिंह चौहान लंबे समय तक मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हैं और अब केंद्र में कृषि तथा ग्रामीण विकास जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। किसानों, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और गांवों से जुड़े व्यापक राजनीतिक-सामाजिक आधार वाले इन मंत्रालयों ▶▶|शेष पेज 6 पर

सिंगापुर पहुंचे सीएम साय

तलाशेंगे छग में निवेश की वैश्विक संभावनाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर



मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राज्य में निवेश की नई संभावनाओं को विस्तार देने के उद्देश्य से सिंगापुर पहुंच गए हैं। सिंगापुर पहुंचने पर भारत के उच्चायुक्त डॉ. शिल्पक अंबुले ने मुख्यमंत्री साय का आत्मीय स्वागत किया। विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रथम सिंगापुर-इंडिया नेटवर्क फॉर ग्रोथ फोरम 2026 में सहभागिता के लिए छत्तीसगढ़ को नामित किया गया है। सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन द्वारा आयोजित इस अंतर्राष्ट्रीय मंच पर मुख्यमंत्री राज्य की औद्योगिक क्षमता, विकास की संभावनाओं और निवेश के अवसरों को वैश्विक निवेशकों के सामने रखेंगे। ▶▶|शेष पेज 6 पर



बिलासपुर के कई इलाकों में जेसीबी से धड़ल्ले से खुदाई और हाइवा के जरिए मुरुम का परिवहन किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। वहीं, अंबिकापुर में मुरुम के लिए पहाड़ तक काटे जाने का मामला सामने आया है। दिन-रात जारी इस कथित उत्खनन और परिवहन ने प्रशासन और खनिज विभाग की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पहाड़ छलनी, जमीन खोदकर बनाया तालाब, मुरुम के लिए बेखौफ खुदाई

लीज नहीं...

बिलासपुर जिले में बेखौफ चल रहा मुरुम का अवैध उत्खनन



विकास चौबे ▶▶| बिलासपुर

बिलासपुर जिले में मुरूम खदान के लिए एक भी लीज जारी नहीं की गई है, इसके बाद भी बेलतरा, तखतपुर, सकरी और कोनी के अधिकांश क्षेत्र में अवैध उत्खनन बेखौफ जारी है। नियम-कायदों को ताक पर रखकर जेसीबी से खुदाई और हाइवा से मुरम का परिवहन किया जा रहा है। दिन-रात चल रहे इस कथित खेल ने प्रशासन और खनिज विभाग की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने मामले की जांच के आदेश भी दे दिए हैं इसके ▶▶|शेष पेज 6 पर

सागौन जंगल में पेड़ काटकर खनन

बेलतरा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत खैरा-डंगनिया के सागौन जंगल में पेड़ काटकर मुरुम खनन किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है ▶▶|शेष पेज 6 पर



कोनी-लमेर में ट्रैक्टर से परिवहन

कोनी और लमेर क्षेत्र में भी मुरूम खनन के लिए कई ट्रैक्टर दिखाई देते हैं। इसी तरह गनियारी से लगे चोरभट्ठी खुर्द के शीशम जंगल में हरे-भरे पेड़ उखाड़कर मुरुम निकाला जा ▶▶|शेष पेज 6 पर

खजूरी नवागांव की जमकर शिकायत

तखतपुर क्षेत्र के खजुरी नवागांव में बिना किसी वैध लीज के बड़े पैमाने खनन जारी है। ग्रामीणों के अनुसार, खनन माफिया ने जमीन को 40 से 50 फीट तक गहरा कर दिया है, जिससे बच्चों का खेल मैदान बड़े-बड़े गड्ढों और तालाब जैसी खाइयों में बदल गया है। करीब 2 किलोमीटर के दायरे में सरकारी और वन क्षेत्र से लगी जमीन पर लगातार अवैध उत्खनन किया जा रहा है।

बेखौफ माफिया

दिनदहाड़े लुचकी घाट का पहाड़ काटकर निकाल रहे मुरुम



शासकीय भूमि पर कब्जे का भी खेल, दिन-रात चल रहे पोकलेन और बड़ी मशीनें

नदीम अंसारी ▶▶| अंबिकापुर

शहर से लगे लुचकी घाट के नीचे अवैध मुरुम उत्खनन का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है। माफिया बड़ी-बड़ी मशीनें लगाकर दिनदहाड़े पहाड़ की कटाई कर रहे हैं। मुरुम का अवैध उत्खनन करने के साथ ही उसका परिवहन भी किया जा रहा है। इतना ही नहीं, पहाड़ के नीचे स्थित जमीन के समतलीकरण का काम भी चल रहा है। आशंका जताई जा रही है कि इसके जरिए आने वाले समय में उक्त भूमि पर कब्जा कर उसकी बिक्री करने की तैयारी की जा रही है। शहर से लगे लुचकी ▶▶|शेष पेज 6 पर

की जाएगी कार्रवाई

लुचकी घाट पर अवैध उत्खनन की शिकायत मिलने पर पूर्व में कार्रवाई की गई थी। यदि वहां दोबारा उत्खनन किया जा रहा है, तो टीम भेजकर कार्रवाई कराई जाएगी।

डॉ. मनोज कुमार
प्रभारी जिला खनिज अधिकारी

जुर्माना भरकर बच निकलते हैं माफिया

लुचकी घाट पर बने बायोडक्ट के नीचे लंबे समय से शासकीय भूमि पर कब्जे की कोशिश किए जाने की बात सामने आ रही है। कुछ लोगों द्वारा शासकीय भूमि पर झोपड़ी का निर्माण भी कर लिया गया है। अब पहाड़ की कटाई और जमीन के समतलीकरण के जरिए कब्जे की कोशिश तेज किए जाने की आशंका है। गौरतलब है कि खनिज विभाग इस मामले में पहले भी ▶▶|शेष पेज 6 पर



देश में विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर सियासी पारा लगातार चढ़ा हुआ है। विशेषकर विपक्षी दल जिस तरह से इस पूरी प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं, उससे माहौल में एक भ्रम फैल रहा है। ज्यादातर राज्यों में आखिरी गहन पुनरीक्षण 2002 से 2004 के आसपास हुआ था। चुनाव आयोग का कहना है कि बीस साल में शहर बढ़े और पलायन बढ़ा, इसलिए 24 जून 2025 को देशभर में एसआईआर का आदेश दिया। मूल उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक विश्वसनीय बनाना है, लेकिन मतदाता सूची की शुद्धता और मतदाता के अधिकार-दोनों को एक साथ सुरक्षित रखना आवश्यक है। विपक्ष का आरोप है कि आयोग सत्ताधारी पार्टी के दबाव में काम कर रहा है। 'वोट चोरी' जैसी घटनाएं देशभर में हुई हैं। खासतौर पर राहुल गांधी, लंबे समय से चुनाव आयोग पर पक्षपात के आरोप लगाते रहे हैं। इसी वजह से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी उठ रही है। असली सवाल यह है कि क्या चुनाव आयोग की निर्णय-क्रिया इतनी पारदर्शी है कि नागरिक उस पर बिना किसी संदेह के भरोसा कर सके? जनता का भरोसा उस पर तभी मजबूत होगा, जब उसे पता हो कि संस्थान के भीतर निर्णय लेने की प्रक्रिया क्या है? इसके लिए पारदर्शिता बेहद जरूरी है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

एसआईआर पर हंगामा : हकीकत से ज्यादा फसाना



विश्लेषण

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर सियासी पारा लगातार चढ़ा हुआ है। विशेषकर विपक्षी दल जिस तरह से इस पूरी प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं, उससे माहौल में एक भ्रम फैल रहा है। विपक्षी हंगामे और सवालों के चलते ऐसे लोगों की संख्या बढ़ी है, जो मानने लगे हैं कि मतदाता सूची की जांच एक तरह से नागरिकता की जांच हो गई है। लोग एक बारगी वोटर न होने को बर्दाश्त कर भी लें, लेकिन कोई नहीं चाहेगा कि उसकी जन्मजात नागरिकता पर सवाल उठे या वह खतरे में पड़े। कहना न होगा कि विशेषकर पश्चिम बंगाल में हुए एसआईआर के बहाने विपक्ष यह भ्रम और डर-दोनों फैलाने में किंचित सफल रहा है। हालांकि यह भी सच है कि ऐसा डर सिर्फ पश्चिम बंगाल और बिहार के ही कुछ इलाकों में ही दिख रहा है। एसआईआर उत्तर प्रदेश में भी हुआ है और दिल्ली में भी जारी है। एसआईआर तमिलनाडु में भी हुआ है, लेकिन यहां के मतदाताओं के बीच ऐसा भ्रम और डर न के बराबर दिखा है। सवाल यह उठता है कि आखिर बिहार और पश्चिम बंगाल में ऐसा डर क्यों दिख रहा है? इसकी वजह है, वहां पिछले कुछ दशकों में बांग्लादेश से बढ़ी घुसपैठ। पश्चिम बंगाल में जब सत्ता में वाममोर्चा था, तब यही ममता बनर्जी वहां घुसपैठ के मुद्दे को उछालती रहती थीं और वाममोर्चे पर आरोप लगाती रहती थीं कि वह इसे बढ़ावा दे रहा है। ममता बनर्जी इस बहाने परोक्ष रूप से वाममोर्चा पर आरोप लगाती थीं कि मतदाता बने घुसपैठियों के ही सहारे वह पश्चिम बंगाल की सत्ता में काबिज है। बाद के दिनों में ये मतदाता ममता के समर्थक हो गए और ममता की सत्ता के आधार बनने लगे तो उन्हें भी यह मामला फिजूल का लगने लगा। बिहार का सीमांचल इलाका भी बांग्लादेशी घुसपैठ से प्रभावित रहा है। इसलिए वहां भी ऐसे सवाल और भ्रम उठ रहे हैं। चूंकि एसआईआर में ऐसे अवैध मतदाता ज्यादा सवालों के घेरे में हैं या फिर उनके नाम कट रहे हैं, इस वजह से इन्हीं राज्यों में यह मुद्दा कुछ ज्यादा तुर्श दिख रहा है। मतदाता सूची में सुधार और उसमें चुनाव आयोग एवं मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की भूमिका पर भी बड़े सवाल उठे हैं।

विशेषकर पश्चिम बंगाल में हुए एसआईआर के बहाने विपक्ष यह भ्रम और डर-दोनों फैलाने में किंचित सफल रहा है। हालांकि यह भी सच है कि ऐसा डर सिर्फ पश्चिम बंगाल और बिहार के ही कुछ इलाकों में ही दिख रहा है। एसआईआर उत्तर प्रदेश में भी हुआ है और दिल्ली में भी जारी है। एसआईआर तमिलनाडु में भी हुआ है, लेकिन यहां के मतदाताओं के बीच ऐसा भ्रम और डर न के बराबर दिखा है। सवाल यह उठता है कि आखिर बिहार और पश्चिम बंगाल में ऐसा डर क्यों दिख रहा है? इसकी वजह है, वहां पिछले कुछ दशकों में बांग्लादेश से बढ़ी घुसपैठ। पश्चिम बंगाल में जब सत्ता में वाममोर्चा था, तब यही ममता बनर्जी वहां घुसपैठ के मुद्दे को उछालती रहती थीं और वाममोर्चे पर आरोप लगाती रहती थीं कि वह इसे बढ़ावा दे रहा है।



संस्थाओं पर बहस हो, लेकिन तथ्यों के आधार पर

एसआईआर, निर्वाचन आयोग और न्यायपालिका पर सवाल उठाना लोकतांत्रिक तो है, लेकिन आरोप और प्रमाण, ड्राफ्ट सूची और अंतिम सूची, याचिका और न्यायिक आदेश तथा राजनीतिक मांग और कानूनी कार्रवाई, के बीच समझदारी से अंतर बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है। अव्वल तो मतदाता सूची की शुद्धता और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर बहस तथ्यों, कानून और निर्धारित प्रक्रिया के आधार पर होनी चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। चुनाव आयोग बार-बार यह भरोसा दिलाने की कोशिश कर रहा है कि एसआईआर मतदाताओं को बेहतर सुविधा देने की व्यवस्था है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य है, कोई भी वैध और योग्य मतदाता छूटे नहीं। मोटे तौर पर एसआईआर का एक ही मकसद है, हर योग्य और वैध मतदाता को सूची में जोड़ना, दिए गए पते पर न रहे मतदाताओं और मृतकों का नाम सूची से हटाना। इसके साथ ही विदेशी और घुसपैठियों को मतदाता सूची से बाहर करना है। एक आरोप यह लग रहा है कि मतदाता सूची तैयार करने में ईसीआईनेट सॉफ्टवेयर की भूमिका बीएलओ और ईआरओ की तुलना में बढ़ गई है, जिसकी वजह से मतदाता सूची को फाइनल करने के ईआरओ के अधिकार दरकिनार हो गए हैं। लेकिन ऐसा नहीं है। ईसीआईनेट सिर्फ तकनीकी मंच है, जिसकी बुनियाद अधिकारियों द्वारा घर-घर से जुटाए आंकड़े हैं। नहीं भूलना चाहिए कि मतदाता सूची में किसी नाम को जोड़ने या उसे हटाने का निर्णय सिर्फ ईआरओ ही ले सकता है और वह भी जनप्रतिनिधित्व कानून 1950 के तहत, नोटिस और सुनवाई के बाद ही ऐसा कर सकता है। कहना न होगा कि ऐसा ही हो रहा है। लेकिन राजनीति इसे देखने की बजाय अपने हिसाब से घटनाओं और कार्यों की व्याख्या कर रही है।

ज्यादा आपत्ति बिहार-प. बंगाल से

सवाल यह भी है कि क्या एसआईआर को लेकर उठाए जा रहे सवाल असल में प्रक्रियात्मक और कानूनी हैं या इनके जरिए सिर्फ राजनीति हो रही है? पहले ही कहा जा चुका है कि एसआईआर को लेकर विपक्षी दलों की सबसे ज्यादा आपत्तियां बिहार और पश्चिम बंगाल से जुड़ी बताई जा रही हैं। कुछ राजनेताओं और दलों ने एसआईआर के आधार पर इन राज्यों के चुनावी परिणामों और मतदाता सूची की प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। यहां ध्यान रखने की बात है कि एसआईआर केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में भी हुआ, लेकिन वहां बिहार या पश्चिम बंगाल की तरह इस पर सियासी विवाद नहीं हुआ। ऐसे में सवाल उठना लाजमी है कि यदि कुछ राज्यों में एसआईआर को लेकर गंभीर आपत्ति नहीं है तो फिर एक या दो राज्यों में गंभीर आपत्तियां क्या राजनीतिक एजेंडे की वजह से तो नहीं उठाई जा रहीं? एसआईआर को देखने और समझने की एक ही कसौटी हर राज्य में क्यों नहीं लागू की जा रही है? इससे तो यही संकेत जाता है कि इसका सियासी विरोध सेलेक्टिव है और दोहरे मापदंड से भरा हुआ है। एसआईआर को लेकर जारी बहस में बड़े पैमाने पर नाम हटाने, तकनीकी प्रणाली के इस्तेमाल और पारदर्शिता जैसे सवाल उठाए गए हैं।

यह है मानक प्रक्रिया

मतदाता सूची से नाम हटाने की प्रक्रिया निर्धारित कानूनी और प्रशासनिक चरणों के तहत होती है। नाम हटाने से पहले मतदाता को नोटिस जारी करने और उसकी आपत्तियों और तर्कों की सुनवाई की जाती है। इसके बाद आखिरी निर्णय संबंधित निर्वाचन अधिकारी के स्तर पर होता है। इसलिए ड्राफ्ट मतदाता सूची में किसी मतदाता का नाम नहीं होना और अंतिम मतदाता सूची से नाम हट जाना, एक ही बात नहीं है। इसलिए जरूरी है कि दावे, ड्राफ्ट आंकड़े, आपत्तियों और अंतिम निर्णय, इन सभी चरणों को अलग-अलग समझा जाए। हर स्तर पर चूंकि आयोग ने पारदर्शी व्यवस्था अपना रखी है, इसे समझना हो तो अभी दिल्ली के किसी बीएलओ केंद्र का दौरा किया जा सकता है।

दिल्ली में खूब नोटिस जारी किए गए हैं, उनके जवाब में लोग बीएलओ यानी बूथ स्तर के अधिकारी के पास पहुंच रहे हैं। लेकिन अफरा-तफरी, घबराहट या दहशत नहीं दिख रही। बीएलओ लोगों से जरूरी फॉर्म और प्रमाण ले रहे हैं। ज्यादातर नोटिस की वजह पूरा नाम दर्ज न होना, नाम की वर्तनी गलत होना, पिता या पति के नाम का पूरा न होना या फिर उनके नाम की वर्तनी में गड़बड़ी या कमी होना पाया गया है।

ईसीआईनेट का सॉफ्टवेयर

अधिकारियों का कहना है कि ईसीआईनेट का सॉफ्टवेयर मतदाता सूची के पहले से जारी नाम और आवेदन में कुछ भी गड़बड़ी पाता है तो वह नोटिस जेनरेट कर देता है। उदाहरण के लिए, पहले से किसी का नाम मतदाता सूची में सिर्फ रमेश दर्ज है, जबकि उसका पूरा नाम रमेश शर्मा है, या इसी तरह उसके पिता का पूरा नाम दर्ज नहीं है। लेकिन पहचान के दूसरे दस्तावेजों में उसका पूरा नाम दर्ज है। जब अधिकारी ईसीआईनेट पर इसे लोड करते हैं तो सॉफ्टवेयर इस गड़बड़ी या बेमेल तथ्य को पकड़ता है। इसी तरह किसी का पता बदल गया है, जो पहले से दर्ज रिकॉर्ड से अलग है तो उसे भी नोटिस जा रहा है। बस इन्हें प्रमाणित करना भर है। लेकिन राजनीतिक दल इसे या तो समझ नहीं रहे या फिर जानबूझकर नासमझी दिखा रहे हैं। इन प्रमाणों को घुसपैठिए या अवैध मतदाता साबित नहीं कर पा रहे हैं। इसलिए उनके नाम कट रहे हैं या काटे जाने की संभावना बन रही है। मौजूदा बहस में नागरिकों के लिए कुछ प्रश्न बेहद महत्वपूर्ण हो जाते हैं,क्या पुनरीक्षण निर्धारित संवैधानिक और कानूनी प्रक्रिया के तहत हुआ? क्या किसी पात्र मतदाता का नाम गलत तरीके से हटाया गया? यदि ऐसा हुआ, तो क्या दावा और आपत्ति की प्रक्रिया के जरिए उसे सुधारा गया?

अपील की प्रक्रिया आसान बनाना महत्वपूर्ण विकल्प



व्यवस्था

प्रदीप सिंह

स्वतंत्र पत्रकार

देश की राजनीति में इस समय मतदाता सूची के शुद्धि के लिए चलाए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर बहस के केंद्र में है। सत्तापक्ष और चुनाव आयोग इस प्रक्रिया को मतदाता सूची को पारदर्शी बनाने और लोकतंत्र को मजबूत करने वाला कदम बता रहा है, जबकि विपक्ष एसआईआर की पूरी कवायद को लोकतंत्र और कानून के शासन के खिलाफ बता रहा है। कुछ विपक्षी दल, नागरिक संगठन, अकादमिक संस्थाएं और बुद्धिजीवी चुनाव आयोग के इस विशेष अभियान को गैर-कानूनी बता रहे हैं। एसआईआर को आम मतदाताओं के खिलाफ एक साजिश बताने वाले इसे देश के लोकतंत्र और लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए एक गंभीर प्रशासनिक, कानूनी और राजनीतिक चुनौती बता रहे हैं। हालांकि उच्चतम न्यायालय ने एसआईआर के खिलाफ दायर याचिकाओं की सुनवाई करते हुए इसकी कानूनी वैधता को बरकरार रखा है, लेकिन जमीनी स्तर पर बड़े पैमाने पर नाम हटने और प्रक्रियात्मक पारदर्शिता की कमी के आरोपों के कारण यह मामला लगातार तूल पकड़ रहा है। दरअसल बिहार और पश्चिम बंगाल में इस प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में मतदाताओं के नामों की जांच, हटाने और पुनः शामिल करने को लेकर विवाद सामने आया। यह आरोप लगा कि एसआईआर के जरिए वास्तविक मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं। लेकिन चुनाव आयोग ऐसे आरोपों को खारिज करता रहा है। फिलहाल इस पूरी प्रक्रिया में हमें यह देखना होगा कि देश में एसआईआर की जरूरत क्या है, और इसका विरोध क्यों हो रहा है? क्या जरूरत और विरोध के बिंदुओं का मिलान करते हुए कोई बीच का रास्ता नहीं निकाला जा सकता है? जिससे मतदाता का अधिकार सुरक्षित रहे और मतदाता सूची भी पाक-साफ हो सके। इस विवाद को केवल सरकार बनाम विपक्ष के राजनीतिक संघर्ष के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसका सीधा संबंध चुनाव आयोग की विश्वसनीयता, मतदाता के अधिकार और चुनावी प्रक्रिया में जनता के विश्वास से है। यह सही है कि लंबे समय तक मतदाता सूची का पुनरीक्षण न करने पर सूची में मृत लोगों के नाम, स्थान बदल चुके मतदाताओं के पुराने पते, दोहरे नाम और अन्य गलतियां समय के साथ जमा रहते हैं। चुनाव आयोग ने बिहार में एसआईआर शुरू करते समय भी दो दशक से अधिक समय में हुए शहरीकरण, बड़े पैमाने पर पलायन, मृत्यु के बाद नाम नहीं हटने और डुप्लीकेट प्रविष्टियों को मतदाता सूची की शुद्धता के लिए चुनौती बताया था। लेकिन समस्या तब पैदा हुई जब कुछ वास्तविक मतदाताओं का नाम भी दस्तावेजी प्रक्रिया या किसी तकनीकी जांच के कारण सूची से बाहर हो गए। बिहार में एसआईआर के प्रारंभिक मसौदे से लगभग 65 लाख नाम बाहर रह गए थे। बाद में दावों और आपत्तियों की प्रक्रिया के जरिए कई मामलों की समीक्षा हुई। हमारे देश में एक सच्चाई यह भी है कि रोजगार की तलाश में बड़ी संख्या में लोग दूसरे राज्यों और देशों में पलायन करते हैं। पूर्वी और उत्तर भारत के लोग दक्षिण भारत, महाराष्ट्र, दिल्ली, मुंबई और पंजाब जाते हैं। जबकि पंजाब के लोग कनाडा, यूरोप और केरल, तमिलनाडु के लोग खाड़ी देशों में रोजी-रोटी की तलाश में जाते हैं, और जीवन का बड़ा समय वहां गुजार देते हैं। ये परदेशी और प्रवासीसमय-समय पर अपने गांव आते तो है लेकिन जानकारी के अभाव और समय के दबाव में वे अपने पैतृक स्थान पर अपना नाम दर्ज कराने नहीं आ पाते हैं। क्या यह केंद्र सरकार के लिए चुनौती है?एसआईआर चुनाव आयोग द्वारा संचालित प्रक्रिया है, जो संविधान के तहत स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है। इसलिए हर प्रशासनिक निर्णय को सीधे केंद्र सरकार का निर्णय मानना उचित नहीं होगा। फिर भी, राजनीतिक स्तर पर केंद्र सरकार के लिए चुनौती जरूर पैदा हो सकती है। यह विवाद यदि लंबे समय तक जारी रहता है तो विपक्ष इसे सरकार के खिलाफ राजनीतिक मुद्दे के रूप में इस्तेमाल कर सकता है। एसआईआर पर सबसे बड़ी चुनौती जनता के विश्वास की है। चुनाव केवल मतदान का आयोजन नहीं है, लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह विश्वास भी जरूरी है कि मतदाता सूची में शामिल हर योग्य नागरिक को मतदान करने का अवसर मिलेगा। यदि बड़ी संख्या में नागरिकों को अपने नाम के लिए बार-बार दस्तावेज जमा करने पड़ें या उन्हें यह स्पष्ट न हो कि उनका नाम क्यों हटाया गया, तो चुनावी प्रक्रिया के प्रति अविश्वास बढ़ सकता है। इस मुद्दे पर सरकार और चुनाव आयोग के सामने विकल्प की बात करें तो पहला विकल्प पूर्ण पारदर्शिता है। किस आधार पर किसी मतदाता का नाम संदिग्ध माना गया, कितने नाम हटाए गए, कितने नाम वापस जोड़े गए और कितनी अपीलें लंबित हैं- इन आंकड़ों को राज्य और निर्वाचन क्षेत्र के स्तर पर व्यवस्थित रूप से सार्वजनिक किया जा सकता है। अपील की प्रक्रिया को आसान बनाना भी एक महत्वपूर्ण विकल्प है। किसी नागरिक से नाम हटाए जाने के बाद ऐसी प्रक्रिया की उम्मीद की जानी चाहिए जिसमें वह आसानी से अपनी आपत्ति दर्ज करा सके और समयबद्ध तरीके से निर्णय प्राप्त कर सके। एसआईआर का मूल उद्देश्य मतदाता सूची को अधिक विश्वसनीय बनाना है, लेकिन मतदाता सूची की शुद्धता और मतदाता के अधिकार-दोनों को एक साथ सुरक्षित रखना आवश्यक है।

चुनाव आयोग ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर शुरू करते समय भी दो दशक से अधिक समय में हुए शहरीकरण, बड़े पैमाने पर पलायन, मृत्यु के बाद नाम नहीं हटने और डुप्लीकेट प्रविष्टियों को मतदाता सूची की शुद्धता के लिए चुनौती बताया था।

अलग राय दर्ज होना संस्था का टूटना नहीं



मंथन

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

देश में एसआईआर को लेकर जो बहस चल रही है, उसे सिर्फ "गड़बड़ी हो गई" कहकर नहीं समझा जा सकता। एसआईआर यानी विशेष गहन पुनरीक्षण मतदाता सूची की गहरी जांच है। चुनाव आयोग कहता है कि मृत, दोहरे और जगह छोड़ चुके लोगों के नाम हटने चाहिए। विरोधी दल और कई नागरिक समूह कहते हैं कि सही मतदाताओं के नाम भी कट रहे हैं। बीच में यह खबर भी आई कि आयोग के अंदर कुछ फैसलों पर अलग राय दर्ज हुई। कई लोगों ने इसे संस्था के टूटने जैसा पढ़ लिया।

संवैधानिक संस्थाओं में राय का फर्क अपने आप में गड़बड़ी नहीं होता। गड़बड़ी तब होती है, जब फर्क छिपाया जाए, नियम तोड़े जाएं, या आदमी को जवाब देने का मौका न मिले। एसआईआर कोई नया अलग कानून नहीं है। संविधान का अनुच्छेद 324 मतदाता सूची की तैयारी चुनाव आयोग को सौंपता है। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 21 (3) आयोग को कारण लिखकर विशेष पुनरीक्षण का अधिकार देती है। ज्यादातर राज्यों में आखिरी गहन पुनरीक्षण 2002 से 2004 के आसपास हुआ था। आयोग का कहना है कि बीस साल में शहर बढ़े और पलायन बढ़ा, इसलिए 24 जून 2025 को देशभर में एसआईआर का आदेश दिया। शुरुआत बिहार से हुई। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स बनाम इलेक्शन कमीशन मामले में अदालत ने कहा कि एसआईआर पुराने कानून से टकराता नहीं है और स्वतंत्र तथा निष्पक्ष चुनाव के लक्ष्य को कमजोर नहीं करता। यानी सूची साफ करने की शक्ति गलत नहीं है। पर शक्ति और जमीन पर अमल एक बात नहीं है। बिहार में प्रारूप सूची से करीब 65 लाख नाम बाहर रहे। अंतिम सूची में मतदाता करीब 7.89 करोड़ से घटकर लगभग 7.42 करोड़ रह गए। बाद के चरणों में नाम कटने और नोटिस जाने की शिकायतें बढ़ीं। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया कि दो निर्वाचन आयुक्तों ने कुछ फैसलों पर लिखित आपत्ति दर्ज की। आयोग ने 26 सितंबर 2026 को कहा कि एसआईआर के आदेश तीनों की सर्वसम्मति से पास हुए थे और विचार के दौरान अलग टिप्पणी सामान्य है। ऐसा फर्क दूसरी संवैधानिक संस्थाओं में भी रहा है। सबसे बड़ा उदाहरण केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य का मामला है, जिसका फैसला 24 अप्रैल 1973 को आया। केरल के एडनीर मठ के प्रमुख स्वामी केशवानंद भारती ने केरल के जमीन सुधार कानून को चुनौती दी थी। असली सवाल जमीन से बड़ा था। क्या संसद अनुच्छेद 368 के तहत संविधान का कोई भी हिस्सा, यहां तक कि मौलिक अधिकार भी, बदल सकती है? यह सुनवाई भारत के इतिहास की सबसे बड़ी पीठ ने की। तेरह जजों की राय 7 के मुकाबले 6 से बंट गई।

बहुमत ने कहा कि संसद संविधान संशोधित कर सकती है, पर उसका मूल ढांचा नहीं मिटा सकती। लोकतंत्र, न्यायिक समीक्षा, संघवाद और अधिकारों का मूल इस ढांचे में आता है। अल्पमत मानता था कि संशोधन की शक्ति इतनी बांधी हुई नहीं है। फैसला एक वोट से टिका। उस समय भी तीखी बहस हुई। आज वही बंटवारा संविधान की सबसे बड़ी सुरक्षा माना जाता है। केशवानंद में फर्क गड़बड़ी नहीं था। वह संविधान को बचाने वाली बहस थी। एक और उदाहरण लें। आपातकाल में मिसा कानून के तहत बंद लोगों ने बंदी प्रत्यक्षीकरण की याचिकाएं डाली थीं। सवाल था कि क्या अनुच्छेद 21 का जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार उस समय भी अदालत में मांगा जा सकता है। चार जजों के बहुमत ने कहा कि आपातकाल में यह दरवाजा बंद है।

जस्टिस एच. आर. खन्ना अकेले असहमत रहे। उनका कहना था कि जीवन और आजादी संविधान की देन नहीं, इनसे राज्य भी वंचित नहीं कर सकता। बाद में देश ने उनकी असहमति को सही माना और 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने उस बहुमत वाले फैसले को गलत ठहराया। रिपोर्टों के मुताबिक करीब 38 लाख अपीलों में से अधिकांश रुकी रहीं, और जो निपटीं उनमें ज्यादातर नाम वापस जुड़े। केशवानंद की तरह यहां भी राय अलग होना संस्था का कमजोर होना नहीं है। संस्था तब कमजोर होती है, जब सवाल न उठे। वह तब मजबूत होती है जब सवाल दर्ज हो, जवाब सार्वजनिक हो, और योग्य मतदाता का नाम बिना वजह न कटे। राय का फर्क दुश्मन नहीं है, छिपा हुआ फैसला है।



केशवानंद की तरह यहां भी राय अलग होना संस्था का कमजोर होना नहीं है। संस्था तब कमजोर होती है, जब सवाल न उठे। वह तब मजबूत होती है जब सवाल दर्ज हो, जवाब सार्वजनिक हो, और योग्य मतदाता का नाम बिना वजह न कटे। राय का फर्क दुश्मन नहीं है, छिपा हुआ फैसला है।

पारदर्शिता से ही बढ़ेगी विश्वसनीयता



चुनाव आयोग

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

हाल के बरसों में कामकाज के तरीकों को लेकर चुनाव आयोग लगातार विवादों में रहा है। विपक्ष का उस पर अविश्वास इतना गहरा शायद कभी नहीं रहा, जहां उसके तमाम फैसलों पर संदेह जताया गया। ऐसे में आयोग के भीतर निर्णय लेने की प्रक्रिया से जुड़ा जो खुलासा हुआ है, वह गंभीर सवाल खड़े करता है। चुनाव आयोग (ईसीआई) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हैं। कहा गया है कि दो चुनाव आयुक्तों और मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) के बीच कुछ महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर मतभेद रहे हैं। इनमें मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मुद्दा भी शामिल है। विपक्ष इन दिनों लगातार चुनाव आयोग पर सवाल उठा रहा है। विपक्ष का आरोप है कि आयोग सत्ताधारी पार्टी के दबाव में काम कर रहा है। 'वोट चोरी' जैसी घटनाएं देशभर में हुई हैं। खासतौर पर राहुल गांधी, लंबे समय से चुनाव आयोग पर पक्षपात के आरोप लगाते रहे हैं।

इसी वजह से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी उठ रही है। हालांकि, चुनाव आयुक्तों को हटाना आसान नहीं है। उन्हें संसद में महाभियोग की प्रक्रिया के जरिये ही हटाया जा सकता है। लेकिन चुनाव आयोग की अपनी विश्वसनीयता के लिए जरूरी है कि वह इन सवालों पर अंदरूनी तौर पर गंभीर चर्चा करे और जनता को पारदर्शी तरीके से बताए कि वह किस तरह काम कर रहा है और भविष्य में ऐसी समस्याओं को दूर करने के लिए क्या कदम उठाएगा। आयोग ने फिलहाल इतना ही कहा है कि उसके निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए, लेकिन इससे पूरी स्थिति स्पष्ट नहीं होती। खैर, चुनाव आयोग पर पक्षपात का निष्कर्ष निकालने में जल्दबाजी भी नहीं करनी चाहिए। यह समझना जरूरी है कि भारत जैसे विशाल देश में चुनाव व्यवस्था चलाना बेहद कठिन काम है। देश में करीब एक अरब मतदाता हैं और आयोग के पास सीमित संसाधन हैं। इसलिए हमें सिर्फ आरोप लगाने के बजाय यह सोचना चाहिए कि ऐसी समस्याओं को दूर कैसे किया जा सकता है ताकि बड़ी संख्या में योग्य मतदाताओं के नाम गलती से मतदाता सूची से न हटें। मुख्य बात यह है कि हर समस्या के पीछे साजिश या पक्षपात मान लेना जरूरी नहीं है। एसआईआर बेहद ही संवेदनशील मसला है। बिहार में इसकी शुरुआत से लेकर दिल्ली तक, कई बार इसे लेकर असंतोष जताया जा चुका है। अब तक 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की मसौदा मतदाता सूचियों से 13 करोड़ से अधिक नाम हटाए जा चुके हैं। पश्चिम बंगाल में तो विवाद अभी तक शांत नहीं हुआ है। हालांकि जिन लोगों के नाम हटाए गए हैं, उन्हें इसके खिलाफ अपील करके अपना जवाब देने का विकल्प दिया गया है। इस घटना से विपक्ष के आरोपों को बल मिलेगा और एसआईआर को लेकर शंका बढ़ेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि एसआईआर की प्रक्रिया पारदर्शी, समयबद्ध और ऐसी हो कि एक भी पात्र मतदाता अपने मतदान के अधिकार से वंचित न हो। 2025 के एसआईआर को लेकर उठे सवाल, आयोग का पक्ष, विशेषज्ञों की आपत्तियां और सुप्रीम कोर्ट का अंतिम फैसला, सभी को देखें तो यह केवल एक चुनावी प्रक्रिया नहीं, बल्कि मतदाता सूची की विश्वसनीयता और चुनावी व्यवस्था में नागरिक के अधिकार से जुड़ा बड़ा सवाल है। इस पूरे विवाद से जो अहम बातें सामने आती हैं, वो है- सर्वोच्च न्यायालय को चुनाव आयोग की आंतरिक कार्यप्रणाली के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश तय करने चाहिए और यह साफ होना चाहिए कि आयोग महत्वपूर्ण फैसलों पर सहमति कैसे बनाता है। साफ है, देश में स्वस्थ लोकतंत्र का सबसे जरूरी आधार चुनाव आयोग है। जनता का भरोसा उस पर तभी मजबूत होगा, जब उसे पता हो कि संस्थान के भीतर निर्णय लेने की प्रक्रिया क्या है। चुनाव आयोग से यह अपेक्षा किसी अन्य सरकारी विभाग की तुलना में अधिक है, क्योंकि वह स्वयं लोकतांत्रिक प्रक्रिया का प्रहरी है। उसकी विश्वसनीयता किसी सरकार, किसी राजनीतिक दल या किसी व्यक्ति से बड़ी है। इसलिए इस समय सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह नहीं है कि चुनाव आयोग के भीतर कौन किससे असहमत है। असली सवाल यह है कि क्या चुनाव आयोग की निर्णय-क्रिया इतनी पारदर्शी है कि नागरिक उस पर बिना किसी संदेह के भरोसा कर सके?

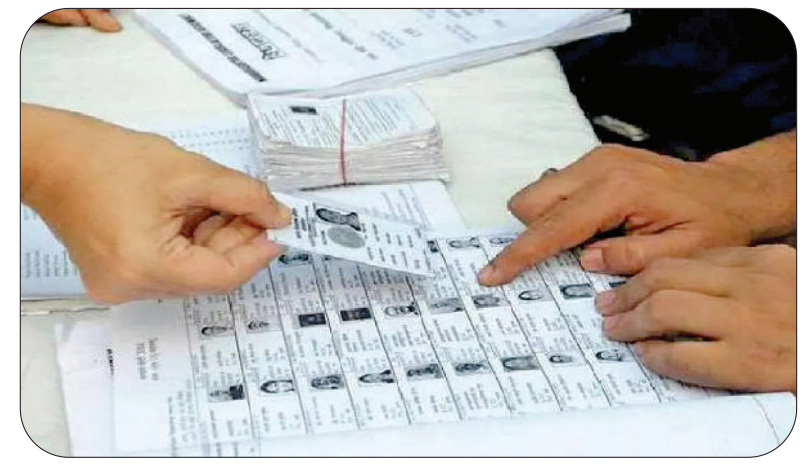

हर समस्या के पीछे साजिश या पक्षपात मान लेना जरूरी नहीं है। एसआईआर बेहद ही संवेदनशील मसला है। बिहार में इसकी शुरुआत से लेकर दिल्ली तक, कई बार इसे लेकर असंतोष जताया जा चुका है। अब तक 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की मसौदा मतदाता सूचियों से 13 करोड़ से अधिक नाम हटाए जा चुके हैं।

बिलासपुर, रविवार 4 अक्टूबर 2026 | आश्विन कृष्ण पक्ष अष्टमी/नवमी। वर्ष : 26, अंक : 194। पृष्ठ : 12+6 =18 मूल्य : 5.00*** | haribhoomi.com

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

भिलाई, बिलासपुर, राजनांदगांव, धमतरी, जगदलपुर दवाओं की खरीदी यहां से अनिवार्य नहीं है...। नियम से यह सूचना देने वाला बोर्ड सभी निजी अस्पतालों की दवा दुकानों पर होना चाहिए। ऐसे आदेश जारी भी किए गए। लेकिन प्रदेश की 90 फीसदी दवा दुकानों में बोर्ड गायब हैं। करीब नौ महीने पहले खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने राज्यभर के निजी अस्पतालों से अटैच फार्मेसी को इस बारे में आदेश जारी किया था। समय बीतने के बाद आदेश बेअसर हुआ और बेहतर इलाज की आस में इन हास्पिटलों में आने वाले मरीजों को दवा प्रिंट रेट पर थमाई जाने लगी। टीम हरिभूमि ने एक साथ प्रदेशभर की पड़ताल की। कुछेक अस्पतालों को छोड़कर कहीं बोर्ड नजर नहीं आया।

रायपुर-विकास शर्मा/बिलासपुर-कोमल सिंह/भिलाई-सुवांकर राय/राजनांदगाव-हफीज खान/जगदलपुर-महेंद्र विश्वकर्मा/धमतरी-संतोष सोनकर की विशेष रिपोर्ट

नौ महीने पहले अस्पतालों से अटैच मेडिकलों को जारी किया था आदेश

आदेश बेअसर... 90 फीसदी निजी अस्पतालों की फार्मेसी से गायब 'खरीदी अनिवार्य नहीं' का बोर्ड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में दवाओं पर की जाने वाली मुनाफाखोरी पर तीखी टिप्पणी की थी। प्रायवेट अस्पतालों में मरीजों को उपलब्ध कराई जाने वाली दवा की कीमत बाजार से अधिक होती है। यही नहीं लगभग सभी हास्पिटल की फार्मेसी की दवा प्रिंट रेट के आधार पर मरीज अथवा उसके परिजनों को थमाई जाती है। ▶▶|शेष पेज 6 पर

हरिभूमि लाइव

रायपुर में ही पालन नहीं, ज्यादातर जगह गायब, कुछ जगह नोटिस लगाए



राजधानी के ज्यादातर हास्पिटलों की दवा दुकानों से यह बोर्ड गायब है। शहर के सबसे बड़े अस्पतालों में शामिल एमएमआई, बाल गोपाल, भट्टर हास्पिटल समेत ज्यादातर की दवा दुकानों में बोर्ड नहीं लगाए गए हैं। वहीं बड़े अस्पतालों की फार्मेसी में इसका पालन किया जा रहा है। रामकृष्ण और संजीवनी हास्पिटल की दवा दुकान में खरीदी अनिवार्य नहीं की नोटिस लगाया गया है। इसके अलावा क्षेत्र के ▶▶|शेष पेज 6 पर

बिलासपुर में भी जारी है मनमानी



राजधानी रायपुर के अलावा बिलासपुर के निजी अस्पतालों के मेडिकल में मनमानी जा रही है। इन हास्पिटलों के डाक्टर ऐसी दवा लिखते हैं जो उन्हीं की दवा दुकान में मिलती है और मरीजों को इसके लिए एमआरपी का भुगतान करना पड़ता है। अस्पतालों में बकायदा बोर्ड लगाकर लोगों को जागरूक करने कहा गया था, इसके बावजूद राज्य भर में प्राइवेट अस्पताल अपने मेडिकल दुकानों से वसूली में लगे हुए हैं। जिले में भी बड़े बड़े अस्पतालों में भी मेडिकल स्टोर पर ऐसी सूचना मौजूद नहीं है। शहर के यूनिटी अस्पताल, वेगस हास्पिटल, दुबे नर्सिंग होम, डॉ लॉडीकर अस्पताल, ओम नर्सिंग होम, बीआरटीसी मल्टी स्पेलशलिटी अस्पताल, एलाइट मेडिसिटी के ▶▶|शेष पेज 6 पर

भिलाई: नहीं लगी जरूरी सूचना मरीजों को जानकारी से रखा दूर



खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार निजी अस्पतालों के मेडिकल स्टोर पर प्रमुखता से यह संदेश लगाया जाना चाहिए कि यहां से दवा खरीदना अनिवार्य नहीं है। मरीज अपनी सुविधा और बजट के अनुसार अस्पताल के बाहर किसी भी अन्य पंजीकृत मेडिकल स्टोर से दवा खरीद सकते हैं। इसके बावजूद जिले में कई निजी अस्पतालों और उनके परिसरों में संचालित मेडिकल स्टोर के बाहर यह सूचना प्रदर्शित नहीं की जा रही है। इससे मरीजों और उनके परिजनों में यह भ्रम पैदा हो सकता है कि डॉक्टर द्वारा लिखी गई दवाएं अस्पताल के मेडिकल ▶▶|शेष पेज 3 पर

जगदलपुर: निजी अस्पतालों में बाहर की दवा पर रोक!

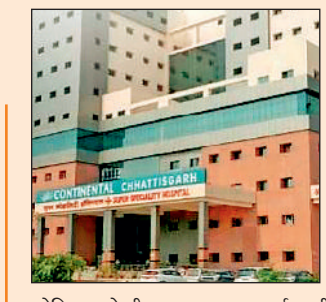

शहर के कॉन्टिनेंटल सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल एवं ओम हॉस्पिटल को लेकर इस तरह की शिकायतें सामने आई हैं। परिजनों का कहना है कि अस्पताल में भर्ती मरीज के उपचार के दौरान चिकित्सक द्वारा लिखी गई दवाइयां बाहर मेडिकल स्टोर से लेने की अनुमति नहीं दी जाती। अस्पताल परिसर में संचालित मेडिकल से ही दवा उपलब्ध कराई जाती है। कई बार मरीज के परिजन बाहर कम कीमत पर उपलब्ध दवा खरीदना चाहते हैं, लेकिन उन्हें ऐसा करने से रोक दिया जाता है। मरीजों के परिजनों का कहना है कि उपचार का खर्च पहले ही काफी अधिक ▶▶|शेष पेज 6 पर

राजनांदगांव: इन-हाउस मेडिकल स्टोर से दवाई खरीदने मरीज मजबूर



निजी अस्पतालों के मेडिकल स्टोर से दवाई खरीदने मरीजों की मजबूरी दिखाई देती है। क्योंकि डॉक्टर के द्वारा लिखी गई दवाई अन्य दूसरे मेडिकल स्टोर पर आसानी से नहीं मिलती है। ऐसे में निजी अस्पतालों के इन-हाउस मेडिकल स्टोर से ही मरीज और परिजन दवाइयां खरीद रहे हैं। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग ने स्पष्ट आदेश जाए किया है जिसमें कोई भी अस्पताल मरीज को अपनी इन-हाउस फार्मेसी या किसी खास दुकान से दवा खरीदने के लिए बाध्य नहीं कर सकता, ये कानूनन अवैध है और दवाएं कहां से लेनी हैं इस पर मरीज का अधिकार स्वतंत्र है। लेकिन अपने ही विभाग के आदेश को लेकर स्थानीय ▶▶|शेष पेज 6 पर

धमतरी: सूचना बोर्ड के अभाव में अस्पतालों में दवाइयां खरीदने मरीज विवश



शनिवार को हरिभूमि टीम द्वारा की गई पड़ताल में शहर के गुप्ता मल्टीस्पेशलिटी हास्पिटल, सिविल लाइन स्थित एक शिवनंदा अस्पताल, रायपुर रोड के मित्तल हास्पिटल और साहू अस्पताल सहित अधिकांश निजी अस्पतालों में संचालित मेडिकल में ग्राहकों को दवाइयां खरीदने की स्वतंत्रता देने संबंधी किसी तरह का सूचना बोर्ड नहीं पाया। अस्पतालों द्वारा शासन के आदेश को दरकिनार कर मरीजों को अभी भी अंधेरे में रख अपने ही मेडिकल से दवाइयां खरीदने मजबूर किया जा रहा है। वहीं एक बड़े अस्पताल में जरूर मेडिकल स्टोर्स में आदेश बोर्ड में लिखा ▶▶|शेष पेज 6 पर

पाठक सूचना
हरिभूमि
सुनहरा मौका
सुनिश्चित उपहार 2026
का मास्टर कूपन
कल के अंक में देखें।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

दिन में उमस परेशान करेगी, हवा की दिशा बदलने पर ठंड बढ़ेगी

देर से आया मानसून, जल्दी चला गया, रायपुर-बस्तर से भी विदा

देर से दस्तक देने वाला दक्षिण-पश्चिम मानसून इस बार जल्दी छत्तीसगढ़ छोड़ रहा है। शनिवार को इसके बस्तर और रायपुर छोड़ने की अधिकृत तौर पर पुष्टि हो गई है। अगले दो से तीन दिन में इसके बिलासपुर और सरगुजा संभाग छोड़ने के आसार हैं। दस साल में दूसरी बार अक्टबूर के पहले सप्ताह में मानसून की राज्य से विदाई हो रही है। अभी दिन में उमस परेशान करेगी। हवा की दिशा बदलने के बाद ठंड बढ़नी शुरू होगी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मौसम विज्ञान केंद्र ने शनिवार को मानसून की रायपुर से वापसी की घोषणा कर दी। राज्य में बारिश पिछले आठ दिन से बंद है जिसे ध्यान में रखते हुए इसकी विदाई का माहौल काफी समय से बन रहा था। बरसात रुकने के वजह से पिछले तीन-चार दिनों से गर्मी अपना खासा असर दिखा रही है। रात की तुलना में दिन में नमी का प्रभाव ज्यादा होने के कारण चिपचिपाहट वाली गर्मी हलाकान किए हुए है। राज्य का अधिकतम तापमान 34-35 डिग्री तक पहुंच चुका है। रात में मौसम सामान्य स्थिति में हैं मगर आने वाले दिनों में हवा की दिशा में बदलाव और शुष्कता ▶▶|शेष पेज 6 पर

खास खबर

कब आया और कब गया मानसून

वर्ष	आगमन जगदलपुर (जून)	विदाई सरगुजा (अक्टूबर)
2015	13	18
2016	18	15
2017	16	17
2018	22	15
2019	21	10
2020	11	15
2021	10	13
2022	16	16
2023	23	09
2024	08	12
2025	16	08
2026	21	3

अक्टूबर रायपुर छोड़ चुका

पिछले दस साल में दूसरी बार अक्टूबर के पहले सप्ताह में छत्तीसगढ़ छोड़ेगा

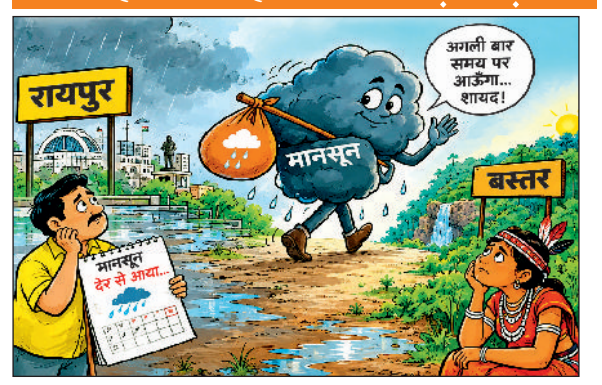

माहांत तक 20 डिग्री से नीचे उतरेगा पारा

अक्टूबर के अंत तक न्यूनतम यानी रात का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे होने की उम्मीद है। अभी यानी माह के शुरुआती दिनों में न्यूनतम तापमान 24-25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा रहा है। शुरुआती दिनों में वातावरण में मौजूद आर्द्रता की वजह से अभी रात का मौसम भी असहजता लिए रहेगा। समय बीतने के साथ मौसम में हवा की दिशा में बदलाव होगा तो उमस वाली बेचैनी से थोड़ी राहत मिलेगी।

खबर संक्षेप

इंफ्लुएंसर संधू की गोली मारकर हत्या

अमृतसर। पंजाबी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और मेकअप आर्टिस्ट मैड संधू की शनिवार को यहां मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात व्यक्तियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। घटना शाम करीब छह बजे लोहड़का रोड पर हुई। मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात व्यक्तियों ने मैड संधू पर गोली चलाई और मौके से फरार हो गए। संधू का असली नाम मधुसूदन था। संधू को अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया।

ट्रैक्टर मकान पर पलटा दो मजदूरों की मौत

कासरगोड। कासरगोड जिले के वेस्ट एलेरी के वरक्कड़ में बोरवेल की खुदाई के लिए इस्तेमाल होने वाली मशीन से लैस ट्रैक्टर एक मकान पर पलट गया, जिससे दो प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान मध्य प्रदेश के देवेंद्र और छत्तीसगढ़ के मनसार के रूप में हुई है। हादसा देर रात करीब दो बजे उस समय हुआ जब ट्रैक्टर ढलान से नीचे उतरते समय अनियंत्रित होकर मकान पर पलट गया।

नायरा का पेट्रोल पांच डीजल 3 रुपए महंगा

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी निजी ईंधन खुदरा विक्रेता नायरा एनर्जी ने पेट्रोल के दामों में पांच रुपए प्रति लीटर और डीजल में तीन रुपए प्रति लीटर की तत्काल प्रभाव से बढ़ोतरी की है।



बस का ब्रेक फेल, चार महिलाओं की मौत

हैदराबाद। तेलंगाना के विकाराबाद जिले में शनिवार को कथित तौर पर ब्रेक फेल होने के बाद एक निजी बस के पलट जाने से चार महिलाओं की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए। जिले के केसारम गांव के लोगों ने चिंताकुंटा में एक अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए बस किराये पर ली थी। उन्होंने बताया कि हादसे के समय बस में करीब 40 लोग सवार थे। अधिकारी ने कहा कि हादसे में चार महिलाओं की मौत हो गई।

क्षतिग्रस्त चेकडेम का फिर से कराना होगा निर्माण अन्यथा होगी रिकवरी



पहली बारिश भी नहीं झेल पाया लाखों की लागत से बना चेकडेम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

बलरामपुर जिले के शंकरगढ़ क्षेत्र में बनाया गया चेकडेम मात्र छह महीने में ही टूटकर धराशायी हो गया। इस चेकडेम का निर्माण 20 लाख रुपए की लागत से कराया गया था लेकिन निर्माण के दौरान बरती गई लापरवाही और गुणवत्ताहीन सामग्री के कारण चेकडेम पहली बारिश भी नहीं झेल पाया और टुकड़ों में टूटकर अलग हो गया। चेकडेम के टूटने के बाद ग्रामीणों में रोष का माहौल है और ग्रामीणों ने मामले में जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस जिला प्रशासन ने भी मामला सामने आने के बाद जांच और कार्रवाई के निर्देश दे दिए हैं और जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की बात कही जा रही है। बता दें कि बलरामपुर जिले के शंकरगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत सिलफिली में शासन द्वारा गर्मी के मौसम में बढ़ते पानी को रोकने और जल संरक्षण के उद्देश्य से चेकडेम के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई थी। इस चेकडेम के बनने से जल संग्रहण होता और आस पास के लोगों को सुनिश्चित मिलती। इस चेकडेम के निर्माण हेतु शासन से द्वारा 20 लाख रूपए की राशि जारी की गई थी। शासन के नरेगा के तहत पंचायत द्वारा इस चेकडेम का निर्माण कराया गया। लाखों रुपए की लागत से बना चेकडेम पहली बारिश भी नहीं झेल पाया।

ग्रामीणों में रोष कार्रवाई की मांग

चेकडेम के टूटकर बिखरने के बाद ग्रामीणों में रोष का कारण है। ग्रामीणों का कहना है कि चेकडेम द्वारा भी कई लाख रुपए का शुल्कपूर्वक पंचायत से किया गया। इस बीमार अधिकारियों में ग्रामीणों की कटाई से निर्माण का बिखरने जहां की गई। स्थानीय लोगों ने निर्माण के तीसरा गुणवत्ताहीन सामग्री का उपयोग करने के साथ ही मानकों का ध्यान नहीं रखा गया। इसी कारण से चेकडेम बनाया गया। इसी कारण से पूरे निर्माण गुणवत्ता की जांच की है। जिसे सीईओ द्वारा भी जांच टीम का गठन कर दिया गया है।

हरिभूमि की खबर का असर, जिपं सीईओ के निर्देश पर चार सदस्यीय टीम ने की जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

बलरामपुर जिले के शंकरगढ़ अंतर्गत सिलफिली चेकडेम के 6 महीने में ही बह जाने की खबर का असर हुआ है। खबर प्रकाशन के बाद मामले में जिपं सीईओ के निर्देश पर जांच कराई गई और जांच में लापरवाही सामने आई है। जांच के बाद अब आने वाले समय में पंचायत को फिर से चेक डेम का निर्माण कराना होगा। चेक डेम का निर्माण नहीं कराने की स्थिति में ग्राम पंचायत से राशि की वसूली की जाएगी। बता दें कि बलरामपुर ▶▶|शेष पेज 6 पर

हरिभूमि फॉलोअप

दीवार हुई क्षतिग्रस्त

जांच में सरपंच सचिव की ओर से अपने बयान में दावा किया गया कि उन्होंने दिए गये निर्देश के तहत सुधार कर मानक के अनुरूप निर्माण कराया। इस दौरान सामग्री और मजदूरी भुगतान मिलाकर कुल 13 लाख 18 हजार 872 रूपए खर्च किया गया। जांच के दौरान कहा गया कि बारिश अधिक होने के कारण चेकडेम का एवटमेंट विंग वाल मिट्टी के कटाव के कारण क्षतिग्रस्त हो गया और अब पानी का स्तर कम होने और फसल कटने के बाद फिर से निर्माण कराने की बात कही जा रही है लेकिन बड़ा सवाल यह है कि जिले कुसमी शंकरगढ़ क्षेत्र में तो नियमित रूप से अधिक बारिश होती है और मिट्टी कटाव की सम्भावना भी रहती है। ऐसे में सभी तथ्यों को ध्यान में रखकर चेकडेम का निर्माण क्यों नहीं कराया गया।

की जाएगी कार्रवाई

चेकडेम निर्माण के मामले में जांच के लिए टीम का गठन किया गया था। जांच टीम का प्रतिवेदन आ गया है। मिट्टी कटाव को चेकडेम क्षतिग्रस्त होने का कारण बताया गया है। चेकडेम का फिर से निर्माण कराना होगा अन्यथा राशि की रिकवरी की कार्रवाई की जाएगी।

-आशुतोष चतुर्वेदी, सीईओ जिपं

हरिभूमि और आईएनएच का जिला संवाद सारंगढ़ में आज

विकास कार्यों व भावी प्रगति की संभावनाओं पर प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी करेंगे चर्चा



डॉ. हिमांशु द्विवेदी | टंकराम वर्मा | गजेन्द्र यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सारंगढ़

छत्तीसगढ़ सरकार के ढाई वर्ष पूर्ण होने पर हरिभूमि-आईएनएच द्वारा जिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन 4 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे से शुक्ला मैरिज पैलेस बरमकेला रोड सारंगढ़ में किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी जिले में किए ▶▶|शेष पेज 6 पर

कलेक्टर व एसपी समेत कई हस्तियां होंगी शामिल

कार्यक्रम में कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू व एसपी सुनील शर्मा समेत कई हस्तियां शामिल होंगे। इनमें जिलाध्यक्ष कैट रतन शर्मा, प्रधान हास्पिटल दानसरा के डा. आनंद प्रधान, राइस मिल एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, छत्तीसगढ़ चेंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के जिलाध्यक्ष संगीत सिंह ठाकुर और सेवा भारती के अध्यक्ष समाजसेवी सतीश यादव सहित जिले की कई हस्तियां शामिल हैं।

स्मित से मिले दुबई के शहजादे

मच्छार के 'साहस' को किया सलाम



इलाज जारी, सेहत में सुधार: यूएई में भारतीय दूतावास ने इससे पूर्व कहा था कि मच्छार की हालत में सुधार हो रहा है और उनका इलाज जारी है। दूतावास ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कैप्टन स्मित का बेहतरीन इलाज किया जा रहा है और उनकी हालत में सुधार हो रहा है। हम उनके परिवार और स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में हैं तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने के लिए हरसंभव सहयोग दे रहे हैं।

एजेंसी ▶▶| दुबई

दुबई के शहजादे हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मक्तूम ने भारतीय पायलट स्मित मच्छार के 'साहस' की शनिवार को प्रशंसा की, जिन्होंने उड़ान के दौरान अपने सह-पायलट के हमले के बाद विमान को दुर्घटनाग्रस्त कराने के प्रयास को नाकाम कर दिया था। हमदान ने अस्पताल में मच्छार से मुलाकात की और इसकी तस्वीरें 'एक्स' पर साझा कीं। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री हमदान ने कहा कि फ्लाईदुबई के पायलट ने साहस, जिम्मेदारी और मानव जीवन के प्रति संवेदनशीलता की सर्वोच्च मिसाल पेश की।

केंद्रीय मंत्री शाह-सीएम यादव ने की 'श्वेत क्रांति 2.0' की शुरुआत

35000 गोपालकों को 101 करोड़ का गिफ्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपाल

भारत के डेयरी सहकारी क्षेत्र को बदलने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को 'श्वेत क्रांति 2.0' की शुरुआत की। इसे महिला किसानों को सशक्त बनाने और रोजगार के अवसर पैदा करने के उद्देश्य से एक व्यापक पहल माना जा रहा है। भोपाल में आयोजित गोपालक सम्मेलन में शाह ने कई सौगातें दीं। शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि आजादी के बाद से कृषि व्यवस्था, ग्रामीण विकास और सहकारिता से जुड़े लोग अलग सहकारिता ▶▶|शेष पेज 6 पर



दुनिया का सबसे अधिक दूध उत्पादक देश

सहकारिता मंत्री शाह ने कहा, भारत आज दुनिया में सबसे अधिक दूध उत्पादन वाला देश है। देश के पांच प्रमुख दूध उत्पादक राज्यों उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र में भाजपा की सरकारें हैं। कांग्रेस ने अपने शासन में पशुपालकों के कल्याण के लिए क्या किया, इसका जवाब उसे देना चाहिए। हमारी सरकारों का ध्यान पशुपालकों की आय बढ़ाने, दुग्ध उत्पादन बढ़ाने और डेयरी क्षेत्र को मजबूत करने पर है।

अब तीन साल में ही मिलेगा न्याय

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत की न्याय व्यवस्था कभी 'तारीख पर तारीख' के लिए जानी जाती थी, लेकिन नए आपराधिक कानूनों के पूर्ण क्रियान्वयन के बाद प्राथमिकी दर्ज होने से लेकर उच्चतम न्यायालय तक तीन साल में न्याय दिलाने का पूरा काम हो जाएगा। प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद शाह ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि बीएनएस के पूर्ण क्रियान्वयन के बाद देश की आपराधिक न्याय व्यवस्था दुनिया की सबसे आधुनिक न्याय प्रणालियों में शामिल होगी।


अजन्ता®
AJANTA
fssai
ISO 20022
IS : 5346
CM/L-9405374
ESTD. 1949
AJANTA BAKING POWDER
Food Color Preparation
Baking Powder, Custard Powder, Drinking Chocolate & Flavours
www.ajantafoodproducts.com

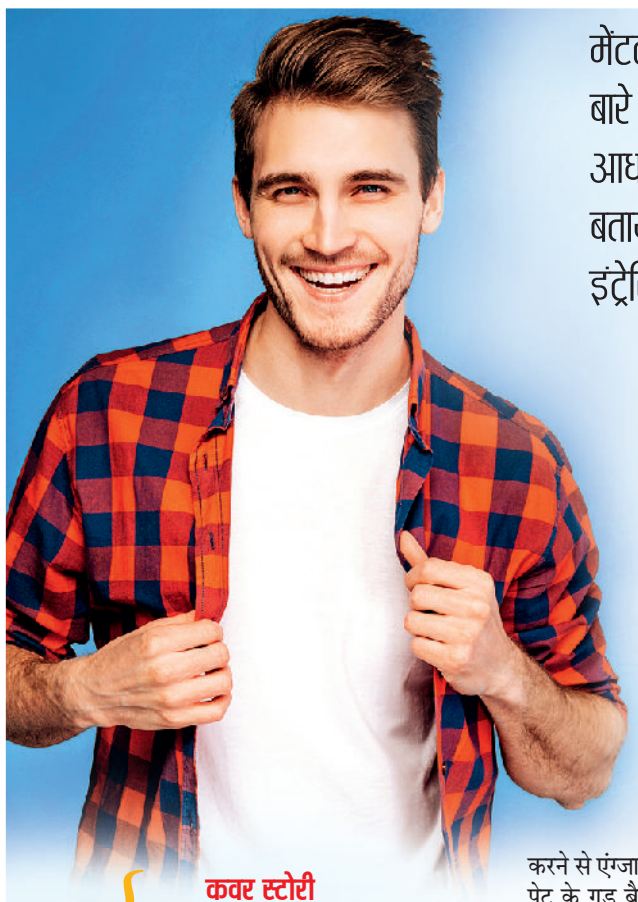

स्पेशल: मेंटल हेल्थ डे, 10 अक्टूबर

मेंटल हेल्थ को सुधारने के लिए कई कॉमन तरीकों के बारे में आप जानते होंगे। लेकिन वैज्ञानिक शोधों के आधार पर दुनिया के विशेषज्ञों ने कुछ डिफरेंट एक्टिविटीज के बारे में भी बताया है। ये एक्टिविटीज मेंटली हेल्दी रहने में तो कारगर हैं ही, ये बहुत इंट्रेस्टिंग एक्सपीरियंस भी प्रदान करती हैं। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

फॉलो करें ये डिफरेंट एक्टिविटीज

आप रहेंगे मेंटली हेल्दी-एनर्जेटिक

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी, डिजिटल तनाव और लगातार बदलते लाइफस्टाइल के बीच मानसिक स्वास्थ्य को दुरुस्त बनाए रखना एक बड़ी चुनौती बन गया है। जब भी मानसिक रूप से स्वस्थ रहने की बात आती है, तो आमतौर पर योग, ध्यान, गहरी सांस लेना या आठ घंटे की नींद जैसी सलाहें दी जाती हैं। बेशक ये तरीके कारगर हैं, लेकिन आधुनिक विज्ञान और न्यूरोसाइंस के शोध अब कुछ ऐसे अनूठे और अपरंपरागत तरीकों के बारे में भी बता रहे हैं, जो हमारे मस्तिष्क को पूरी तरह से रीवायर कर सकते हैं। जानते हैं ऐसे ही कुछ उपाय जो आपके मानसिक स्वास्थ्य को एक नए स्तर पर ले जा सकते हैं।

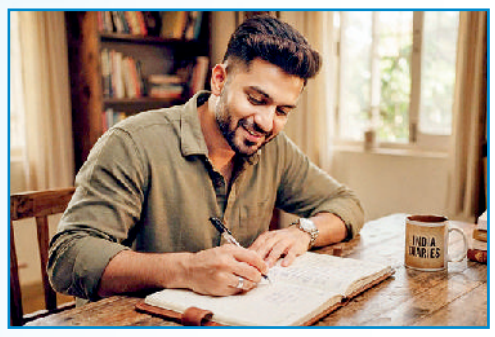



कुछ न करने की डच कला यानी निकसेन

अकसर हमें हर वक्त कुछ न कुछ रचनात्मक या उत्पादक करने की सलाह दी जाती है। लेकिन नीदरलैंड की एक अवधारणा है, जिसे 'निकसेन' कहा जाता है, जिसका अर्थ है 'जानबूझकर कुछ भी न करना।' अकादमिक जर्नल 'एड्रोगोगिका' में प्रकाशित शोध के अनुसार, जब हम बिना किसी उद्देश्य के बैठते हैं या बस खिड़की से बाहर देखते हैं, तो हमारे मस्तिष्क का 'डिफॉल्ट मोड नेटवर्क' सक्रिय हो जाता है। यह नेटवर्क रचनात्मकता को बढ़ाता है, मानसिक थकान को दूर करता है और भविष्य की चिंताओं को कम करने में मदद करता है।

भारी वजन उठाना या रेजिस्टेंस ट्रेनिंग

मानसिक स्वास्थ्य के लिए अकसर वॉक या कार्डियो वर्कआउट की सलाह दी जाती है, लेकिन वर्ष 2018 में 'जामा साइकिएट्री' में प्रकाशित 33 नैदानिक परीक्षणों के एक बड़े विश्लेषण में पाया गया कि रेजिस्टेंस ट्रेनिंग (वजन उठाना या स्ट्रेंथ ट्रेनिंग) सीधे तौर पर अवसाद के लक्षणों को कम करती है। वजन उठाने से मस्तिष्क में ब्रेन डीराइव्ड न्यूरोट्रॉफिक फैक्टर प्रोटीन का स्तर बढ़ता है। यह प्रोटीन नए मस्तिष्क सेल्स के निर्माण और न्यूरोप्लास्टिसिटी को बढ़ावा देता है, जिससे मानसिक मजबूती आती है। आप मेंटली स्ट्रॉन्ग महसूस करते हैं।

प्रोबायोटिक्स और साइकोबायोटिक्स

विज्ञान ने साबित कर दिया है कि हमारा पेट हमारा 'दूसरा मस्तिष्क' है। हमारे पेट में मौजूद बैक्टीरिया सीधे तौर पर हमारे मूड को नियंत्रित करते हैं। 'गैस्ट्रोएंटरोलॉजी' जर्नल के एक शोध के अनुसार, विशिष्ट प्रोबायोटिक्स (जिन्हें साइकोबायोटिक्स कहा जाता है) का सेवन करने से एंग्जाइटी और डिप्रेशन के लक्षणों में कमी देखी गई है। पेट के गुड बैक्टीरिया शरीर का 90 प्रतिशत सेरोटोनिन यानी 'हैप्पी हार्मोन' बनाते हैं। इसलिए, खान-पान में सुधार सीधे मानसिक स्वास्थ्य को सुधारता है।

अज्ञात जगहों की यात्रा-नई भाषा सीखना

मस्तिष्क को पुरानी दिनचर्या और एक ही ढर्रे पर जीने से बोरियत और मानसिक थकान होती है। न्यूरोसाइंटिफिक अध्ययनों से पता चलता है कि जब आप किसी ऐसी जगह जाते हैं, जहां आप पहले कभी नहीं गए या कोई नई भाषा/संगीत वाद्ययंत्र सीखते हैं, तो मस्तिष्क के हिप्पोकैंपस क्षेत्र में नए न्यूरल कनेक्शन बनते हैं। न्यूरोप्लास्टिसिटी के सिद्धांतों के अनुसार, यह दिमागी लचीलापन पुरानी नकारात्मक सोच के चक्र को तोड़ने में मदद करता है।





क्रायोथेरेपी और कोल्ड शावर

सुबह-सुबह ठंडे पानी से नहाना आपके मूड को तुरंत बदल सकता है। इसे वैज्ञानिक भाषा में 'हॉर्मेसिस' कहा जाता है, यानी शरीर को एक छोटा, नियंत्रित तनाव देना जो अंततः फायदेमंद साबित हो। 'मेडिकल हाइपोथीसिस' जर्नल के एक प्रसिद्ध अध्ययन के अनुसार, ठंडे पानी से नहाने से मस्तिष्क में नॉरपेनेफ्रिन और एंडोर्फिन का स्तर बढ़ जाता है। यह त्वचा से मस्तिष्क तक भारी मात्रा में इलेक्ट्रिकल इंपल्स भेजता है, जिससे डिप्रेशन के लक्षणों में दवा जैसी राहत मिल सकती है।

बाइनॉरल बीट्स

यह एक प्रकार का श्रवण भ्रम है, जो तब बनता है जब दोनों कानों में दो अलग-अलग आवृत्तियों की थोड़ी भिन्न ध्वनियां सुनाई जाती हैं। 'बाइनॉरल' शब्द का अर्थ है 'दो कानों से संबंधित'। इसमें यह सिद्धांत काम करता है कि यदि दाएं कान में 300 हर्ट्ज और बाएं कान में 310 हर्ट्ज की ध्वनि दी जाए, तो दिमाग को 10 हर्ट्ज की तीसरी बीट का अहसास होता है। माना जाता है कि यह तकनीक मस्तिष्क की तरंगों को प्रभावित कर विश्राम या ध्यान की स्थिति में मदद करती है। यदि आपको ध्यान लगाने में कठिनाई होती है, तो ध्वनि विज्ञान आपकी मदद कर सकता है। 'फ्रंटियर्स इन ह्यूमन न्यूरोसाइंस' के शोध के अनुसार, बाइनॉरल बीट्स सुनने से गहरी शांति मिलती है और एंग्जाइटी कम होती है। यह तकनीक मस्तिष्क को बिना किसी विशेष प्रयास के ध्यान की स्थिति में ले जाती है।

वॉर्म्थ थेरेपी: गर्माहट का एहसास

जैसे ठंडा पानी काम करता है, वैसे ही शरीर को गहराई से गर्म करना भी मानसिक स्वास्थ्य के लिए चमत्कार कर सकता है। 'जामा साइकियाट्री' में प्रकाशित एक क्लीनिकल ट्रायल के अनुसार, 'होल-बॉडी हाइपरथर्मिया' (शरीर का तापमान बढ़ाना, जैसे गर्म टब में) से डिप्रेशन के लक्षणों में हफ्तों तक चलने वाली कमी देखी गई। गर्मी मस्तिष्क में ऐसे प्रोटीन को बढ़ाती है, जो नए ब्रेन सेल्स बनाने में मदद करता है।

एक्सप्रेसिव राइटिंग

यह केवल डायरी लिखना नहीं है, बल्कि बिना किसी काट-छांट के अपने सबसे गहरे और नकारात्मक विचारों को कागज पर उतारना है। मनोवैज्ञानिक डॉ. जेम्स पेनेबेकर के प्रसिद्ध शोधों से पता चलता है कि हर दिन 15-20 मिनट तक अपने तनाव या आघात के बारे में लिखने से वर्किंग मेमोरी बेहतर होती है, तनाव कम होता है और यहां तक कि शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। यह मस्तिष्क के इमोशनल सेंटर की अति-सक्रियता को शांत करता है। इससे दिमाग शांत और संतुष्टि महसूस करता है।

क्रोनोथेरेपी यानी जैविक घड़ी की सही सेटिंग

अपनी जैविक घड़ी को रीसेट करना अकसर मानसिक समस्याओं का सीधा संबंध हमारे सोने और जागने के गलत समय से होता है। क्रोनोथेरेपी में प्रकाश और समय के नियंत्रित उपयोग से जैविक घड़ी को ठीक किया जाता है। 'द लैंसेट साइकियाट्री' के एक अध्ययन के मुताबिक, सुबह की तेज धूप के संपर्क में आने से मेलाटोनिन और कोर्टिसोल का चक्र नियमित होता है। यह न केवल नींद की समस्याओं को ठीक करता है, बल्कि सीजनल अफेक्टिव डिसऑर्डर और गंभीर डिप्रेशन में भी बेहद प्रभावी पाया गया है। *

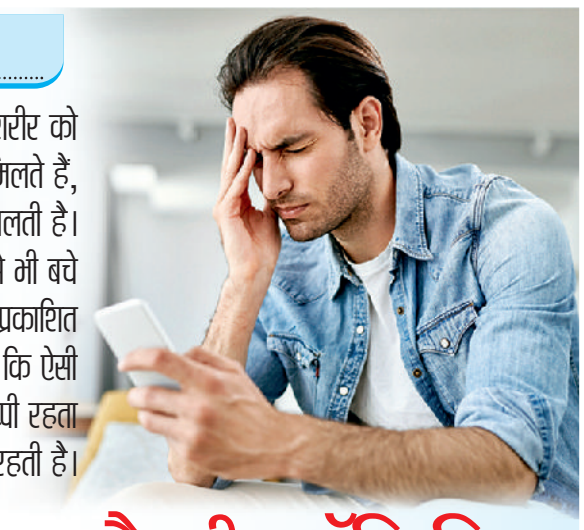

न्यूट्रिशस फूड्स खाने से शरीर को सभी जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं, जिससे स्ट्रेंथ और एनर्जी मिलती है। हम कई तरह के रोगों से भी बचे रहते हैं। लेकिन हाल में प्रकाशित रिपोर्ट में बताया गया है कि ऐसी डाइट से हमारा मूड भी हैप्पी रहता है, मेंटल हेल्थ बढ़िया रहती है।

मूड रहेगा हैप्पी-पॉजिटिव

रेग्युलर खाएं हेल्दी फूड्स

मेंटल हेल्थ / लोकमित्र गौतम

हमारा भोजन केवल पेट नहीं भरता, वह हमारे मस्तिष्क से संवाद भी करता है। इसलिए जब मन उदास हो, तनाव बढ़े या दिमाग धुंध में डूबा लगे, तो सवाल केवल यह नहीं कि हम क्या सोच रहे हैं- यह भी है कि हम क्या खा रहे हैं, कैसे सो रहे हैं और अपने शरीर के साथ कैसा व्यवहार कर रहे हैं? यह आज के दौर में ज्यादातर लोगों की समस्या है। हममें से बहुत से लोग इसे कभी थकान, कभी तनाव, कभी उम्र और कभी खराब याद्दाश्त का नाम देकर आगे बढ़ जाते हैं। लेकिन क्या हमारे मन, मस्तिष्क और भोजन के बीच भी कोई ऐसा रिश्ता है, जिसे हम लंबे समय से नजरअंदाज करते आए हैं? 'साइकोलॉजी नाउ' पत्रिका के हालिया अंक में प्रकाशित दो लेख- हैप्पी फूड और व्हाट इज ब्रेन फॉग? को साथ रखकर देखें तो एक दिलचस्प तस्वीर बनती है। पहला लेख जहां हमें यह बताता है कि मानसिक स्वास्थ्य केवल 'मन' का मामला नहीं है, इसमें भोजन और शरीर की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। दूसरा लेख उस अनुभव की पड़ताल करता है, जिसमें व्यक्ति को लगता है कि उसका दिमाग जैसे धुंध से भर गया है। कहीं ध्यान नहीं लग रहा, बातें भूल रही हैं और सोचने की गति बेहद धीमी पड़ गई है। इन दोनों को मिलाकर देखें तो क्लीयर होता है कि हमारे भोजन और हमारे दिमाग के बीच सीधा रिश्ता है।





अच्छे खाने से मिले खुशी: भोजन को अब केवल पेट भरने या कैलोरी गिनने की चीज मानकर नहीं देखा जा सकता है। हमारा मस्तिष्क लगातार काम करता है। सोचने, याद रखने, निर्णय लेने और भावनाओं को समझने की जटिल प्रक्रिया में शरीर और मस्तिष्क के बीच निरंतर संवाद चलता रहता है। वास्तव में खुश करने वाले भोजन यानी हैप्पी फूड का केंद्रीय विचार यही है कि हमारे भोजन और 'ब्रेन फंक्शन' के बीच गहरा संबंध है। भोजन में मौजूद पोषक तत्व शरीर की उन प्रक्रियाओं के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं, जिनका संबंध हमारे समग्र स्वास्थ्य और मानसिक सलामती से है। खाने का संबंध केवल हमारी फिटनेस तक सीमित नहीं रह गया है। यह हमारे मूड, ऊर्जा और मानसिक सक्रियता की बातचीत का भी हिस्सा बन गया है। कहने का मतलब यह कि पाचनतंत्र और मस्तिष्क को अलग-अलग मानना पूरी तरह सही नहीं है। शरीर के भीतर विभिन्न प्रणालियां लगातार एक-दूसरे से संवाद करती हैं, इसलिए भोजन की गुणवत्ता का असर हमारे अनुभवों से पूरी तरह अलग नहीं माना जा सकता।

क्या है ब्रेन फॉग: जब व्यक्ति को ध्यान केंद्रित करने में परेशानी हो, चीजें याद करने में कठिनाई महसूस हो, सोचने में स्पष्टता न रहे या मानसिक रूप से लगातार थकान महसूस हो, तो वह कह सकता है मेरा दिमाग आजकल ठीक से काम नहीं कर रहा। लेकिन साइकोलॉजी नाउ में छपा लेख, 'व्हाट इज ब्रेन फॉग', इसी अनुभव को सामने रखता है। वास्तव में इसमें कंसंट्रेशन की कठिनाई, मेमोरी प्रॉब्लम्स और मानसिक अस्पष्टता जैसी स्थितियों का ही उल्लेख किया गया है। लेकिन 'ब्रेन फ्रॉग' का सबसे परेशान करने वाला पहलू यह है कि ऐसा व्यक्ति जो इससे जूझ रहा हो, बाहर से बिल्कुल सामान्य दिखता है। वह अपना काम कर रहा होता है, लोगों से मिल रहा होता है, घर संभाल रहा होता है। लेकिन भीतर उसे लगता है कि उसकी मानसिक गति कुंद पड़ गई है। सवाल यह है कि क्या इसका रिश्ता हमारे खाए जाने वाले भोजन से भी होता है?

हैप्पी फूड-ब्रेन फॉग में रिलेशन: आमतौर पर जब तनाव बढ़ता है, तो हम जल्दी में खाना खाते हैं। थकान बढ़ती है तो हम प्रोसेस्ड फूड खाने में जोर देते हैं या मीठी चीजों खाना चाहते हैं, क्योंकि तत्काल रूप से यही खाना संतुष्टि देता है। नए अध्ययन में यह सामने आया है कि मन, शरीर, नींद, तनाव और भोजन को अलग-अलग खांचों में रखकर नहीं समझा जा सकता। 'ब्रेन फॉग' में तनाव, एंजाइटी, नींद की कमी, थकान और अन्य स्वास्थ्य संबंधी कारकों के संदर्भ में मानसिक अस्पष्टता की चर्चा हैप्पी फूड के निष्कर्षों से ही मेल खाता है। कहने का मतलब यह कि हैप्पी फूड, संतुलित और पोषक भोजन को हमारी मानसिक सलामती के संदर्भ में रखता है। मतलब यह कि अगर दिमाग को स्वस्थ रखना है तो हमें ऐसे फूड से नाता जोड़ना होगा, जो हमें खुश रखते हैं।

क्या होते हैं हैप्पी फूड्स: हैप्पी फूड कुछ ऐसे खाद्य पदार्थों का समूह है, जिन्हें पोषण की दृष्टि से उपयोगी माना गया है। इनमें एवोकाडो, बादाम, बेरीज, डार्क चॉकलेट, मशरूम, ओट्स और सालमन शामिल हैं। हैप्पी फूड का सीधा-सा मतलब है, ऐसा फूड जिसे खाने से आपके शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिलें और जो भोजन की पूरी गुणवत्ता पर खरा उतरता हो। विविधता से भरपूर भोजन, पोषक तत्वों से युक्त खाद्य पदार्थ, अच्छे फैट, फाइबर और अन्य पोषक तत्वों से संतुलित आहार हैप्पी फूड्स की श्रेणी में आते हैं और ये सभी कारगर हैं। *



गजल
कृष्ण बिहारी

बात जमाने की

तुम भी क्या बात करते हो जमाने की
यहां तो होड़ लगी है गंगा नहाने की।

पानी कम है चलो ये मान लिया हमने
जरूरत क्या है चुल्लू में डूब जाने की।

कोई मजबूरी है तो उसे कुबूल करो
सुनेगा कौन किसी बेवजह बहाने की।

जिंदगी भर जो आंसुओं के साथ रहा
कोशिश करता रहा सबको हंसाने की।

कुछ कदम साथ चलो तो जान जाओगे
उद्गम को क्या खबर अपने मुहाने की।

जानता हूं अकेला मैं टूट जाऊंगा
ताकतें कम भी नहीं मुझको झुकाने की।

व्यंग्य / महेश कुमार केशरी

चीनी के साथ कटोरी भी फ्री दीजिए

जब दुकानदार सामान देता है तो साथ में पन्नी भी फ्री दे देता है। उसी तरह आपको भी होना है मेहरबान। चीनी के साथ-साथ कटोरी भी देना है, श्रीमान। तो सोचना क्या है, कोई कटोरी या ग्लास निकालिए और चीनी भरकर लाइए।



एक रोज पड़ोसी ने सुबह-सुबह ही दरवाजा खटखटाया। खटखटाकर पूछा, 'कैसे हैं श्रीमान!' हंसते हुए जब उन्होंने किया प्रणाम, तो बदले में मुझे भी करना पड़ा प्रणाम। जब दांत फाड़कर उन्होंने दिखाया अपना जबड़ा, तो मुझे भी दिखाना पड़ा अपना मुस्कुराता थोबड़ा। फिर उन्होंने हमसे पूछा, 'आपको तो साल भर हुआ सोसाइटी में आए। आप तो ईद के चांद हो गए हैं। क्या एकांत जीवी हैं आप या ले लिया है संन्यास? क्या सोसाइटी के किसी प्रोग्राम में नहीं है आपको दिलचस्पी?'

इस पर मैंने कहा, 'नहीं ऐसा तो नहीं है श्रीमान।'

वे बोले, 'ठीक है तब कभी आइए, हमारे घर चाय पीने। कभी अपने घर भी बुलाइए। इसी बहाने मेल-जोल बढ़ेगा। आदमी मेल-जोल बढ़ाने से ही सामाजिक बनता है।'

उनकी बात को मैं टाल गया। लेकिन वो अगले दिन फिर आ धमके। खींसे निपोरते बोले, 'आपको परेशानी तो होगी। हो गई है रात। नहीं तो बाजार जाकर भी ला सकता था सामान। नहीं देता कोई आपको कष्ट। पड़ोसी हैं तो पड़ोसी होने के नाते काम आना चाहिए।' मैं बोला, 'जी भाई आप बताइए, क्या कोई जरूरी काम है?' 'काम तो कोई खास नहीं। मेरे यहां चीनी खत्म हो गई है। आज आप मेरा काम चलाइए, कल आपका काम मैं चलाऊंगा। बस इतनी सी है बात।' उन्होंने गुजारिश की। मैंने कहा, 'लेकिन चीनी कैसे दूं। आप तो खाली हाथ आए हैं!' वे तुरंत बोले, 'अरे श्रीमान ये इतनी बड़ी समस्या नहीं है। आसान है निदान। जब दुकानदार सामान देता है तो साथ में पन्नी भी फ्री दे देता है। उसी तरह आपको भी होना है मेहरबान। चीनी के साथ-साथ कटोरी भी देना है, श्रीमान। कोई कटोरी या ग्लास निकालिए और चीनी भरकर लाइए। फिर कटोरी ग्लास का आदान-प्रदान चलता रहेगा।' पिंड छुड़ाने के लिए एक कटोरा चीनी उनको निकालकर दे दिया। पड़ोसी लाल हंसते हुए चले गए। लेकिन इसके बाद वो रोज ही आने लगे। कभी चीनी मांगने, कभी तेल मांगने। कभी कटोरी लौटाने के बहाने से आते और मेरा आटा गीला कर जाते। इस तरह से मेरा राशन का बजट बिगड़ने लगा। कभी कटोरी लौटाने के बहाने आते और आकर किचन में यह कहते हुए घुस जाते कि लगता है आज कुछ स्पेशल बन रहा है! क्यों ना खाना आज आपके यहां खा लूं!

इस तरह रोज वो आते और किसी ना किसी बहाने से कुछ ना कुछ खाते या कटोरी में ले जाते। कभी कहते, 'मेरी पत्नी को भिंडी मसाला बनाना ही नहीं आता है। आपके यहां की भिंडी मसाला क्या गजब का बनता है। आपके यहां की पालक पनीर के क्या कहने। वाह! नाम लेते ही देखिए मुंह में पानी आ गया।' मैं आशय समझ जाता और कटोरे में दाल और सब्जी भरकर ले आता। मटन, चिकन जिस दिन बनता, वे पूरे दिन मेरे घर में ही अड्डा जमाए रहते। कहते, 'भाई बहुत चिकन और मटन खाया हूं। लेकिन भाभीजी के हाथों में तो जैसे जादू है। ऐसा खाना मैंने पूरी जिंदगी में कभी नहीं खाया है।' उनका आशय मैं समझ जाता और खीझते हुए ही सही, उन्हें कटोरी भरकर दे देता हूं। *

लघुकथा / देवेंद्र सिंह सिसौदिया

अनुभवी



कॉलोनी के पार्क में सुबह की सैर पर निकले शर्मा जी ने उत्साहित होकर वर्मा जी से कहा, 'सुना आपने, हाल ही में हुए घोटाले की जांच के लिए सरकार ने उच्चस्तरीय समिति गठित कर दी है!' 'अच्छी बात है,' वर्मा जी बोले, 'अब तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।' 'होना ही चाहिए। सचिव स्तर की समिति है। बड़े-बड़े अधिकारी इस जांच समिति के सदस्य हैं।' शर्माजी ने कहा। कुछ देर बाद टहलते- टहलते वर्मा जी ने पूछा, 'जांच का नेतृत्व कौन कर रहा है?'

'अरोरा साहब...' शर्मा जी ने बताया।

'वही अरोरा, जो कुछ साल पहले भ्रष्टाचार और अमानत में खयानत के आरोप में निलंबित हुए थे?'

शर्मा जी कुछ पल सोचते रहे, फिर बोले, 'हां... वही अरोरा साहब।' दोनों के कदम एकाएक रुके और दोनों पार्क में लगी बेंच पर बैठ गए। कुछ देर दोनों के बीच खामोशी छाई रही। फिर वर्मा जी मुस्कुराए और बोले, 'जांच के लिए अनुभवी आदमी ही चुना है। चोरी के सारे तौर-तरीके अच्छी तरह जानते हैं... दूध से पानी अलग करने में आसानी रहेगी।' यह सुनकर शर्मा जी ने भी मुस्कुराते हुए अपनी सहमति प्रकट की। *

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

विद्यासागर नौटियाल पर एकाग्र



टिहरी गढ़वाल के छोटे से गांव से ताल्लुक रखने वाले कथाकार विद्यासागर नौटियाल ने, हिंदी साहित्य में पहाड़ी जीवन की तमाम विसंगतियों को प्रमुखता से अभिव्यक्त किया। उनकी रचनाशीलता के तमाम आयामों को विवेचित करता 'बनास जन' पत्रिका का विशेषांक (प्रतिरोध के आख्यानकार: विद्यासागर नौटियाल) हाल में प्रकाशित हुआ है। इसमें कई युवा और वरिष्ठ लेखकों ने उनकी कहानियों, उपन्यासों और कथेतर साहित्य को मूल्यांकित किया है। पत्रिका के संपादक पल्लव ने नौटियाल की रचनाशीलता पर सटीक टिप्पणी की है। वे लिखते हैं, 'पहाड़ की रमणीयता में वे वंचितों के दबे स्वरों को खूब पहचानते हैं और उन्हें अपने लेखन में जरूरी जगह प्रदान करते हैं।' उनकी कहानियों के बारे में कई लेखकों ने बेहतरीन लेख लिखे हैं। शंभु गुप्त का लेख विशेष रूप से पठनीय है। अपने लेख में वे लिखते हैं, 'विद्या सागर नौटियाल गहरे जन-प्रतिबद्ध व लोक समर्पित कथाकार हैं।' पत्रिका में नौटियाल से जुड़े कुछ मार्मिक संस्मरण भी पढ़े जा सकते हैं। 'पहाड़ के प्रति प्रतिबद्ध जीवन' संस्मरणात्मक लेख में वरिष्ठ लेखक नवीन जोशी कहते हैं, 'यह उनकी पहाड़ के प्रति अटूट प्रतिबद्धता थी। इसके लिए उन्होंने (कम्युनिस्ट) पार्टी लाइन का खुला विरोध कर दिया था।' *

पत्रिका: बनास जन (विशेषांक-प्रतिरोध के आख्यानकार: विद्यासागर नौटियाल), **संपादक:** पल्लव, **मूल्य:** 200 रुपए, **प्रकाशन स्थल:** शालीमार बाग, नई दिल्ली

तरकश

संजय के दीक्षित

18 बरस का तरकश

2008 में हरिभूमि समाचार पत्र से प्रारंभ हुआ साप्ताहिक स्तंभ 'तरकश' ने 18 बरस पूरे कर लिए हैं। किसी भी स्तंभ के लिए सबसे जरूरी होती है उसकी निरंतरता। 'तरकश' ने इस पैरामीटर पर खरा उतरने का पूरा प्रयास किया। इन 18 बरसों में बड़े कम मौके आए...जब विषम परिस्थितियों में तीर नहीं चल पाए। वरना...छत्तीसगढ़ में रहे, या छत्तीसगढ़ से बाहर, कॉलम का क्रम टूटा नहीं। इस डेढ़ दशक के लगातार सफर का क्रेडिट जाता है छत्तीसगढ़ के उन लाखों सुधि पाठकों को, जिनका भरोसा समय के साथ और मजबूत होता चला गया। हर रविवार...पाठकों के घनघनाते फोन और मैसेज ने प्रेरित किया कि कठिन हालातों में भी 'तरकश' कभी रुकना नहीं चाहिए। और वैसा ही हुआ। 2008 में यह स्तंभ प्रारंभ हुआ, उसके बाद चार विधानसभा चुनाव हुए। सरकारें बदली। सिस्टम बदला। मगर स्तंभ न रुका, न तेवर बदला। यह एक तपस्या की तरह रहा। पर्सनल राग-द्वेष से बिल्कुल दूर। इस चक्कर में कई बार अपने भी आहत हुए...दुखी हुए। मगर फिर जुड़ गए। क्योंकि मंशा साफ थी। बहरहाल, किसी एक अखबार में किसी कॉलम की 18 बरस याने डेढ़ दशक की यात्रा कम नहीं कही जा सकती। जाहिर है, 2008 में जन्मे बच्चे आज वोटर हो गए हैं। जब यह स्तंभ प्रारंभ हुआ, तब संवाद प्रेषण का जरिया सिर्फ एसएमएस था...और थोड़ा बहुत फेसबुक। व्हाट्सएप का अविष्कार नहीं हुआ था। इस अनवरत सफर के लिए हरिभूमि पत्र समूह और उसके प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी को आभार...जिन्होंने 'तरकश' जैसे प्रहारक स्तंभ के लिए अपना प्लेटफार्म उपलब्ध कराया। आभार छत्तीसगढ़ के उन लाखों 'सुधि पाठकों' का भी...जिनकी बदौलत 'तरकश' का सफर अविराम जारी है।

पब्लिक के हक पर डाका!

बात 14 साल बरस पुरानी है। 2012 की। राजधानी रायपुर में पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए भारत सरकार से 100 बसें मिली थीं। उसी दौरान...यही कोई अक्टूबर का महीना होगा। मंत्रालय और विभागाध्यक्ष कार्यालय रायपुर से नवा रायपुर में शिफ्थ किए जा रहे थे। सिस्टम ने पब्लिक के लिए मिली बसों को नवा रायपुर जाने वाले कर्मचारियों के लिए लगा दिया। तब शायद बेंगलुरू की कंपनी से कंट्रेक्ट यह हुआ था कि कर्मचारियों को नवा रायपुर ले जाने, ले आने के बाद बचे समय में रायपुर शहर में बसों को चलाई जाएगी, ताकि आम आदमी को उसका फायदा मिल सकें। कुछ दिन तक ऐसा हुआ भी, मगर बाद में कंपनी ने शहरों में बसें चलानी बंद कर दी। क्योंकि, कंपनी को जब कर्मचारियों को लाने-ले जाने पर ही भरपूर पैसा मिल जा रहा तो फिर आम आदमी की उसे परवाह क्यों होनी चाहिए। आजकल सारी बसें दिन भर मंत्रालय के आसपास ख़डी रहती हैं. हालांकि, अफसर कागजों में दावा करते हैं कि 20 बसें अभी भी शहर में चल रही मगर वो किधर चलती है, कभी किसी को दिखी नहीं। याने पब्लिक को मिली 100 बसों की सुविधा छीन गई।

तीन विभागों का घनचक्कर

कर्मचारियों के लिए बसें चलाने में तीन विभाग इंवाल्व हैं। सामान्य प्रशासन विभाग एनआरडीए को पैसा देता है। एनआरडीए ने बसों का संचालन का जिम्मा रायपुर नगर निगम को दे दिया है। अब आप बसों की शर्तों के बारे में जीएडी से पूछेंगे तो वह एनआरडीए पर डाल देगा और एनआरडीए के पास जाइयेगा तो वह नगर निगम से पूछिए। बताते हैं, जीएडी 2700 रुपए प्रति कर्मचारी के हिसाब से कंपनी को हर महीने इन बसों के लिए 90 लाख रुपए देता है। इस 90 लाख में कंपनी का काम सिर्फ ड्राईवर और फ्यूल का इंतजाम करना है। बाकी बसें तो भारत सरकारी से मिली है। इसमें ये भी एक लोचा है कि बड़ी संख्या में कर्मचारी नवा रायपुर में रहने लगे हैं और काफी संख्या में वे अपने साधन से आते हैं। मगर उन्होंने बस के पास सरेंडर नहीं किए हैं। दूसरा फ्री की बस सेवा सिर्फ सरकारी कर्मचारियों के लिए थी, मगर प्लेसमेंट के कर्मचारी भी इस सरकारी सुविधा का लाभ उठा रहे। अब मुश्किल यह है कि 12 बरस में बसें कंडम होती जा रही हैं। दो बार आग लगने की घटना हो चुकी है। सिस्टम उलझन में है कि नई बसें कैसे खरीदी जाए और फिर कर्मचारियों को और कितने साल तक फ्री ट्रांसपोर्ट की सुविधा मुहैया कराई जाए। दरअसल, इस पर सहमति नहीं बन पा रही। अफसरों के एक वर्ग का मानना है कि 14 साल फ्री सर्विस बहुत होता है...फिर अब तो नई राजधानी में आवास भी खाली पड़े.हैं। तो दूसरे वर्ग को लगता है फ्री सेवा बंद करने से कहीं कर्मचारी नाराज न हो जाएं। क्योंकि, सवाल तो उठेगा...करोड़ों का बंगला लेने के बाद भी मंत्री कौन सा नवा रायपुर में आकर रह रहे हैं।

अफसर को संविदा पोस्टिंग

राज्य बनने के 25 साल मे यह दूसरी बार हुआ कि किसी ऑल इंडिया सर्विस के अफसर ने वीआरएस लिया और फिर से उसे संविदा पोस्टिंग मिल गई। पहली बार अमन सिंह को जब भारत सरकार ने डेपुटेशन को बढ़ाने से इंकार किया था, तो फिर उन्होंने वीआरएस ले लिया था। आईआरएस अफसर शीतल शाश्वत वर्मा के साथ भी ऐसा ही हुआ। सात साल तक डेपुटेशन पर रायपुर मंत्रालय में काम करने के बाद जब एक्टेंशन की गुंजाइश नहीं बची तो उन्होंने वीआरएस ले लिया। तब इसी स्तंभ में इस बात की ओर इशारा किया गया था कि कुछ दिन बाद वे संविदा पोस्टिंग में लौटेंगी और वैसा ही हुआ। शीतल को चीफ सिकेट्री ऑफिस में स्पेशल सिकेट्री का भी प्रभार दिया गया है। ये भी फर्स्ट टाईम हुआ है।



डायरेक्टर आईएएस में भी दो ही महिला अफसर सीएस की ज्वाइंट सिकेट्री बनी हैं। पहले ईशिता राय और फिर रेणु पिल्ले। शीतल आईआरएस अफसर रही हैं। उन्हें उन दोनों से उपर स्पेशल सिकेट्री टू सीएस बनाया गया है।

सीएम की सिक्यूरिटी

किसी भी राज्य के मुख्यमंत्री की सुरक्षा सर्वोपरि होती है। सीएम को कहां जाना है...कैसे जाना है...कहां नहीं जाना चाहिए, सुरक्षा एजेंसियों के पास वीटो का अधिकार होता है। ये बातें इस संदर्भ में लिखी जा रही कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कुछ दिन पहले बिलासपुर रोड पर मदकू द्वीप गए थे। मौसम चूकि काफी खराब था, इसलिए उनका हेलिकाप्टर उड़ नहीं पाया। वे सड़क मार्ग से वहां पहुंचे। बाढ़ में पुल डूब चुका था, इसलिए उन्हें नाव से उफनती नदी पार कर मंदिर ले जाया गया। सीएम जैसे वीवीआईपी के साथ ऐसा नहीं होना चाहिए। ठीक है...सीएम के नाव के अगल-बगल होमगार्ड और पुलिस का लश्कर चल रहा था। मगर उफनती नदी में ऐसा रिस्क लेना ही क्यों...कब पानी का बहाव तेज हो जाए या लेवल ब्रढ़ जाए। आखिर, घटना एक बार ही होती है।

सफेदपोश चोर

भिलाई स्टील प्लांट में लोहा चोरी की जांच के लिए सीबीआई पहुंच गई है। इससे वहां के सफेदपोश नेताजी लोग हिल गए हैं। दरअसल, बीएसपी में प्रति दिन तीन-से-चार करोड़ की लोहा चोरी हो रही थी। याने महीने में करीब 100 से 120 करोड़ के। ये भी जान लें कि भिलाई में पिछले दो-ढाई दशक में जितने नेता बने हैं, उनमें 98 परसेंट से अधिक लोग लोहा चोरी में संलिप्त रहे। और जब बेशुमार दौलत बना लिए तो सफेद वस्त्र पहन पॉलिटिक्स में आ गए। राजनीति में आने के बाद वे लोहा चोरों को संरक्षण दे रहे थे। हालांकि, भारत सरकार की इस स्टील कंपनी से रोज करोड़ों का लोहा पार करने में कंपनी के अधिकारियों ने भी बहती गंगा में खूब डूबकी लगाई। आखिर, दुर्ग पुलिस ने बीएसपी के जीएम समेत कई को अरेस्ट कर जेल भेजा है। सीआईएसएफ ने भी अपने डीआईजी को हटा कर असम भेज दिया है। सीआईएसएफ पर आरोप है कि जिस गेट से लोहा चोरी कर ले जाया जाता था, सीआईएफएस ने जानबूझकर वहां न तो सीसीटीवी लगवाया था और न वहां किसी जवान को तैनात किया। खैर, ठीक ही कहा गया है, अति का अंत होता है। बहरहाल, सीबीआई के नाम से भिलाई-दुर्ग के नेताओं की रात की नींद उड़ गई है, न जाने कब उनके दरवाजे पर सीबीआई धमक जाए।

गजब दिवाली

टेंट वालों की इस बार गजबे दिवाली मनेंगी। पीडब्लूडी के ईएनसी ऑफिस ने लंबे समय से बकाया 110 करोड़ रुपए जारी कर दिया है। इसमें एक-एक टेंट वालों को गिरे हालत में चार-से-पांच करोड़ रुपए मिले हैं। दरअसल, विभिन्न जिलों में मंत्री, मिनिस्टरों के लिए पंडाल, मंच बनते हैं, उसका लंबे समय से बिल बकाया था। खैर, बेचारे टेंट वाले काम किए हैं तो पेमेंट तो होना ही चाहिए। मगर ये भी सनद रखना चाहिए...विधायक सुशांत शुक्ला ने इसी साल बजट सत्र में प्रश्न लगाया था कि बिलासपुर में मुख्यमंत्री का कार्यक्रम हुआ एक और टेंट वाले ने बिल लगा दिया दो कार्यक्रमों का। और आश्चर्य ये कि वहां के पीडब्लूडी के एसई ने उसे पास भी कर दिया। सदन में पीडब्लूडी मंत्री ने इसकी जांच कराने कहा, मगर आज तक पता नहीं चला कि डबल पेमेंट मामले में किसी अफसर का एक बाल भी बांका हुआ? बहरहाल, टेंट वाले तो ईएनसी की जय जयकार कर रहे हैं।

नवरात्रि में सियासी गहमागहमी

30 सिंतबर को दिल्ली में राज्यों के नियुक्त नए प्रभारियों और संगठन मंत्रियों की बैठक हो गई। पार्टी अध्यक्ष ने सबको टास्क दिया। साथ में ये निर्देश भी...पितृ पक्ष के बाद सभी अपने प्रभार वाले राज्यों में अपनी जिम्मेदारी संभाल लें। बताते हैं, छत्तीसगढ़ की प्रभारी स्मृति ईरानी और संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह नवरात्रि में किसी दिन छत्तीसगढ़ आएंगे। संकेत मिल रहे, नवरात्रि शुरू होने के दूसरे या तीसरे दिन ही दोनों रायपुर आ जाएं। राजनीतिक पंडितों का मानना है, दोनों की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वे यहां कितना टाईम देते हैं। वैसे, संगठन मंत्री के नाते कर्मवीर सिंह को यहां रहना होगा। मगर प्रश्न स्मृति ईरानी का है। हालांकि, छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के जस्ट बाद लोकसभा चुनाव होता है। लिहाजा, स्मृति अपना परफार्मेंस दिखाने में कोई कमी तो नहीं ही करेंगी। बता दें, नितिन नबीन जब पिछले विधानसभा चुनाव से पहले छत्तीसगढ़ के सह प्रभारी थे, पूरे छत्तीसगढ़ का मथ डाला था। सूबे का शायद ही कोई ब्लॉक होगा, जहां वे नहीं पहुंचे। इसलिए, कार्यकर्ताओं से उनके सीधे रिश्ते बन गए थे। वह विधानसभा चुनाव में काम आया। नए प्रभारी और सह प्रभारी से भी बीजेपी कार्यकर्ता ऐसा ही उम्मीद संजोए हुए हैं। स्मृति से तो थोड़ा ज्यादा ही। कार्यकर्ताओं को लग रहा, स्मृति ही कुछ कर पाएंगी।

एक मंत्री, दो विभाग, दो नियम

डिप्टी सीएम अरुण साव के पास पीडब्लूडी है और नगरीय प्रशासन भी। मुकेश बंसल ने पीडब्लूडी सिकेट्री की जिम्मेदारी संभालते ही ठेकेदारों से काम फास्ट करने के लिए डामर का रेट रिवाइज कर दिया। दरअसल, ईरान युद्ध के बाद डामर का रेट बढ़ गया है। इस वजह से जो ठेकेदार पुराने रेट में टेंडर ले लिए थे, वे काम में रुचि नहीं दिखा रहे थे। जाहिर है, कोई नुकसान में काम करेगा नहीं। मगर अब डामर के रेट रिवाइज होने के बाद सड़कों के कामों में आश्चर्यजनक तौर पर तेजी आ गई है। मगर नगरीय प्रशासन विभाग के अफसरों ने इस पर ध्यान नहीं दिया। लिहाजा, शहरी इलाकों में सड़कों की मरम्मत का काम ठप्प पड़ा हुआ है। जबकि, डेवलमेंट का मैसेज शहरों से ही जाता है। खैर, अब सरकार ने सोनमणि बोरा को अर्बन एडमिनिस्ट्रेशन का सिकेट्री बनाया है, तो हो सकता है वहां भी डामर का रेट रिवाइज हो और काम में तेजी आए।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. रायपुर में ऑल इंडिया सर्विस का कौन अधिकारी है, जो कर्मवीर सिंह को छत्तीसगढ़ का संगठन मंत्री बनने पर मुख्यमंत्री से पहले फोन कर बधाई दे डाली?

2. स्मृति ईरानी के प्रदेश प्रभारी बनने के बाद मंत्रियों की सोशल मीडिया टीम इतना एक्टिव क्यों हो गई है?

हाईकोर्ट ने डॉक्टर पति को ही पत्नी की आत्महत्या के लिए दोषी ठहराया

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने डॉक्टर पति को पत्नी की आत्महत्या के लिए दोषी ठहराया है। साक्ष्यों और बच्चों के बयान के आधार पर कोर्ट ने कहा कि आरोपी पति के अवैध संबंधों और लगातार दी जा रही शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना के कारण पत्नी के पास मौत के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा था। उल्लेखनीय है कि बिलासपुर की निचली अदालत ने आईपीसी की धारा 498-ए के तहत आरोपी डॉक्टर को 3 साल की सजा सुनाई थी, कोर्ट ने आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने के आरोप से बरी कर दिया था। निचली अदालत के फैसले को चुनौती देते हुए मृतका के भाई ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। आरोपी डॉक्टर ने भी निचली अदालत द्वारा दी गई सजा के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की थी। ध्यान रहे कि बिलासपुर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में रहने वाली रश्मि प्रकाश ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मृतका के भाई आशीष नाथ ने सिविल लाइन थाने में शिकायत कर आरोप लगाया कि पति डॉ. संजय प्रकाश के हिंसा और उकसाने से उनकी बहन ने आत्महत्या की। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने 28 जून 2016 को

निचली अदालत ने बरी कर दिया था



दिए गए फैसले में आरोपी डॉक्टर को धारा 498-ए (पति या रिश्तेदार द्वारा क्रूरता) के तहत 3 साल की सजा और 10 हजार रुपए जुर्माने की सजा दी थी। हालांकि आत्महत्या के लिए मजबूर करने के आरोप से बरी कर दिया था।

हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान मृतका के बेटे रोहित और बेटी तनिष्का समेत माता-पिता के बयान को परखा। बच्चों ने बताया कि उनके पिता डॉ. संजय प्रकाश का क्लीनिक में काम करने वाली एक नर्स के साथ अवैध संबंध था। मां ने इसका विरोध किया, तो पिता ने उन्हें पहले चाबी फेंककर मारा, इसके बाद बेरहमी से पिटाई की। यह भी खुलासा किया कि मां को पानी में घोलकर भारी मात्रा में नींद की गोलियां दे दी थीं, जिससे उनकी हालत बेहद गंभीर हो गई थी। घटना के ठीक एक दिन पहले भी मां के साथ मारपीट की थी। धमकी दी थी कि वह मां को तलाक देकर नर्स से शादी करेगा।

कोर्ट ने पाया- पति ने ही मजबूर किया

हाईकोर्ट ने फैसले में कहा कि ट्रायल कोर्ट ने गवाहों के बयानों और सबूतों को टुकड़ों में बांटकर गलती की, जबकि सभी सबूत सामूहिक रूप से साबित करते हैं कि पति के कृत्यों ने ही पत्नी को आत्महत्या के लिए मजबूर किया। सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति लगातार ऐसा माहौल बना दे कि पत्नी के पास आत्मघाती कदम उठाने के अलावा कोई रास्ता न बचे, तो वह धारा 306 यानी आत्महत्या के लिए उकसाने के दायरे में आता है।

टीम इंडिया और जिम्बाब्वे के साथ अभ्यास करेंगी छत्तीसगढ़ की महिला क्रिकेटर, स्टार खिलाड़ियों से सीखेंगी खेल की बारीकियां

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

रायपुर में भारत-जिम्बाब्वे के बीच तीन टी-20 मैच, अभ्यास सत्र में स्थानीय महिला खिलाड़ियों को किया जाएगा शामिल

रायपुर में पहली बार भारतीय महिला क्रिकेट टीम और जिम्बाब्वे की महिला टीम के बीच तीन टी-20 मैच अक्टूबर में खेले जाएंगे। इसे लेकर छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। अंतर्राष्ट्रीय मुकाबलों के साथ ही इस सीरीज से छत्तीसगढ़ की महिला क्रिकेटरों को भी अनुभवी और स्टार खिलाड़ियों के साथ अभ्यास करने का अवसर मिलेगा। आमतौर पर आईपीएल और पुरुष वर्ग के वनडे व टी-20 मुकाबलों के दौरान स्टेडियम में होने वाले अभ्यास सत्र में स्थानीय खिलाड़ियों को शामिल किया जाता है। उन्हें खिलाड़ियों के साथ बॉलिंग, बैटिंग और फील्डिंग करने का अवसर मिलता है। हालांकि महिला क्रिकेटरों को अब तक इस तरह का मौका सीमित रूप से ही मिल पाता था। रायपुर में होने वाली इस सीरीज के दौरान छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ से जुड़ी महिला खिलाड़ियों को टीम इंडिया और जिम्बाब्वे की खिलाड़ियों के अभ्यास सत्र में शामिल किया जाएगा। छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ के अनुसार, रायपुर में 16, 18 और 20 अक्टूबर को टी-20 मुकाबले प्रस्तावित हैं। मैचों से पहले दोनों टीमें करीब पांच दिन अभ्यास करेंगी। अभ्यास सत्र के दौरान टीमों की जरूरत के अनुसार स्थानीय खिलाड़ियों को उपलब्ध कराया जाएगा। टीम की ओर से लेफ्ट हैंड, राइट हैंड, स्पिनर या तेज गेंदबाज जैसे खिलाड़ियों की मांग किए जाने पर उसी अनुरूप स्थानीय क्रिकेटरों को अभ्यास के लिए भेजा जाएगा। अलग-अलग अभ्यास सत्रों में उपलब्ध महिला खिलाड़ियों को भी शामिल किया जाएगा। इनमें अंडर-19 और सीनियर वर्ग की खिलाड़ी शामिल हो सकती हैं। इससे उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के साथ अभ्यास करने और उनके अनुभव से सीखने का अवसर मिलेगा। अभ्यास सत्र में शामिल होने वाले स्थानीय खिलाड़ियों को अनुभवी क्रिकेटरों से तकनीकी और खेल संबंधी बारीकियां सीखने का अवसर मिलता है। खिलाड़ी अपनी खेल संबंधी समस्याओं पर अनुभवी खिलाड़ियों से चर्चा कर उनका मार्गदर्शन भी ले सकते हैं। अब छत्तीसगढ़ की महिला क्रिकेटरों को स्मृति मंधाना, दीप्ति शर्मा और हरमनप्रीत कौर जैसी भारतीय खिलाड़ियों के साथ अभ्यास करने और उनसे सीखने का अवसर मिल सकता है। इससे स्थानीय महिला खिलाड़ियों के अनुभव और आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

15 अक्टूबर से शुरू हो सकता है अभ्यास सत्र

टी-20 सीरीज का पहला मुकाबला 18 अक्टूबर को खेला जाएगा। दोनों टीमों के 14 अक्टूबर तक रायपुर पहुंचने की संभावना है। ऐसे में 15 अक्टूबर से स्टेडियम में अभ्यास सत्र शुरू होने की उम्मीद है। महिला खिलाड़ियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए मैदान में नई व्यवस्थाएं तैयार की जा रही हैं।

ओएमआर से छेड़छाड़ का आरोप, नीट यूजी 2026 रिजल्ट में कम अंक मिलने पर सीजी हाईकोर्ट में चुनौती

बिलासपुर। नीट यूजी 2026 के परिणाम को लेकर दायर याचिका पर हाई कोर्ट ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) से विस्तृत जवाब मांगा है। मुख्य न्यायाधीश कृष्न राम महापात्र और जस्टिस संतोष शर्मा की युगलपीठ के समक्ष एनटीए ने

■ छात्रा की याचिका पर एनटीए से मांगा जवाब

याचिकाकर्ता से संबंधित दस्तावेज और अंकपत्र प्रस्तुत किए। प्रथम दृष्टया अंकपत्र के अनुसार याचिकाकर्ता बी. सहिति को 318 अंक प्राप्त हुए हैं। एनटीए ने कोर्ट को बताया कि नीट यूजी 2026 का परिणाम 16 जुलाई 2026 को घोषित किया गया था और इसकी सूचना 17 जुलाई को ईमेल के माध्यम से दी गई थी। एजेंसी का कहना है कि याचिकाकर्ता करीब ढाई महीने की देरी से हाईकोर्ट पहुंची हैं। एनटीए ने अपनी दलील में इसी तरह की शिकायत वाले एक अन्य मामले में हाईकोर्ट के 30 जुलाई 2026 के आदेश का हवाला दिया। यह मामला भिलाई निवासी 17 वर्षीय आर्यन अग्रवाल से जुड़ा था। आर्यन ने नीट की मूल ओएमआर उत्तर पुस्तिका उपलब्ध कराने और सही अंक देने की मांग को लेकर याचिका दायर की थी। आर्यन का दावा था कि उसकी प्रश्न पुस्तिका में भरे गए उत्तर और एनटीए द्वारा जारी स्कैन की गई ओएमआर शीट में दर्ज उत्तरों में अंतर है। उसने ओएमआर में छेड़छाड़ की आशंका जताते हुए मूल उत्तर पुस्तिका उपलब्ध कराने की मांग की थी। उस मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कहा था कि सिर्फ आशंका और खुद से तैयार किए गए तुलनात्मक विवरण के आधार पर ओएमआर में छेड़छाड़ का आरोप सिद्ध नहीं होता। साथ ही छात्र ने परीक्षा से संबंधित शिकायत के लिए उपलब्ध निर्धारित शिकायत निवारण प्रक्रिया का भी इस्तेमाल नहीं किया था। इन आधारों पर कोर्ट ने याचिका को खारिज कर दिया था।

वर्तमान मामले में अंतिम फैसला नहीं

एनटीए ने वर्तमान मामले को भी समान प्रकृति का बताते हुए उक्त आदेश को कोर्ट में पेश किया है। हालांकि बी. सहिति की याचिका पर अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। एनटीए ने विस्तृत प्रतिशपथपत्र दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय मांगा, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। कोर्ट ने जवाब की कॉपी याचिकाकर्ता के अधिवक्ता को देने और मामले को दो सप्ताह बाद फिर से सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया है।

आबकारी कमिश्नर और अपर आयुक्त को अवमानना नोटिस

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने आबकारी कमिश्नर पी.एस.एल्मा और पीएल साहू (अपर आयुक्त) को नोटिस जारी कर पूछा है कि क्यों ना आपके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जाए।

दरअसल महर्षि स्कूल रोड, बिलासपुर निवासी मुकेश कुमार शर्मा, जिला जॉजगीर-चांपा में आबकारी विभाग में प्रधान आरक्षक के पद पर पदस्थ है। आबकारी उपनिरीक्षक (सब इंस्पेक्टर) के पद पर आयोजित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा में उन्हें सर्विस रिकार्ड (एसीआर) के 15 अंक कम देकर परीक्षा में अनुत्तीर्ण कर दिया गया।इसके खिलाफ उन्होंने हाईकोर्ट में अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय के माध्यम से रिट याचिका दायर की। याचिका में कहा गया कि पूर्व के तीन वर्षों वर्ष-2017, 2018, 2019 के सर्विस रिकार्ड (एसीआर) में प्रतिकूल टिप्पणी अंकित करने से पूर्व कारण बताओ नोटिस जारी कर सुनवाई का अवसर नहीं दिया गया।हाईकोर्ट ने आबकारी विभाग को इस पर पुर्नविचार करने कहा था। इसके 9 महीने बाद भी आदेश का पालन नहीं किया गया। इसके बाद अवमानना याचिका दायर की गई। हाईकोर्ट ने इसे गंभीरता से लिया और पीएसएल्मा (आबकारी कमिश्नर) एवं पी.एल. साहू अपर आबकारी आयुक्त, रायपुर को नोटिस जारी किया है।

59% दिव्यांग प्रमाणपत्र पर मिली नियुक्ति, एफआईआर और बर्खास्तगी की चेतावनी पर रोक

बिलासपुर। 59 प्रतिशत श्रवण दिव्यांगता के आधार पर छत्तीसगढ़ अधीनस्थ लेखा सेवा संवर्ग में नियुक्त अरविंद कुमार पटेल को नियुक्ति के दो साल बाद जारी कारण बताओ नोटिस पर हाईकोर्ट ने अंतरिम रोक लगा दी है। जस्टिस बिभु दत्ता गुरु की एकलपीठ ने 1 सितंबर 2026 को जारी नोटिस के प्रभाव और क्रियान्वयन को अगली सुनवाई तक रोक दिया है। मामले की अगली सुनवाई 4 नवंबर को होगी।

■ नोटिस के प्रभाव और क्रियान्वयन पर हाईकोर्ट की रोक

याचिका के मुताबिक अरविंद कुमार पटेल की नियुक्ति 13 जून 2024 को कोष, लेखा एवं पेंशन विभाग के अधीन छत्तीसगढ़ अधीनस्थ लेखा सेवा संवर्ग में दिव्यांग श्रेणी के उम्मीदवार के रूप में हुई थी। उनकी श्रवण दिव्यांगता 59 प्रतिशत बताई गई है। नियुक्ति से पहले उनके दिव्यांगता प्रमाणपत्र का सत्यापन कराया गया था और जिला चिकित्सा मंडल ने भी उनकी दिव्यांगता की जांच कर प्रमाणित किया था। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अमृतो दास ने बताया कि नियुक्ति और सेवा में शामिल होने के बाद छत्तीसगढ़ राज्य चिकित्सा मंडल की 3 जुलाई 2026 की रिपोर्ट के आधार पर 1 सितंबर को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। इसमें पूछा गया था कि उनके खिलाफ प्राथमिकी क्यों दर्ज न की जाए और उनकी सेवाएं समाप्त क्यों न की जाएं। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि नियुक्ति से पहले सक्षम चिकित्सा अधिकारियों ने उनकी दिव्यांगता की जांच और प्रमाणन किया था। ऐसे में बाद की रिपोर्ट के आधार पर सीधे प्राथमिकी और सेवा समाप्ति की कार्रवाई की चेतावनी देना उचित नहीं है। हाईकोर्ट ने याचिका के साथ पेश दस्तावेजों में नियुक्ति से पहले जिला चिकित्सा मंडल समेत सक्षम चिकित्सा अधिकारियों द्वारा की गई जांच और प्रमाणन को देखते हुए अंतरिम राहत को उचित माना। कोर्ट ने राज्य को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब दाखिल करने का समय दिया और 1 सितंबर के कारण बताओ नोटिस के प्रभाव पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी।

महाराष्ट्र-तमिलनाडु की तर्ज पर अंबिकापुर में बनेगा वन्यजीवों के लिए ट्रांजिट ट्रीटमेंट सेंटर

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

अंबिकापुर, संजय पार्क में घायल तथा बीमार वन्यजीवों की उपचार के लिए ट्रांजिट ट्रीटमेंट सेंटर (टीटीसी) बनाया जाएगा। इस संबंध में 5 अक्टूबर को स्टेट वाइल्ड लाइफ बोर्ड की बैठक में अनुमोदन के लिए एजेंडा पेश किया जाएगा। अंबिकापुर में टीटीसी बनाए जाने का प्रमुख कारण वहां से घायल तथा बीमार वन्यजीवों को वर्तमान में उपचार के लिए बिलासपुर स्थित कानन पेंडारी जू तथा जंगल सफारी लाया जाता है। लंबी दूरी की यात्रा से वन्यजीवों को तनाव से बचाने नया ट्रांजिट ट्रीटमेंट सेंटर बनाया जाएगा। इस तरह के ट्रांजिट ट्रीटमेंट सेंटर महाराष्ट्र के साथ तामिलनाडु में संचालित हो रहे हैं।

संजय पार्क में वन्यजीवों के लिए ट्रांजिट ट्रीटमेंट सेंटर का प्रस्ताव गुरु घासीदास तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व के तत्कालीन मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं क्षेत्र संचालक ने 19 अगस्त 2026 को वन मुख्यालय के पास प्रस्ताव भेजा था। सरगुजा संभाग एवं इससे संबद्ध वनक्षेत्रों में मानव-वन्यजीव संघर्ष, सड़क, विद्युत दुर्घटना, बीमारी, चोट, अनाथ शावक तथा अन्य परिस्थितियों में घायल अथवा संकटग्रस्त वन्यजीवों के त्वरित रेस्क्यू, प्राथमिक उपचार, स्टेबलाइजेशन, क्वारंटाइन एवं अल्पकालिक देखभाल हेतु क्षेत्रीय स्तर पर ट्रांजिट ट्रीटमेंट सेंटर की आवश्यकता महसूस की जा रही है। वर्तमान में सरगुजा क्षेत्र में ऐसे मानकीकृत, ट्रांजिट ट्रीटमेंट सेंटर की सुविधा उपलब्ध नहीं है। घायल वन्यजीवों को अपेक्षाकृत दूरस्थ उपचार केंद्रों तक ले जाने से परिवहन समय एवं जानवरों में तनाव बढ़ने की संभावना रहती है। इसलिए अंबिकापुर में ट्रांजिट ट्रीटमेंट सेंटर की स्थापना से रेस्क्यू रिस्पांस टाइम कम करने तथा वन्यजीवों को त्वरित चिकित्सा देखभाल उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी।

इस उद्देश्य से शुरू किया जा रहा टीटीसी

ट्रांजिट ट्रीटमेंट सेंटर का उद्देश्य रेस्क्यू वाइल्ड लाइफ का उपचार, अल्पकालिक देखभाल एवं स्वस्थ होने पर उपयुक्त प्राकृतिक रहवास में रिलीज अथवा आवश्यकतानुसार उच्च स्तरीय फेसलिटी में ट्रांसफर करना होगा। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र में टीटीसी व्यवस्था को राज्य स्तर पर संस्थागत रूप दिया गया है। महाराष्ट्र वन विभाग द्वारा ट्रांजिट ट्रीटमेंट सेंटर के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर जारी की गई है, जिसमें टीआईसी हेतु आवेदन, सक्षम प्राधिकारी की अनुमति, मॉडल बिल्डिंग डिजाइन, उपकरण तथा रजिस्टर के प्रारूप निर्धारित हैं। तमिलनाडु में पेथीकुट्टई, कोयंबटूर में टीटीसी का प्रारंभ पिछले वर्ष 30 दिसंबर को किया गया है।

प्रस्तावित व्यवस्था

अम्बिकापुर स्थित संजय पार्क में पूर्व से उपलब्ध भवन एवं वन्यजीव बाड़ों का आवश्यक मरम्मत, सुधार कर प्रथम चरण में टीटीसी प्रारंभ किया जा सकता है। इससे नवीन निर्माण पर प्रारंभिक व्यय कम होगा तथा उपलब्ध शासकीय परिसंपत्तियों का प्रभावी उपयोग संभव होगा

इस तरह की सुविधा विकसित की जाएगी

वन्यप्राणी प्राप्ति एवं परीक्षण क्षेत्र (घायल या रेस्क्यू किए गए जानवरों को लाने और उनकी जांच का स्थान)।

प्राथमिक पशु चिकित्सा उपचार एवं स्थिरीकरण सुविधा।

क्वारंटाइन, आइसोलेशन एवं अल्पकालिक रखरखाव बाड़े।



निवेश मंत्रा
समझदारी

बाजार पूंजीकरण के आधार पर शेयरों की तीन प्रमुख श्रेणियां, फायदे-नुकसान जान लें, समझें कौन-सा विकल्प उपयुक्त

लार्ज, मिड या स्मॉलकैप : किसमें कितना निवेश करें

लार्जकैप शेयरों में आम तौर पर छोटी कंपनियों की तुलना में उतार-चढ़ाव कम हो सकता है। स्थापित कारोबार और मजबूत वित्तीय स्थिति कई बार बाजार में गिरावट के दौरान अपेक्षाकृत सहारा दे सकती है। कई बड़ी कंपनियां नियमित मुनाफा कमाने और लाभांश देने का भी रिकॉर्ड रखती हैं।

शेयर बाजार में निवेश शुरू करने वाले लोगों के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल अच्छे शेयर चुनना नहीं होती। यह समझना भी जरूरी है कि कंपनी किस श्रेणी में आती हैं और उसके शेयर में जोखिम कितना है। बाजार पूंजीकरण के आधार पर कंपनियों को मुख्य रूप से लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप श्रेणियों में देखा जाता है। इन तीनों श्रेणियों में कंपनियों का आकार, कारोबार की परिपक्वता, विकास की संभावना और शेयर की कीमत में उतार-चढ़ाव अलग-अलग हो सकता है। इसलिए निवेशक को केवल संभावित रिटर्न देखकर फैसला नहीं करना चाहिए। निवेश की अवधि, जोखिम उठाने की क्षमता और वित्तीय लक्ष्य भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।

लार्जकैप: अपेक्षाकृत स्थिर कंपनियां

लार्जकैप कंपनियां बाजार पूंजीकरण के लिहाज से सबसे बड़ी कंपनियां होती हैं। भारतीय म्यूचुअल फंड वर्गीकरण में बाजार पूंजीकरण के आधार पर शीर्ष 100 कंपनियां लार्जकैप श्रेणी में आती हैं। इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक और इंफोसिस जैसी बड़ी कंपनियां शामिल हैं। इन कंपनियों का कारोबार आमतौर पर स्थापित होता है और इनके पास मजबूत ब्रांड, बड़ा ग्राहक आधार तथा लंबे समय का कारोबारी अनुभव हो सकता है।

फायदा क्या?

लार्जकैप शेयरों में आम तौर पर छोटी कंपनियों की तुलना में उतार-चढ़ाव कम हो सकता है। स्थापित कारोबार और मजबूत वित्तीय स्थिति कई बार बाजार में गिरावट के दौरान अपेक्षाकृत सहारा दे सकती है। कई बड़ी कंपनियां नियमित मुनाफा कमाने और लाभांश देने का भी रिकॉर्ड रखती हैं।



जोखिम क्या?

स्थापित और बड़ी कंपनी के लिए बहुत तेज गति से कारोबार बढ़ाना मुश्किल हो सकता है। इसलिए कुछ परिस्थितियों में इनका विकास छोटे आकार की कंपनियों की तुलना में धीमा रह सकता है। इसका मतलब यह नहीं कि लार्जकैप में जोखिम नहीं है। आर्थिक संकट या बाजार में बड़ी गिरावट के दौरान इनके शेयर भी काफी नीचे जा सकते हैं।

किसके लिए?

लंबी अवधि के निवेशक, पहली बार शेयर बाजार में कदम रखने वाले और अपेक्षाकृत कम उतार-चढ़ाव पसंद करने वाले निवेशक अपने इक्विटी पोर्टफोलियो में लार्जकैप को आधार के तौर पर देख सकते हैं। हालांकि व्यक्तिगत शेयर चुनते समय कंपनी का मूल्यांकन और वित्तीय स्थिति देखना जरूरी है।

मिडकैप : विकास और जोखिम के बीच संतुलन

मिडकैप कंपनियां बाजार पूंजीकरण के लिहाज से 101वीं से 250वीं रैंक के बीच आती हैं। ये कंपनियां आमतौर पर अपने कारोबार को स्थापित कर चुकी होती हैं, लेकिन बड़ी कंपनियों की तुलना में इनके विस्तार की गुंजाइश अधिक हो सकती है। इनमें कई ऐसी कंपनियां होती हैं, जो आने वाले वर्षों में कारोबार और बाजार हिस्सेदारी बढ़ाकर बड़ी कंपनियों की श्रेणी में पहुंच सकती हैं।

फायदा क्या?

मिडकैप कंपनियों के पास कारोबार बढ़ाने की संभावना अपेक्षाकृत अधिक हो सकती है। सफल कंपनियों में मुनाफा और बाजार मूल्य तेजी से बढ़ने की क्षमता होती है। यही वजह है कि लंबी अवधि में कुछ मिडकैप शेयरों ने लार्जकैप की तुलना में अधिक रिटर्न दिया है।

जोखिम क्या?

ज्यादा विकास क्षमता के साथ ज्यादा उतार-चढ़ाव भी आता है। आर्थिक मंदी, प्रतिस्पर्धा बढ़ने, कर्ज का दबाव या कारोबार के विस्तार में असफलता का असर मिडकैप कंपनियों पर पड़ सकता है। बाजार में गिरावट के दौरान मिडकैप शेयरों में लार्जकैप की तुलना में तेज गिरावट देखने को मिल सकती है। इसलिए इनमें निवेश करते समय धैर्य जरूरी है।

किसके लिए?

ऐसे निवेशक जिनकी निवेश अवधि लंबी है और जो बाजार में अस्थायी गिरावट को सहन कर सकते हैं, वे मिडकैप पर विचार कर सकते हैं। आम तौर पर 7-10 साल या उससे अधिक की अवधि वाले लक्ष्यों के लिए इस श्रेणी को देखा जाता है।

स्मॉलकैप: ज्यादा विकास क्षमता, ज्यादा जोखिम

बाजार पूंजीकरण के लिहाज से 250वीं कंपनी के बाद आने वाली कंपनियां स्मॉलकैप श्रेणी में आती हैं। इनमें कई कंपनियां अपेक्षाकृत छोटे कारोबार से शुरुआत कर रही होती हैं और कुछ विशेष क्षेत्रों या नए कारोबारी अवसरों पर काम कर सकती हैं। इनमें से कुछ कंपनियां भविष्य में तेजी से विस्तार करके मिडकैप या लार्जकैप बन सकती हैं। लेकिन हर छोटी कंपनी ऐसा कर पाए, यह जरूरी नहीं है।

फायदा क्या?

छोटे आधार से कारोबार बढ़ाने वाली सफल कंपनियों में आय और मुनाफे की वृद्धि तेज हो सकती है। यदि कंपनी लंबे समय तक मजबूत प्रदर्शन करती है तो उसके शेयर में भी बड़ी वृद्धि देखने को मिल सकती है।

जोखिम क्या?

स्मॉलकैप शेयर तीनों श्रेणियों में सबसे ज्यादा उतार-चढ़ाव वाले हो सकते हैं। छोटे कारोबार को आर्थिक मंदी, पूंजी की कमी, प्रतिस्पर्धा और प्रबंधन से जुड़ी समस्याओं का ज्यादा असर पड़ सकता है। बाजार में तेजी के दौरान ऐसे शेयर तेजी से बढ़ सकते हैं, लेकिन गिरावट में नुकसान भी तेज हो सकता है। हर स्मॉलकैप कंपनी भविष्य की बड़ी कंपनी बनेगी, यह मानना जोखिमपूर्ण है।

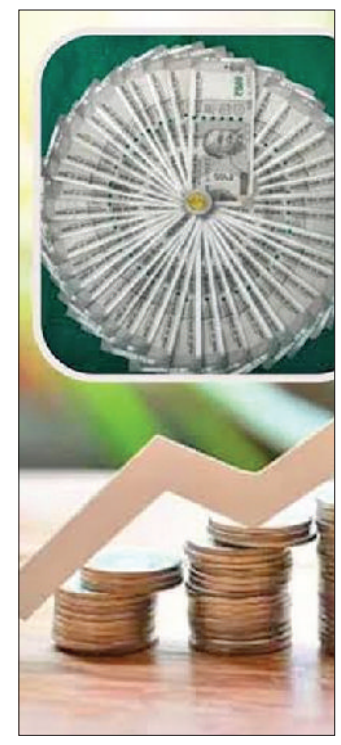

किसके लिए?

स्मॉलकैप आम तौर पर ऐसे निवेशकों के लिए अधिक उपयुक्त माने जाते हैं, जिनकी निवेश अवधि लंबी है और जो ज्यादा जोखिम उठा सकते हैं। ऐसे निवेशकों के लिए भी पूरी रकम स्मॉलकैप में लगाने के बजाय कुल पोर्टफोलियो में इसकी भूमिका और जोखिम को समझना महत्वपूर्ण है।

तीनों में अंतर एक नजर में

- श्रेणी कंपनियों का आकार विकास की संभावना उतार-चढ़ाव निवेश अवधि
- लार्जकैप सबसे बड़ी कंपनियां अपेक्षाकृत स्थिर अपेक्षाकृत कम लंबी अवधि
- मिडकैप मध्यम आकार की कंपनियां अपेक्षाकृत अधिक मध्यम से अधिक 7-10 साल या अधिक
- स्मॉलकैप छोटी कंपनियां अधिक हो सकती है सबसे अधिक बहुत लंबी अवधि

क्या तीनों में निवेश किया जा सकता है?

हां। निवेशक अपनी जोखिम क्षमता और लक्ष्य के अनुसार तीनों श्रेणियों में अलग-अलग स्तर पर निवेश कर सकता है। कई म्यूचुअल फंड योजनाएं भी अलग-अलग बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों में निवेश करती हैं। फ्लेक्सीकैप जैसे फंडों में फंड मैनेजर को लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप कंपनियों के बीच निवेश का फैसला करने की अधिक स्वतंत्रता होती है। इससे निवेशक को एक ही फंड के माध्यम से अलग-अलग श्रेणियों का एक्सपोजर मिल सकता है।

तेजी के बाजार में स्मॉलकैप बेहतर हैं?

सिर्फ बाजार में तेजी देखकर स्मॉलकैप को बेहतर मानना सही नहीं है। तेज बाजार में निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता बढ़ने पर मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में तेजी अधिक दिखाई दे सकती है, लेकिन बाजार की दिशा बदलने पर इन्हीं शेयरों में गिरावट भी तेज हो सकती है। इसलिए किसी श्रेणी का चुनाव केवल मौजूदा बाजार माहौल देखकर करने के बजाय निवेश के लक्ष्य और समयावधि के आधार पर करना चाहिए।

निवेशक के लिए जरूरी बात

लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप में अंतर समझना जरूरी है, लेकिन केवल कंपनी का आकार देखकर शेयर खरीदना पर्याप्त नहीं है। कंपनी की आय, मुनाफा, कर्ज, नकदी प्रवाह, कारोबार की गुणवत्ता, प्रबंधन और शेयर का मूल्यांकन भी देखना चाहिए।

मिडकैप में विकास और जोखिम का मिश्रण

लार्जकैप में अपेक्षाकृत स्थिर और स्थापित कारोबार मिल सकते हैं, मिडकैप में विकास और जोखिम का मिश्रण हो सकता है, जबकि स्मॉलकैप में अधिक विकास क्षमता के साथ ज्यादा उतार-चढ़ाव का जोखिम रहता है। इसलिए निवेश का सही सवाल यह नहीं है कि लार्जकैप, मिडकैप या स्मॉलकैप में से कौन सबसे अच्छा है। सही सवाल यह है कि आपके वित्तीय लक्ष्य, निवेश अवधि और जोखिम क्षमता के हिसाब से इन तीनों में कितना जोखिम लेना उचित है।



वरना बढ़ती सैलरी भी नहीं बढ़ा पाएगी आमदनी

नौकरी शुरू करने के बाद शुरुआती पांच साल किसी भी व्यक्ति की वित्तीय जिंदगी के लिए बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। इस दौरान आमदनी धीरे-धीरे बढ़ती है, आर्थिक स्वतंत्रता आती है और अपने फैसले खुद लेने का मौका मिलता है। लेकिन इसी दौर में कई ऐसी आदतें भी बन जाती हैं, जिनका असर लंबे समय तक दिखाई देता है। पहली सैलरी से लेकर पांचवें साल तक अगर खर्च लगातार बढ़ता जाए, निवेश को टाला जाता रहे और क्रेडिट कार्ड या कर्ज पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता हो, तो बढ़ती आमदनी के बावजूद संपत्ति तेजी से नहीं बढ़ती। दूसरी तरफ, इसी समय नियमित बचत, निवेश, आपातकालीन निधि और कौशल विकास की आदत बना ली जाए तो आगे की वित्तीय यात्रा मजबूत हो सकती है।

मार्केट मंत्र | बिजनेस डेस्क

सैलरी बढ़ते ही खर्च बढ़ाना

करियर के शुरुआती वर्षों में वेतन बढ़ना अच्छी बात है, लेकिन हर बढ़ोतरी को खर्च करने का मौका मान लेना नुकसानदेह हो सकता है। महंगा किराया, नया मोबाइल, कार, लगातार बाहर खाना, छुट्टियां और ऑनलाइन खरीदारी जैसे खर्च धीरे-धीरे बजट का बड़ा हिस्सा बन सकते हैं। अगर सैलरी 10 प्रतिशत बढ़ी और खर्च भी करीब उतना ही बढ़ गया, तो आमदनी बढ़ने के बावजूद बचत और निवेश में खास सुधार नहीं होगा। इसलिए वेतन बढ़ने पर खर्च बढ़ाने से पहले बचत और निवेश की राशि बढ़ाने पर ध्यान देना बेहतर है।

निवेश को बाद के लिए न टालें

युवा नौकरीपेशा लोगों को अक्सर लगता है कि रिटायरमेंट अभी बहुत दूर है। इसलिए वे निवेश शुरू करने के बजाय सोचते हैं कि कुछ साल बाद ज्यादा कमाई होने पर शुरुआत करेंगे। लेकिन निवेश में समय बहुत महत्वपूर्ण है। शुरुआती उम्र में छोटी रकम भी लंबे समय तक निवेशित रहने पर चक्रवृद्धि की वजह से बड़ी हो सकती है। दूसरी तरफ, पांच-दस साल की देरी की भरपाई के लिए बाद में ज्यादा रकम निवेश करनी पड़ सकती है।

कमाई के पहले पांच साल में इन बातों को रखें ध्यान

न करें ये कुछ बड़ी गलतियां

आपातकालीन निधि न बनाना

कई युवा निवेश पर तो ध्यान देते हैं, लेकिन अचानक आने वाले खर्च के लिए अलग रकम नहीं रखते। नौकरी जाने, परिवार में आपात स्थिति, बीमारी, घर की मरम्मत या किसी अन्य अनपेक्षित खर्च के समय ऐसी कमी भारी पड़ सकती है। ऐसी स्थिति में निवेश तोड़ना या महंगे ब्याज पर कर्ज लेना पड़ सकता है। इसलिए सामान्य तौर पर कम से कम छह महीने के जरूरी खर्च के बराबर आपातकालीन निधि बनाने को प्राथमिकता दी जाती है। इसे ऐसे साधन में रखना चाहिए जहां जरूरत पड़ने पर पैसा आसानी से उपलब्ध हो।

कंपनी की सुविधाओं को नजरअंदाज करना गलत

कई कर्मचारी अपने नियोक्ता की ओर से मिलने वाली सुविधाओं की पूरी जानकारी नहीं लेते। भविष्य निधि, स्वास्थ्य बीमा, अतिरिक्त बीमा कवर, सेवानिवृत्ति योजनाएं, स्टॉक विकल्प या शिक्षा से जुड़ी सुविधाएं कुल वित्तीय लाभ का महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकती हैं। नौकरी बदलते समय भी यह देखना जरूरी है कि पुरानी कंपनी की कौन-सी सुविधा जारी रखनी है और नई कंपनी में कौन-सा अतिरिक्त लाभ उपलब्ध है।

क्रेडिट कार्ड और आसान कर्ज का गलत इस्तेमाल

क्रेडिट कार्ड, उपभोक्ता ऋण और 'अभी खरीदें, बाद में भुगतान करें' जैसी सुविधाओं ने खरीदारी आसान कर दी है। लेकिन सुविधा और जरूरत के बीच अंतर समझना जरूरी है। ऐसी चीजों के लिए कर्ज लेना जिनकी कीमत समय के साथ घटती है, भविष्य की बचत को प्रभावित कर सकता है। खासकर क्रेडिट कार्ड का बकाया समय पर पूरा नहीं करने पर ब्याज तेजी से बढ़ सकता है। इसलिए कर्ज लेने से पहले यह देखना चाहिए कि वह संपत्ति बनाने में मदद कर रहा है या केवल मौजूदा खर्च को आगे खिसका रहा है।

सोशल मीडिया देखकर निवेश करना

किसी शेयर, क्रिप्टोकरेंसी या किसी नए निवेश विकल्प के तेजी से बढ़ने की खबर देखकर तुरंत पैसा लगा देना जोखिमपूर्ण हो सकता है। सोशल मीडिया पर दिख रहा पिछला रिटर्न भविष्य के प्रदर्शन की गारंटी नहीं होता। निवेश का आधार किसी ट्रेंड या इंटरनेट पर चल रही चर्चा के बजाय लक्ष्य, समयावधि, जोखिम क्षमता और निवेश की समझ होनी चाहिए। विविधीकरण और नियमित निवेश की रणनीति भी इसी वजह से महत्वपूर्ण मानी जाती है।

बड़े खर्चों की योजना न बनाना

शादी, घर खरीदना, बच्चों की शिक्षा और रिटायरमेंट जैसे लक्ष्य शुरुआती करियर में दूर लग सकते हैं। लेकिन महंगाई के कारण भविष्य में इनकी लागत आज की तुलना में काफी अधिक हो सकती है। अगर इन लक्ष्यों के लिए पहले से निवेश शुरू नहीं किया गया तो बाद में अचानक बड़ी रकम जुटाने का दबाव बन सकता है। इसलिए अलग-अलग लक्ष्यों के लिए अलग समयसीमा और निवेश योजना बनाना उपयोगी रहता है।

बीमा को नजरअंदाज करना

कई युवा मानते हैं कि कम उम्र में बीमा की जरूरत नहीं है। कंपनी की ओर से मिलने वाला स्वास्थ्य बीमा भी उन्हें पर्याप्त लगता है। लेकिन नियोक्ता का बीमा नौकरी बदलने या नौकरी खत्म होने पर जारी रहे, यह जरूरी नहीं है। परिवार की जिम्मेदारियां बढ़ने के साथ पर्याप्त स्वास्थ्य और जीवन बीमा की जरूरत भी बदल सकती है।

अपनी कमाई की क्षमता बढ़ाने पर ध्यान न देना

शुरुआती करियर में केवल खर्च कम करना और निवेश बढ़ाना ही पर्याप्त नहीं है। व्यक्ति की सबसे बड़ी संपत्ति उसकी कमाने की क्षमता होती है। नई तकनीक सीखना, प्रमाणपत्र हासिल करना, उच्च शिक्षा, विशेषज्ञता विकसित करना और पेशेवर नेटवर्क मजबूत करना भविष्य की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। अगर किसी कौशल को सीखने पर आय में बड़ा सुधार संभव है, तो शुरुआती वर्षों में उस पर किया गया खर्च लंबे समय में किसी सामान्य निवेश से भी अधिक प्रभाव डाल सकता है।

छोटी आदतें बना सकती हैं बड़ा अंतर

कमाई के शुरुआती पांच साल में वित्तीय अनुशासन का मतलब यह नहीं है कि व्यक्ति अपनी हर इच्छा छोड़ दे। असली लक्ष्य यह है कि बढ़ती आय का पूरा हिस्सा बढ़ती जीवनशैली पर खर्च न हो। सैलरी बढ़ने पर निवेश बढ़ाना, आपातकालीन निधि बनाना, महंगे कर्ज से बचना, बीमा की समीक्षा करना और अपनी कमाई की क्षमता बढ़ाना। ये आदतें धीरे-धीरे मजबूत वित्तीय आधार तैयार कर सकती हैं।

रिटायरमेंट पर एनपीएस का पूरा पैसा निकालना जरूरी नहीं

बिजनेस डेस्क। रिटायरमेंट के बाद एनपीएस का पैसा एक साथ निकाल लेना ही एकमात्र विकल्प नहीं है। पेंशन फंड नियामक एवं विकास प्राधिकरण यानी पीएफआरडीए के नियमों में ऐसे विकल्प मौजूद हैं, जिनके तहत पात्र एनपीएस सब्सक्राइबर 60 वर्ष की उम्र या सेवानिवृत्ति के बाद भी अपना पैसा एनपीएस में बनाए रख सकते हैं और निकासी को आगे के वर्षों में टाल सकते हैं। सामान्य तौर पर यह सुविधा 75 वर्ष की उम्र तक उपलब्ध है। इसका मतलब यह नहीं है कि एनपीएस में 60 साल के बाद कोई तय ब्याज दर मिलती है। एनपीएस बाजार से जुड़ा निवेश है और इसमें मिलने वाला रिटर्न गारंटीड नहीं होता। खाते में बची रकम संबंधित निवेश विकल्पों के प्रदर्शन के अनुसार बढ़ या घट सकती है। पीएफआरडीए के अनुसार पात्र सब्सक्राइबर 60 वर्ष की उम्र या सुपरएनुएशन के बाद भी एनपीएस में बने रह सकते हैं। वह 75 वर्ष तक खाते को जारी रख सकते हैं या बीच में किसी भी समय बाहर निकल सकते हैं। एकमुश्त निकासी को टालने का विकल्प है। सब्सक्राइबर एकमुश्त राशि को बाद में निकाल सकता है या इसे चरणबद्ध तरीके से निकाल सकता है। पीएफआरडीए ने सिस्टेमैटिक लंपसम विड्रॉल यानी एसएलडब्ल्यू की सुविधा भी उपलब्ध कराई है।

एसएलडब्ल्यू से धीरे-धीरे निकाल सकते हैं पैसा

मान लीजिए रिटायरमेंट के समय किसी को एनपीएस से मिलने वाली एकमुश्त राशि बड़ी है और उसे पूरी रकम की तत्काल जरूरत नहीं है। ऐसे में पूरी रकम एक साथ बैंक खाते में लेने के बजाय वह चरणबद्ध निकासी का विकल्प चुन सकता है। एसएलडब्ल्यू के तहत निर्धारित अवधि में राशि निकालने की सुविधा मिलती है। पीएफआरडीए ने इस सुविधा को इसी उद्देश्य से शुरू किया है कि सब्सक्राइबर को एकमुश्त रकम निकालने के बजाय उसे व्यवस्थित तरीके से इस्तेमाल करने का विकल्प मिले।

जुलाई 2026 में बदले एनपीएस के नियम

जुलाई 2026 में पीएफआरडीए ने निकासी नियमों में बदलाव किया है। इसलिए पुराने 60% एकमुश्त और 40% वार्षिकी वाले नियम को हर एनपीएस श्रेणी पर लागू मानना सही नहीं है। ऑल-सिटिजन मॉडल में सामान्य निकासी के लिए पात्रता और कॉर्पस के आकार के आधार पर अब अधिकतम 80% राशि एकमुश्त निकालने तथा कम से कम 20% राशि से वार्षिकी लेने का विकल्प उपलब्ध है। कुछ छोटे कॉर्पस के लिए पूरी रकम निकालने अथवा एसएलडब्ल्यू जैसे विकल्प भी उपलब्ध हैं। वहीं सरकारी क्षेत्र के मौजूदा नियमों में सामान्य निकासी पर अधिकतम 60% एकमुश्त और कम से कम 40% वार्षिकी का प्रावधान बना हुआ है। इसलिए एनपीएस में पैसा लगाने वाले व्यक्ति को अपने मॉडल और लागू नियम के अनुसार ही गणना करनी चाहिए।

एनपीएस में बचा पैसा कैसे बढ़ेगा?

एनपीएस में जमा रकम बाजार से जुड़े विभिन्न विकल्पों में निवेशित होती है। इसलिए रिटायरमेंट के बाद खाते में बची रकम पर कोई निश्चित 10% या 12% ब्याज मिलने की गारंटी नहीं है। निवेश का प्रदर्शन इक्विटी, कॉरपोरेट बॉन्ड और सरकारी प्रतिभूतियों जैसे विकल्पों में किए गए आवंटन तथा बाजार की स्थिति पर निर्भर करता है। इसलिए यह कहना सही नहीं होगा कि 60 से 75 वर्ष के बीच एनपीएस निश्चित रूप से बैंक एफडी से ज्यादा रिटर्न देगा। यही कारण है कि रिटायरमेंट के बाद एनपीएस में पैसा बनाए रखने का फैसला केवल पिछले रिटर्न देखकर नहीं करना चाहिए। नियमित आय की जरूरत, महंगाई, कर प्रभाव और परिवार की वित्तीय जरूरतों को भी ध्यान में रखना चाहिए।

पूरा पैसा एफडी में डालना भी हमेशा जरूरी नहीं

रिटायरमेंट के समय बड़ी रकम हाथ में आने पर उसे पूरी तरह बचत खाते या एफडी में रखना आसान विकल्प लग सकता है। लेकिन एफडी और एनपीएस की प्रकृति अलग है। एफडी में ब्याज दर पहले से तय होती है, जबकि एनपीएस बाजार से जुड़ा होता है। एफडी में पूंजी की स्थिरता अपेक्षाकृत अधिक होती है, जबकि एनपीएस में बाजार उतार-चढ़ाव का जोखिम रहता है। दोनों की तुलना केवल ब्याज दर के आधार पर करना उचित नहीं है। रिटायरमेंट के बाद पैसे का कुछ हिस्सा नियमित खर्च के लिए सुरक्षित साधनों में और शेष रकम दीर्घकालिक जरूरत के अनुसार अलग-अलग विकल्पों में रखना कुछ निवेशकों के लिए उपयोगी रणनीति हो सकती है।

शेयर गिरने पर खरीदारी बढ़ाएं या फिर एसआईपी जारी रखें?

1. शेयर में गिरावट हमेशा खरीदारी का मौका नहीं होता
2. एसआईपी बाजार के उतार-चढ़ाव को कर सकती है संतुलित

शेयर बाजार में गिरावट आते ही निवेशकों को अक्सर सलाह दी जाती है कि भाव कम हो गए हैं, इसलिए और खरीदारी करके औसत लागत घटा लें। मसलन, अगर कोई शेयर 1,000 रुपये पर अच्छा लग रहा था तो 800 रुपये पर वह और सस्ता नजर आ सकता है। लेकिन निवेश का यह गणित हर शेयर पर लागू नहीं होता। सवाल यह है कि गिरावट सिर्फ शेयर के भाव में आई है या कंपनी के कारोबार में भी कमजोरी आई है? यही अंतर शेयरों में औसत लागत घटाने और म्यूचुअल फंड में नियमित निवेश के बीच सबसे महत्वपूर्ण है। गलत शेयर में लगातार पैसा लगाते जाना नुकसान को कम करने के बजाय बढ़ा भी सकता है।

क्या है औसत लागत का तरीका?

किसी शेयर या म्यूचुअल फंड में अलग-अलग समय पर अलग-अलग कीमतों पर निवेश करने को औसत लागत का तरीका कहा जा सकता है। इसका उद्देश्य एक ही कीमत पर पूरी रकम लगाने के बजाय कई स्तरों पर खरीदारी करना है। उदाहरण के लिए, किसी शेयर को 1,000 रुपये पर खरीदा और बाद में 800 रुपये पर फिर खरीदा तो दोनों खरीद की औसत लागत 900 रुपये होगी। शेयर की कीमत दोबारा बढ़ने पर निवेशक को शुरुआती खरीद की तुलना में जल्दी लाभ की स्थिति मिल सकती है। लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण बात है। औसत लागत कम होना और निवेश का जोखिम कम होना एक ही बात नहीं है।

भाव बढ़ने पर खरीदना भी है औसत बढ़ाना

औसत लागत की चर्चा में आमतौर पर गिरते शेयर में खरीदारी की बात होती है, लेकिन भाव बढ़ने पर भी निवेश बढ़ाया जा सकता है। इसे औसत बढ़ाना कहा जा सकता है। यदि किसी कंपनी के कारोबार, मुनाफे और भविष्य की संभावनाओं में सुधार हो रहा है और शेयर का भाव उसी वजह से बढ़ रहा है, तो कुछ निवेशक बढ़ी हुई कीमत पर भी धीरे-धीरे खरीदारी जारी रखते हैं। यहां फैसला सिर्फ भाव देखकर नहीं, बल्कि कंपनी के प्रदर्शन और भविष्य की संभावनाओं को देखकर करना जरूरी है।

म्यूचुअल फंड में एसआईपी क्यों अलग है?

म्यूचुअल फंड में एसआईपी औसत लागत के सिद्धांत को काफी व्यवस्थित तरीके से लागू करती है। निवेशक हर महीने एक तय रकम लगाता है। बाजार नीचे होने पर उसी रकम से ज्यादा यूनिट मिलती हैं और बाजार ऊपर होने पर कम यूनिट मिलती हैं। इससे निवेशक को हर बार बाजार का सही स्तर पहचानने की जरूरत नहीं पड़ती। लंबे समय में अलग-अलग भाव पर खरीदी गई यूनिट का औसत मूल्य बनता रहता है। उदाहरण के तौर पर, अगर कोई निवेशक हर महीने 5,000 रुपये की एसआईपी करता है और बाजार में गिरावट आती है तो उस महीने उसे अधिक यूनिट मिलेंगी। बाजार चढ़ने पर कम यूनिट मिलेंगी। बाजार के उतार-चढ़ाव के बीच निवेश लगातार चलता रहता है।

म्यूचुअल फंड में बंट जाता है जोखिम

म्यूचुअल फंड और व्यक्तिगत शेयर में सबसे बड़ा अंतर विविधीकरण का है। सामान्य तौर पर म्यूचुअल फंड का पैसा कई कंपनियों और क्षेत्रों में लगाया जाता है। किसी एक कंपनी का प्रदर्शन खराब होने पर उसका असर पूरे निवेश पर उसी अनुपात में नहीं पड़ता। फंड का पोर्टफोलियो फंड मैनेजर की निगरानी में रहता है। फंड की रणनीति के अनुसार कमजोर कंपनियों में निवेश घटाया या समाप्त किया जा सकता है और दूसरी कंपनियों को शामिल किया जा सकता है।

शेयर में गिरावट आए तो सावधान

व्यक्तिगत शेयर में औसत लागत घटाना कहीं ज्यादा सावधानी मांगता है। किसी शेयर का भाव गिरने के पीछे कई कारण हो सकते हैं। बाजार की सामान्य गिरावट या किसी क्षेत्र में अस्थायी कमजोरी एक वजह हो सकती है। कंपनी के मुनाफे में लगातार गिरावट, कर्ज बढ़ना, बाजार हिस्सेदारी कम होना, नकदी प्रवाह कमजोर होना या प्रबंधन से जुड़े गंभीर सवाल दूसरी वजह हो सकते हैं। पहली स्थिति में गिरावट अस्थायी हो सकती है। दूसरी स्थिति में कम भाव कंपनी के कमजोर होते कारोबार का संकेत भी हो सकता है। ऐसे में सिर्फ यह सोचकर खरीदारी करते जाना कि शेयर पहले 1,000 का था और अब 500 रुपये का हो गया है, खतरनाक हो सकता है। शेयर का भाव 50 फीसदी गिरने का मतलब यह नहीं कि वह 50 फीसदी सस्ता ही हो गया है।

औसत घटाने से पहले ये सवाल पूछें

■ कंपनी की बिक्री और मुनाफा किस दिशा में जा रहा है? ■ कंपनी पर कर्ज बढ़ तो नहीं रहा? ■ नकदी प्रवाह मजबूत है या कमजोर? ■ कंपनी का बाजार हिस्सा बढ़ रहा है या घट रहा है? ■ प्रबंधन और कॉरपोरेट गवर्नेंस से जुड़े कोई गंभीर सवाल तो नहीं? ■ शेयर में गिरावट पूरे बाजार की वजह से है या कंपनी की अपनी समस्या है? ■ मौजूदा कीमत पर कंपनी का मूल्यांकन उचित है या नहीं? ■ इन सवालों के जवाब सकारात्मक हैं तो गिरावट पर चरणबद्ध खरीदारी पर विचार किया जा सकता है। लेकिन अगर कंपनी के मूल कारोबार में लगातार कमजोरी है तो केवल औसत लागत घटाने के लिए पैसा लगाना जोखिम बढ़ा सकता है।

एक ही शेयर या फंड में लगातार पैसा न लगाएं

औसत लागत घटाने की कोशिश में एक और गलती हो सकती है। किसी एक शेयर या फंड में जरूरत से ज्यादा पैसा लग जाना। किसी निवेश में लगातार रकम बढ़ाते रहने से पोर्टफोलियो में उसका हिस्सा बहुत बड़ा हो सकता है। इसलिए निवेशक को समय-समय पर अपने पूरे पोर्टफोलियो की समीक्षा करनी चाहिए और यह देखना चाहिए कि किसी एक कंपनी, क्षेत्र या फंड में जरूरत से ज्यादा एकाग्रता तो नहीं हो रही। गिरावट देखकर नहीं, कारण समझकर फैसला करना चाहिए।

ज्ञानेश का विरोध, जंतर-मंतर पर दूसरे दिन भी हंगामा



एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली के जंतर-मंतर के पास शनिवार को ऑल इंडिया स्टुडेंट एसोसिएशन (आइसा) और लेफ्ट संगठनों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे को लेकर लगातार दूसरे दिन भी प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए बैरिकेडिंग की। करीब 150 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया। पुलिस और प्रदर्शनकारियों में झड़प भी हुई। इससे पहले शुक्रवार को हुए प्रदर्शन के दौरान 1,000 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया था। प्रदर्शन में एआईएसए राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा, वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, कार्यकर्ता योगेंद्र यादव और वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण शामिल हुए। वे पटेल चौक से जंतर मंतर की ओर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन करने और उनके इस्तीफे की मांग को लेकर मार्च कर रहे थे।

सिब्बल, योगेंद्र, प्रशांत भूषण सहित कई दिग्गज नेता हुए शामिल

नेहा ने की थी अपील

यह नया प्रदर्शन शुक्रवार को हिरासत में ली गईं नेहा बोरा के आह्वान के बाद हुआ। बोरा ने कार्यकर्ताओं से दोपहर 1 बजे जंतर मंतर आने और ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग के साथ-साथ चुनावी नामावली के एसआईआर को लेकर चिंता जताते हुए प्रदर्शन जारी रखने की अपील की थी।

दिल्ली प्रदर्शन पर 3 एफआईआर

मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दिल्ली में हुए प्रदर्शन के मामले में दिल्ली पुलिस ने 3 एफआईआर दर्ज की हैं। ये मामले प्रदर्शनकारियों द्वारा निषेधाज्ञा के बावजूद जुटने और प्रदर्शन करने के आरोपों से जुड़े हैं। दो एफआईआर संसद मार्ग थाने में, जबकि एक एफआईआर कनॉट प्लेस थाने में दर्ज की गई है।

एसआईआर का विरोध, सीईसी का मांगा इस्तीफा







काकरोच प्रदर्शन 500 पर एफआईआर

मुंबई पुलिस ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के दो अक्टूबर को शिवाजी पार्क में किए गए विरोध प्रदर्शन के मामले में आयोजकों और 400-500 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

राहुल ने वोट चोरी का आरोप लगाया

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग, एसआईआर और वोटर लिस्ट से जुड़े विवादों पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश ने वोट चोरी की है। वे देशद्रोही हैं। मैंने उनकी नियुक्ति का विरोध किया था।

यूएई सरकार का खुलासा- इजराइल में प्लेन क्रैश की थी साजिश

जेहादी सोच के चलते हटाया गया था नौकरी से

ओमानी को-पायलट का नाम उजागर

एजेंसी ▶▶| दुबई

दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबाई की उड़ान एफजेड1073 में कॉकपिट के भीतर भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मछार पर जानलेवा हमला करने वाले आरोपी ओमानी को-पायलट की पहचान हम्माम अल-हम्मामी के रूप में हुई है। यूएई अटार्नी जनरल ने पुष्टि की है कि यह कोई साधारण आपसी विवाद नहीं, बल्कि एक सोची-समझी 'आतंकवादी वारदात' थी।

संयुक्त अरब अमीरात के अटॉर्नी जनरल (प्रॉसिक्यूटर जनरल) हमाद सैफ अल शम्सी ने शनिवार को आधिकारिक बयान जारी किया। उन्होंने कहा, प्लेन क्रैश कराने की यह सोची-समझी साजिश के तहत यह हमला हुआ था।

29 साल के को-पायलट हम्माम ने कॉकपिट के भीतर आपातकालीन स्थिति में इस्तेमाल होने वाली क्रैश एक्स (एक तरह की कुल्हाड़ी) और धारदार हथियार से भारतीय कैप्टन स्मित मछार पर अचानक हमला कर दिया था। हमला करने के बाद हम्माम ने विमान के कंट्रोल पैनल को अपने हाथ में लेकर उसे तेजी से नीचे की ओर गिराना शुरू कर दिया, ताकि विमान को इजराइल की सीमा में क्रैश किया जा सके।



फ्लाईदुबई के को-पायलट ने भारतीय कैप्टन स्मित पर कुल्हाड़ी से किया था वार!

पहले भी 'ओमान एयर' से निकाला जा चुका था आरोपी

हम्माम अल-हम्मामी की बैकग्राउंड की जांच में कई बेहद चौंकाने वाले और चिंताजनक खुलासे हुए हैं। 'द वॉल स्ट्रीट जर्नल' और 'एबीसी न्यूज' की रिपोर्ट्स के मुताबिक, हम्माम अल-हम्मामी पहले ओमान की राष्ट्रीय एयरलाइन 'ओमान एयर' में ट्रेनिंग को-पायलट था। 2024 में उसके पास से कट्टरपंथी और जिहादी सामग्री बरामद होने और हिंसक गतिविधियों में संलिप्तता के बाद उसे उड़ान ड्यूटी से हटाकर डेस्क जॉब पर डाल दिया गया था। ओमान एयर छोड़ने के बाद वह करीब 8 महीने पहले ही फ्लाईदुबाई में भर्ती हुआ था। सवाल उठ रहे हैं कि ओमान सरकार की ओर से फ्लैग किए जाने के बावजूद यूएई की एयरलाइन में उसका बैकग्राउंड वेरिफिकेशन सही से क्यों नहीं हुआ। रिपोर्टों के अनुसार, घटना के कुछ ही घंटों बाद हम्माम के सोशल मीडिया और लिंक्डइन प्रोफाइल पर अल-कायदा नेताओं की तस्वीरें और भड़काऊ कंटेंट पाए गए, जिन्हें बाद में हटा दिया गया।

फ्लाईदुबई की फ्लाइट में क्या हुआ था?

30 सितंबर 2026 को दुबई से तेल अवीव (इजरायल) जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट एफजेड1073 के कॉकपिट में सह-पायलट और मुख्य पायलट के बीच हिंसक झड़प हुई। सऊदी अरब के ऊपर करीब 33,000 से 34,000 फीट की ऊंचाई पर फ्लाईदुबई की फ्लाईट करीब दो घंटे का समय बीतने के बाद उड़ रही थी। तभी को-पायलट हमाम अल-हम्मामी ने कैप्टन स्मित मछार पर हमला किया और उन्हें कुल्हाड़ी से मारा। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, मछार कॉकपिट का दरवाजा खोलने में कामयाब रहे। पीएम मोदी ने भी स्मित से बात की थी।

रूस के हमले में यूक्रेन में छह लोगों की मौत

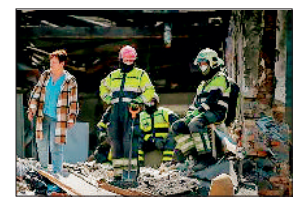

कीव। रूस के हमले में शनिवार को यूक्रेन में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और कीव का एक अहम पुल क्षतिग्रस्त हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रूस पुल और बुनियादी ढांचे पर हमलों के जरिये यूक्रेन की राजधानी कीव में सामान्य जनजीवन को प्रभावित करना चाहता है। हाल के दिनों में रूस ने आवासीय इमारतों, सुपरमार्केट के गोदामों, गैस स्टेशन और डेटा केंद्रों सहित अन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया है। कीव के महापौर विताली क्लित्स्को ने कहा कि हमले में पुल क्षतिग्रस्त हो गया, जिसके कारण यातायात रोकना पड़ा। रूस के रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को यह ताजा हमला किए जाने की पुष्टि की और दावा किया कि इस पुल का इस्तेमाल यूक्रेन की सशस्त्र सेनाओं के 'सैनिकों की आवाजाही और सैन्य रसद की आपूर्ति करने' के लिए किया जा रहा था।

अमेरिका में हिंदू मंदिर पर ईंटों से हमला खिड़कियां टूटीं, अंदर मौजूद थे भक्त

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

अमेरिका के ओहियो में एक हिंदू मंदिर पर ईंटों से हमला करके तोड़-फोड़ की गई है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन और कोएलिशन ऑफ हिंदूज ऑफ नॉर्थ अमेरिका ने बताया कि ग्रेटर क्लीवलैंड में स्वामीनारायण हिंदू मंदिर वडथलधाम की खिड़कियां टूटने से नुकसान हुआ है।

दो एडवोकेसी ग्रुप्स ने बताया कि यह कथित हमला शुक्रवार दोपहर को हुआ जब पुजारी और कुछ भक्त मंदिर के अंदर थे। वहीं, हमला ऐसे समय में हुआ है जब राज्य में इंडियन-अमेरिकन कम्युनिटी 10 दिनों से भी कम समय में नवरात्रि त्योहार के साथ हिंदू हेरिटेज मंथ मनाने की तैयारी कर रही थी।

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने लिखा- यह हेट क्राइम

हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (एचएएफ) के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सुहाग शुक्ला ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'यह अब सच है। ऑनलाइन नफरत एक हिंदू मंदिर पर असल दुनिया के हमले में बदल गई है। वीडियो देखें और अपराधी को पकड़ें।' एचएएफ ने कहा कि यह संभावित हेट क्राइम ऐसे समय में हुआ है जब हिंदू अमेरिकी समुदाय के खिलाफ पहले कभी न देखी गई नफरत और जहर उगला जा रहा है।

ओहायो के श्री स्वामीनारायण मंदिर को बनाया गया निशाना

जांच में जुटी एजेंसियां

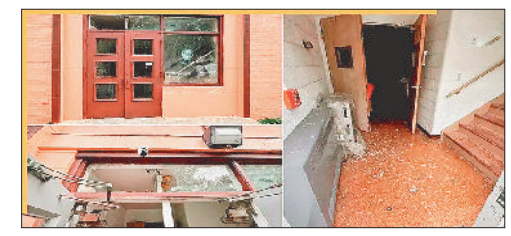

नेताओं और एजेंसियों से निंदा की अपील

उन्होंने आगे कहा, 'हम अपने देश के चुने हुए नेताओं और सरकारी एजेंसियों से भी अपील करते हैं कि वे भारतीय और हिंदू अमेरिकी समुदायों के खिलाफ नफरत भरी बातों की सार्वजनिक रूप से और साफ तौर पर निंदा करें।' कोएलिशन ऑफ हिंदूज ऑफ नॉर्थ अमेरिका (कोहना) ने रिचमंड हाइट्स के मेयर किम थॉमस और म्युनिसिपल अधिकारियों से हमले की सार्वजनिक रूप से निंदा करने और कानून लागू करने वाली एजेंसियों से तुरंत कार्रवाई करने की मांग की। कोहना ने कहा, 'हम मेयर किम थॉमस और रिचमंड हाइट्स से इस तरह की कट्टरता की निंदा करने और पुलिस से अपराधी के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करने की अपील करते हैं।'

पहले भी हुए हैं हमले

कोहना ने अमेरिका में हिंदुओं के खिलाफ बढ़ती दुश्मनी और हिंसा पर बार-बार चिंता जताई है। मंदिर से जुड़ी कई पिछली घटनाओं को डॉक्यूमेंट भी किया है। इसकी कंपाइल की गई टाइमलाइन में अगस्त 2022 में क्वींस, न्यूयॉर्क में श्री तुलसी मंदिर में महात्मा गांधी की मूर्ति को नुकसान पहुंचाने जैसी घटनाओं के साथ-साथ दिसंबर 2023 में नेवार्क, कैलिफोर्निया में एसएमवीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर में स्प्रे-पेंट की गई नफरत भरी ग्रैफिटी का भी जिक्र किया गया है।

राहुल गांधी ने लॉन्च किया 'सत्याग्रह' अभियान

नई दिल्ली। देश के विभिन्न हिस्सों में अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे लोगों को एक मंच पर जोड़ने के उद्देश्य से कांग्रेस और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'सत्याग्रह' नामक नई पहल शुरू की है। इस अभियान के तहत लोग अपनी समस्याओं, आंदोलनों और संघर्षों की जानकारी एक ऑनलाइन मंच पर साझा कर सकेंगे। कांग्रेस का कहना है कि इससे देशभर में चल रहे आंदोलनों को एक-दूसरे से जोड़ने, उनकी आवाज को मजबूत करने और संबंधित मुद्दों को राजनीतिक एवं सामाजिक स्तर पर उठाने में मदद मिलेगी। आवाजों को एक मंच पर लाना जरूरी राहुल गांधी ने 'सत्याग्रह' अभियान की घोषणा करते हुए कहा कि देशभर में लोग अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन अक्सर वे अकेले लड़ते हैं और उनकी आवाज दब जाती है। उन्होंने कहा कि छात्र, युवा, किसान, आदिवासी, दलित, महिलाएं और अन्य समुदाय अलग-अलग मुद्दों पर संघर्ष कर रहे हैं। ऐसे में इन आवाजों को एक मंच पर लाना जरूरी है।

राशिफल

मेष शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। आय वृद्धि के साधन विकसित होंगे।

वृष व्यर्थ के क्रोध से बचें। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

मिथुन अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ रहेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

कर्क आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। परिवार का साथ मिलेगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। खानपान के प्रति सचेत रहें। मन में निराशा एवं असंतोष के भाव रहेंगे।

सिंह शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय के साधन बन सकते हैं। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

कन्या क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। मन में निराशा एवं असन्तोष के भाव रहेंगे। स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है। व्यर्थ के ववादों से बचने का प्रयास करें।

तुला पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

वृश्चिक घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

धनु पिता का साथ रहेगा। सेहत का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आएंगे। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मकर परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। स्थान परिवर्तन सम्भव है। लंबे समय से रुके हुए काम बनने की उम्मीद है।

कुंभ परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। वाहन के रख-रखाव एवं वस्त्रों पर खर्च बढ़ सकते हैं। शिक्षा में सुधार होगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी।

मीन वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। मित्र के सहयोग से आय वृद्धि के स्रोत विकसित हो सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। परिवार में अशांति रहेगी।

होर्मुज में टैंकर पर मिसाइल हमला, बचाए गए 5 भारतीय नाविक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मिडिल ईस्ट में जारी भीषण तनाव के बीच ओमान के पास स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एक और जहाज हमले का शिकार हुआ है। कुवैत के झंडे वाले इस तेल टैंकर पर मिसाइल से हमला किया गया। हालांकि ओमान में स्थित भारतीय दूतावास की तत्परता से जहाज पर सवार सभी पांच भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बचा लिया गया है। ओमान स्थित भारतीय मिशन ने इसकी जानकारी दी है।

दूतावास ने स्थानीय अधिकारियों के साथ तालमेल बिठाकर बचाव अभियान को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। जहाज पर मौजूद सभी 5 भारतीय क्रू सदस्यों को सुरक्षित तट पर ले जाया गया है। भारतीय दूतावास ने इस त्वरित सहायता और सहयोग के लिए ओमानी अधिकारियों का विशेष आभार व्यक्त किया है।



जहाजों पर बढ़ता खतरा

भारतीय मिशन ने घटना के पीछे के कारणों और हमले की परिस्थितियों को लेकर कोई जानकारी नहीं दी है। आपको बता दें कि मिडिल ईस्ट में बढ़ते सैन्य तनाव के कारण रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस समुद्री मार्ग से गुजरने वाले जहाजों पर हमलों की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिससे भारतीय नाविकों की सुरक्षा को लेकर भी चिंताएं बढ़ गई हैं।

खाड़ी क्षेत्र में जहाजों पर 4500 भारतीय नाविक

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इससे पहले मंगलवार को बताया था कि इस क्षेत्र में चल रहे व्यावसायिक जहाजों पर 4500 से ज्यादा भारतीय नाविक सवार हैं। जायसवाल के मुताबिक, इस समय फारस की खाड़ी में भारत के झंडे वाले 6 कमर्शियल जहाज हैं। इसके अलावा 6 विदेशी झंडे वाले जहाज भी हैं, जो भारत के लिए सामान लेकर जा रहे हैं। इन 12 जहाजों पर करीब 163 भारतीय नाविक सवार हैं। जायसवाल के मुताबिक, भारत का शिपिंग मंत्रालय इन जहाजों की आवाजाही पर नजर रख रहा है। भारतीय दूतावासों और स्थानीय एजेंसियों के साथ मिलकर नाविकों की सुरक्षा और उनकी स्थिति की जानकारी ली जा रही है। उन्होंने बताया कि जरूरत पड़ने पर भारतीय दूतावास नाविकों की सुरक्षा और भलाई के लिए जरूरी कदम उठाते हैं। उन्होंने कहा कि विदेशों में काम कर रहे भारतीय नाविकों की सुरक्षा और उनकी भलाई भारत की प्राथमिकता है।

केन्या में सड़क हादसा 13 लोगों की मौत

नैरोबी। केन्या के तटीय शहर मोम्बासा जाने वाले राजमार्ग पर कई वाहनों की टक्कर में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि ये लोग तीर्थयात्री थे। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना आधी रात के बाद सलामा इलाके में हुई। एक ट्रक चालक ने आगे जा रहे वाहन को ओवरटेक करने की कोशिश की, लेकिन वह इसमें सफल नहीं हुआ और ट्रक अनियंत्रित होकर मुड़ गया और कई वाहनों से टकरा गया। इनमें तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक वैन भी शामिल थी। पुलिस ने बताया कि वैन का चालक और कम से कम 12 यात्रियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

शब्द पहेली - 6367

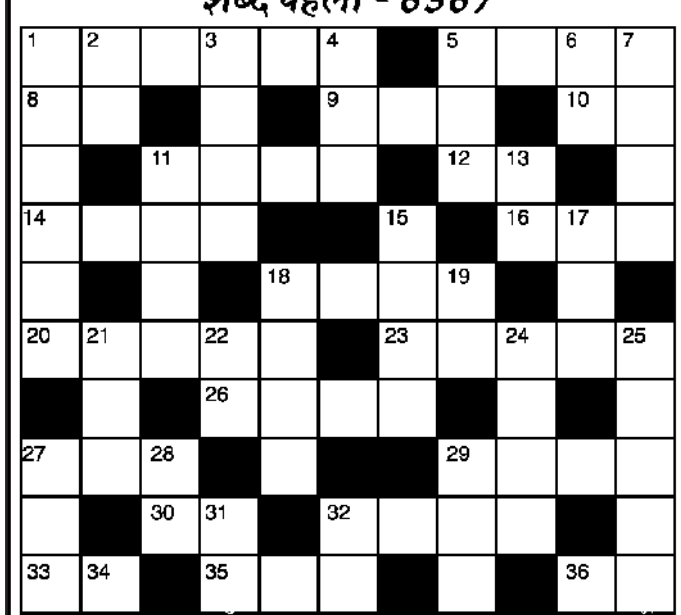

बाएँ से दाए
1. पवनपुत्र, हनुमान-3,3
5. मजार-4
8. बगीचा (अंग्रेजी में-2)
9. तहजीब, तमीज-3
10. सत्य, तेज-2
11. पतंगा-4
12. ईसाई साध्वी-2
14. इंकार करना-4
16. उत्तम, आदर्शवादी-3
18. रोमांच, उद्वेग-4
20. पागलपन, सनक-5
23. पालन-पोषण-5
26. आनंद लेना-2,2
27. बेईमानी, अमानत में खयानत-3
29. अग्रधान, गौण-4
30. ठाठ-बाट-2
32. अति काला, एक प्रकार की लकड़ी-4
33. रहस्य-2
35. गरुड़ जो रावण से लड़ा था-3
36. कमरा, रूम-2
37. जल में रहने वाला-4
38. धर्म के उपदेश देनेवाला-6

ऊपर से नीचे
1. पलायन करने वाला-6
2. जंगल-2
3. दांत से छोटे टुकड़े करना-4
4. जिव्हा, जीभ-3
5. घर, भवन-3
6. यात्री गाड़ी-2
7. चौबीस घंटे का समय-4
11. परीक्षण करना-4
13. भीगा हुआ-2
15. खीजना-4
17. उपस्थिती-3
18. रोमांच, उद्वेग-4
19. संपत्ति-2
21. उचित, सही-3
22. पंख, पराया-2
24. देश निर्वासन-4
25. अंगरक्षक-3,3
27. हाथी-4
28. मद, सरूर-2
29. अनुसार, समान-4
31. निगाह, दृष्टि-3
32. हथियार-3
34. पानी, नीर-2
36. सिगरेट का धुआं खींचना, सुड़ा-2

शब्द पहेली- 6366 का हल



सूडोकु नवताल - 6377

कठिनतम

2						5		
	1			8				9
7					4			
			9			1		
	3						6	
		8			5			
			3					8
5				6			2	
		4						7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6376 का हल

2	3	6	8	5	1	4	9	7
9	4	5	7	6	3	8	2	1
1	7	8	2	9	4	6	5	3
3	1	9	6	7	2	5	4	8
5	6	2	1	4	8	3	7	9
7	8	4	5	3	9	1	6	2
4	9	1	3	2	5	7	8	6
8	2	7	4	1	6	9	3	5
6	5	3	9	8	7	2	1	4

MANGAL_SENACHA_BANGLORE

प्रथम पृष्ठ का शेष

भारत का ....

में कुमकुम मोहोद ने महिला व्यक्तिगत रिकर्व में भारत को पहली बार स्वर्ण दिलाकर 48 साल का इंतजार खत्म किया, जबकि गोल्फ में प्रणवी शरत उर्स ने महिला व्यक्तिगत स्पर्धा का भारत का पहला गोल्ड जीता। कुश्ती में अमन सहरावत ने भी स्वर्ण अपने नाम किया। वहीं, महिला गोल्फ टीम ने रजत, अंतिम पंघाल ने कुश्ती में रजत और दीपक पूनिया तथा नीरज चौहान ने कांस्य पदक जीते। **प्रणवी उर्स ने गोल्फ में रचा इतिहास**- महिला व्यक्तिगत गोल्फ में प्रणवी शरत उर्स ने भारत के लिए ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता। चार राउंड के बाद प्रणवी का कुल स्कोर 15-अंडर-पार यानी -15 रहा। उन्होंने सिंगापुर की शैनन टैन और चीन की रुओनिंग यिन को एक शॉट से पीछे छोड़कर गोल्ड जीता। फाइनल राउंड में तीसरे होल पर ट्रिपल बोगी के कारण प्रणवी मुश्किल में आ गई थीं, लेकिन उन्होंने इसके बाद शानदार वापसी की। छठे, 10वें और 13वें होल पर बर्डी लगाकर उन्होंने मुकाबले में वापसी की। **सहरावत ने कुश्ती में जीता गोल्ड**- कुश्ती में भारत को अमन सहरावत ने एक और स्वर्ण पदक दिलाया। पुरुषों के 57 किलोग्राम भारवर्ग के फाइनल में अमन ने उत्तर कोरिया के चॉन्ग सॉन्ग हान को 11-7 से हराया। यह एशियन गेम्स 2026 में कुश्ती में भारत का दूसरा स्वर्ण पदक है। इससे पहले सुजीत कलकल ने पुरुषों के 65 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में गोल्ड जीता था।

वडनगर में शिवराज, शुभेंदु-भूपेंद्र ....

सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित 'सेवा संकल्प अभियान' का प्रमुख हिस्सा है। 7 अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली थी। इस लिहाज से 7 अक्टूबर 2026 को उनके निर्वाचित जनप्रतिनिधि के रूप में सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं। भाजपा ने इस अवसर को 'जन्मभूमि से कर्मभूमि' तक की यात्रा के रूप में प्रस्तुत किया है। यात्रा की शुरुआत 17 सितंबर को एक साथ वडनगर और वाराणसी से हुई थी।

दोनों दिशाओं से ....

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लिखी 450 से अधिक पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाई गई है। इसके बाद क्रूज के जरिए ललिता घाट पहुंचकर बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक करेंगे और फिर जगतपुर की जनसभा में शामिल होंगे।

नितिन नवीन के ....

करेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी भी कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। पार्टी ने सभा में लगभग 50 हजार लोगों की भागीदारी का लक्ष्य रखा है। वहीं अभियान के दूसरे प्रमुख केंद्र वडनगर में भी समापन कार्यक्रम आयोजित होगा। इस तरह 7 अक्टूबर को वडनगर और काशी, प्रधानमंत्री मोदी के जन्मस्थान और कर्मभूमि, दोनों जगह भाजपा के बड़े आयोजन होंगे।

वडनगर में शिवराज, बढ़ते ....

के कारण उनका संगठनात्मक और राजनीतिक दायरा मध्य प्रदेश से आगे राष्ट्रीय स्तर पर भी दिखाई देता है। खास बात यह भी है कि वडनगर के कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल भाजपा के प्रमुख नेता शुभेंदु अधिकारी और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी मौजूद रहेंगे। इस तरह भाजपा ने वडनगर के आयोजन में संगठन, केंद्र और राज्यों के प्रमुख चेहरों का संयोजन किया है।

तलाशेंगे छग में ....

इंडिया नेटवर्क फॉर ग्रोथ फोरम 2026 के दौरान मुख्यमंत्री साय सिंगापुर के प्रमुख निवेशकों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ सीईओ राउंडटेबल में शामिल होंगे। यहां छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाओं, कारोबारी साझेदारी और रोजगारपरक उद्योगों के विस्तार पर चर्चा होगी। फोरम का उद्देश्य भारत और सिंगापुर के बीच व्यापार, निवेश तथा कारोबारी साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए सरकार, उद्योग और निवेश जगत के प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाना है।

छत्तीसगढ़ की औद्योगिक क्षमता और निवेश के अवसर गिनाएंगे

सिंगापुर यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य का प्रतिनिधिमंडल छत्तीसगढ़ की औद्योगिक क्षमता और निवेश अवसरों को अंतरराष्ट्रीय कारोबारी समुदाय तक पहुंचाएगा। सरकार को इस संवाद से विदेशी निवेश, तकनीकी सहयोग और नए कारोबारी साझेदारियों की संभावनाएं बढ़ने की उम्मीद है। इंडिया नेटवर्क फॉर ग्रोथ फोरम के जरिए छत्तीसगढ़ वैश्विक निवेश समुदाय के बीच अपनी पहचान मजबूत करने और राज्य को निवेश के नए केंद्र के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास करेगा।

पहाड़ छलनी, जमीन ....

लिए एक समिति का गठन किया गया है। इसके बावजूद खोदाई नहीं रुक रही है। जगह जगह तालाब बन गए हैं। इनमें कभी भी हादसा हो सकता है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते इन गतिविधियों पर रोक नहीं लगी तो आने वाले समय में इसके गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं।

सागौन जंगल में पेड़ ....

कि जंगल में रात के समय जेसीबी और पोकलेन मशीनों से खुदाई की जाती है।

कोनी-लमेर में ....

रहा है। बताया जा रहा है कि मशीनें जंगल के भीतर पहुंचती हैं और रातभर खोदाई चलती है।सुबह होने से पहले जेसीबी और पोकलेन को दूसरी जगह छिपा दिया जाता है। तखतपुर विकासखंड के ग्राम डोमनपुर से लगे ग्राम सफरीमाटा मे लगभग 6-7 एकड़ की जमीन पर पिछले तीन साल से मुरुम की धड़ल्ले से अवैध खोदाई चल रही है ग्रामीणों का कहना है कि इसकी शिकायत भी की गई और प्रशासन ने थोड़ी कार्रवाई भी की, इसके बावजूद अवैध रुप से चल रही खोदाई आज भी जारी है। 15 से 20 एकड़ की सरकारी जमीन को खोदकर छोड़ दिया गया है जो अब तालाब की शक्ल में दिखाई देता है।

दिनदहाड़े लुचकी घाट ....

घाट के नीचे लंबे समय से अवैध उत्खनन की जानकारी सामने आती रही है। यहां माफिया पोकलेन और जेसीबी जैसी बड़ी मशीनें लगाकर पहाड़ को काट रहे हैं। उनके हौसले इस कदर बुलंद हैं कि दिनदहाड़े उत्खनन का काम किया जा रहा है। पहाड़ को बड़े पैमाने पर काटकर मुरुम निकाली जा रही है। इसके बाद हाइवा और अन्य वाहनों में मुरुम लोड कर उसका परिवहन और बिक्री की जा रही है। इस कारोबार में शहर के कुछ प्रभावशाली लोगों के नाम सामने आने की बात कही जा रही है। अवैध उत्खनन के लिए बाकायदा कर्मचारियों को तैनात किए जाने की भी जानकारी है। ये कर्मचारी पहाड़ के नीचे बैठकर उत्खनन की निगरानी करते हैं। इसके अलावा, माफिया ने आसपास के कुछ ग्रामीणों को भी पैसों का लालच देकर अपने साथ मिला लिया है।

जुर्माना भरकर बच ...

कार्रवाई कर चुका है। पूर्व में हरिभूमि में खबर प्रकाशित होने के बाद उत्खनन और परिवहन में लगे वाहनों को जब्त किया गया था। हालांकि, आरोप है कि माफिया जुर्माना भरकर कार्रवाई से बच निकलते हैं और कुछ समय बाद फिर से अवैध उत्खनन तथा कब्जे की गतिविधियां शुरू हो जाती हैं।

आदेश बेअसर... 90 फीसदी निजी...

इन्हीं दवा दुकानों से खरीदी करना मरीजों और उनके अटेंडरों की मजबूरी है। हालांकि राजधानी समेत प्रदेश के 20 प्रतिशत बड़े अस्पतालों में इस नियम का पालन हो रहा है। मगर 80 फीसदी छोटे और मध्यम दर्जे के अस्पताल ज्यादा मुनाफा के चक्कर में आदेश का माखौल उड़ा रहे हैं। निजी अस्पतालों की दवा दुकानों में दवा वापसी के नियम और टाइमिंग के बोर्ड तो लगे हुए है मगर खरीदी अनिवार्य नहीं का नोटिस बोर्ड गायब कर दिया गया है।

रायपुर में ही पालन नहीं, ज्यादातर ...

परअन्य अस्पतालों में इस नियम का पालन होता नजर नहीं आया। एफडीए के स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि समय-समय पर इसकी जानकारी ली जाती है। आने वाले दिनों में इसे लेकर नोटिस भी जारी किया जाएगा। दूसरी ओर जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की ओर से तमाम निजी नर्सिंग होम के लिए ओपीडी के साथ आईपीडी में भर्ती होने वाले मरीजों को भी दवा से संबंधित प्रिस्क्रिप्शन पर्ची देना अनिवार्य है किया गया था।

बिलासपुर में भी जारी है ...

मेडिकल स्टोर में बोर्ड ही गायब है। एफडीए के स्थानीय अधिकारी का तर्क है कि हर महीनें ड्रग इंस्पेक्टर की विजिट मेडिकल स्टोरों में हो रही है, जहां ऐसा नहीं लिखा पाया जाता है उसे तत्काल बोर्ड लगाने के लिए कहा जाता है। जिले में कई निजी अस्पताल के मेडिकल स्टोर में बोर्ड लगाया गया है। जिन मेडिकल स्टोर में बोर्ड नहीं लगाया गया है, उन्हें नोटिस दिया जाएगा।

भिलाईः नहीं लगी जरूरी सूचना ...

स्टोर से ही खरीदना जरूरी है। हरिभूमि की टीम जब भिलाई के प्रतिष्ठित स्पर्श अस्पताल पहुंचा तो वहां मौजूद दवा दुकान के बाहर किसी तरह की दवा खरीदी का संदेश संदेश नहीं लगा था। सूचना नहीं लगाने पर होगी कार्रवाईः निर्देशों का पालन करते हुए निजी अस्पतालों को अपने मेडिकल स्टोर के बाहर इस संबंध में स्पष्ट सूचना प्रमुखता से प्रदर्शित करनी होगी। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित अस्पताल, मेडिकल स्टोर अथवा जिम्मेदार व्यक्ति के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए जिले के सभी निजी अस्पतालों का निरीक्षण किया जाएगा। **संजय झाडेकर**, औषधि निरीक्षक, खाद्य सुरक्षा और औषधि प्रशासन विभाग, दुर्ग

जगदलपुरः निजी अस्पतालों ...

होता है। ऐसे में यदि दवाइयां भी अस्पताल के मेडिकल स्टोर से अपेक्षाकृत अधिक कीमत पर खरीदनी पड़ें तो परिवार पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है। परिजनों ने संबंधित विभाग से पूरे मामले की जांच कर शासन के निदेर्शों का पालन सुनिश्चित कराने की मांग की है। सीएमएचओ को देंगे निर्देश- स्वास्थ्य विभाग बस्तर संभाग के संयुक्त संचालक महेश सांडिया ने कहा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। इसके लिए सीएमएचओ को निर्देश देंगे कि इसकी जांच कर कार्रवाई करें।

राजनांदगांवः इन-हाउस मेडिकल...

औषधि प्रशासन विभाग गंभीर दिखाई नहीं दे रहा है। जिसकी वजह से निजी मेडिकल स्टोर में आदेश को लेकर सूचना बोर्ड नहीं लगाया गया है, स्थानीय औषधि प्रशासन विभाग ऐसे मेडिकल स्टोर पर कार्रवाई करने से भी बचता नजर आ रहा है ।

धमतरीः सूचना बोर्ड के अभाव में...

नजर आया। सूचना लगवाने आदेश करवाएंगेः इस संबंध में सीएमएचओ डॉ. अरूण टोण्डर ने कहा कि निजी अस्पतालों के मेडिकल में मरीजों को दवाइयां खरीदने की अनिवार्य नहीं संबंधी सूचना बोर्ड नहीं लगे होने पर औषधि प्रशासन विभाग के माध्यम से बोर्ड लगवाने आदेश करेंगे। समय-समय पर जांच, नोटिस भी जारी किया गया- इस संबंध में हास्पिटलों में संचालित दवा दुकानों को निर्देशित किया गया है कि वे ऐसे स्थान पर जानकारी चस्पा करे जहां आसानी से लोगों की नजर पड़े।

देर से आया मानसून, जल्दी ...

बढ़ने के बाद ठंडकता महसूस होगी। मौसम विभाग की मानसून वापसी की पूर्व की तारीख तो गौर करे तो इस बार मानसून दस साल में दूसरी बार अक्टूबर के पहले सप्ताह में अपना बोरिया-बिस्तर समेट रहा है। इस बार इसकी वापसी की शुरुआत 3 अक्टूर से हुई है और संभवतः पहले सप्ताह में ही यह पूरा छत्तीसगढ़ छोड़ देगा। इसके पूर्व वर्ष 2018 में इसने 5 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ छोड़ दिया था।

क्षतिग्रस्त चेकडेम का

जिले के शंकरगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत सिलफिली स्थित फुलझर नाला पर निर्मित चेक डेम के महज छह महीने में ही क्षतिग्रस्त होने का मामला सामने आया था। इस चेकडेम के निर्माण में लापरवाही और गुणवत्ताहीन निर्माण की बात सामने आई थी और चेकडेम के क्षति ग्रस्त होने की शिकायत भी स्थानीय लोगों दवारा की गई थी। ग्राम पंचायत द्वारा बनवाए गए चेक डेम के पहली बारिश भी नहीं झेल पाने को लेकर हरिभूमि द्वारा प्रमुखता से खबर का प्रकाशन किया गया था। खबर प्रकाशन के बाद जिला पंचायत सीईओ बलरामपुर दवारा मामले में जांच के निर्देश दिए गए थे। जिपं सीईओ के निर्देश पर जल संसाधन विभाग के एसडीओ दिनेश राम, लोनिवि के उप अभियंता सबल राम सोनवानी, वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी खंड शंकरगढ़ उमाकांत सिंह, उप अभियंता आरईएस जसकमल सिंह छाबड़ा द्वारा मामले की जांच की गई। जांच उपरान्त संयुक्त टीम ने अपना प्रतिवेदन पेश कर दिया है। अब तक की जांच में यह बात सामने आई है कि चेक डेम निर्माण के लिए शासन से वर्ष 2025-26 में स्वीकृति मिली थी। शासन दवारा चेकडेम निर्माण के लिए 16.80 लाख रूपए की राशि प्रदान की गई थी।

हरिभूमि और आईएनएच का...

गए विकास कार्यों एवं आने वाले समय में प्रगति की संभावनाओं के साथ ही जनहित के मुद्दों पर जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अफसरों से चर्चा करेंगे। कार्यक्रम में राजस्व एवं उच्च शिक्षा मंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री टंकराम वर्मा, शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव, रायगढ़ सांसद राधेश्याम राठिया सहित जिले के विधायक, पूर्व विधायक एवं भाजपा और कांग्रेस से जुड़े नेताओं के साथ- साथ प्रबुद्धजन एवं जिला व पुलिस प्रशासन, समाजसेवी, व्यापारी सहित सभी क्षेत्र से लोग शामिल होंगे।

विधायक कविता व उत्तरी समेत जनप्रतिनिधि करेंगे शिरकत

जिला संवाद कार्यक्रम में विधायक बिलाईगढ़ कविता प्राण लहरे, विधायक सारंगढ़ उत्तरी गनपत जांगड़े पूर्व विधायक सारंगढ़ केराबाई मनहर सहित जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडेय, भाजपा जिलाध्यक्ष ज्योति पटेल, सरिया नगर पंचायत अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्राही, जिला पंचायत सदस्य डा. कैलाश नायक व विनोद भारद्वाज, कांग्रेस के जिलाध्यक्ष ताराचंद देवांगन, जनपद पंचायत सारंगढ़ की अध्यक्ष ममता राजीव सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष सोनी अजय बंजारे, पूर्व विधायक पद्मा घनश्याम मनहर शामिल होंगे।

35000 गोपालकों को 101 करोड़ का गिफ्ट

मंत्रालय की मांग करते रहे, लेकिन तत्कालीन सत्तारूढ़ पार्टी ने 75 वर्षों तक अलग सहकारिता मंत्रालय नहीं बनने दिया। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अलग सहकारिता मंत्रालय की स्थापना कर सहकारिता क्षेत्र को नयी दिशा दी।

अहलूवालिया हॉस्पिटल
81031 28515, 0771-4050006
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • सर्भा प्रकार के ऑपरेशन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चो के ऑपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज – अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

JHAIGO Cream
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?
वैदेही तुलसी कफ सीरप
नई एवं पुरानी खांसी, एलर्जी खांसी, श्वास, निमोनिया, कुकुरखांसी, टान्सिल, ब्रानकाटिस, सर्दी आदि में तेज असर कारक
2 वर्ष से बड़े बच्चों के लिए हानिरहित कफ सिरप
HMS देखकर खरीदें एक बार उपयोग कर देखें 94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- आफिस कार्य हेतु शिक्षित लड़के- 2 रूम सर्विस हेतु लड़के-2, कामवाली बाई-2, हल्का नाश्ता बनाने हेतु लड़का-1, खाना बनाने हेतु मिस्त्री-1, चाहिए रहने खाने की सुविधा सम्पर्क करें- 8839169907, 8988888542 **(42014)**

आवश्यकता है- घरेलू कार्य हेतु युवक चाहिए रहने खाने की सुविधा सम्पर्क करें- सुबह 10बजे से 2बजे तक शाम 5बजे से 9बजे तक गगन फ्लेक्स 27 खोली चौक बिलासपुर 9039768650 9425535104 **(42012)**

आवश्यकता है- विहान फर्नीचर में कार्य हेतु अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर/ सेल्सगर्ल/ सेल्सबॉय एवं फिटर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- विहान फर्नीचर, भारती नगर चौक, आस्था पेट्रोल पम्प के सामने, बिलासपुर 79999 99517, 9993243600 **(42015)**

आवश्यकता है- घर में खाना बनाने हेतु महिला/ पुरुष चाहिए। कार्य समय दोपहर 12बजे से शाम 8बजे तक सम्पर्क करें- जय अम्बे नर्सिंग होम महाराणा प्रताप चौक रिंग रोड नं.-2, बिलासपुर 99819 70853 **(42008)**

आवश्यकता है- डेन्टल क्लीनिक में काम के लिए डेन्टल असिस्टेन्ट की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- मुंगेली नाका चौक प्रेम अपार्टमेंट स्वीमिंग पूल ग्राउंड के सामने बिलासपुर 91110 52333 **(17360)**

आवश्यकता है- लॉज में मैनेजर 1पद (30वर्ष से ऊपर वेतन 10000 से ऊपर योग्यता/ समयानुसार) लेट्रिंग बाथरूम सफाई नियमित, पार्ट टाइम वाला, अनुभवी बिजली मिस्त्री चाहिए पता- अग्रवाल लॉज बिलासपुर 9406390898, 9827940898 **(42016)**

आवश्यकता है- गुरुकुल विद्या मन्दिर हायर सेकेण्डरी स्कूल भरत चौक चिंगराजपारा बिलासपुर में 1पद विज्ञान एवं 1पद रसायन शास्त्र पढ़ाने हेतु शिक्षकों की आवश्यकता है तत्काल सम्पर्क करें- 89623 18092 **(42013)**

आवश्यकता है- प्रेस कार्य करने हेतु प्रेस कारीगर की शीघ्र आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- मैजिक लॉण्ड्री मन्दिर चौक जरहाभाठा बिलासपुर 8109042684 **(42009)**

आवश्यकता है- छड़, सीमेन्ट दुकान में मार्केटिंग सेल्स हेतु सेल्समैन, ऑफिस, सफाई पानी चाय, ऑटो, पीकप, माजदा ड्राइवर, लेबर चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार पता- लवली ट्रेडर्स, महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 93297 77750, 9301266997 **(42010)**

आवश्यकता है- होलसेल मेडिकल एजेन्सी में कार्य करने हेतु अनुभवी सेल्समैन, पैकिंग एवं लोकल में माल छोड़ने हेतु लड़कों एवं लड़कियों की आवश्यकता है । सम्पर्क करें- जगत एजेन्सी, मेन रोड तेलीपारा, बिलासपुर **(42000)**

आवश्यकता है- छोटी गाड़ी की देखरेख हेतु सुपरवाइजर चाहिए जिसे गाड़ी चलाना आता हो ट्रैवल एजेन्सी में काम करने के लिए। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सक्षम ट्रेवल्स मंगला बिलासपुर 9301588883 9300888883 **(41997)**

आवश्यकता है- रेडीमेड शोरूम में सेल्सगर्ल, सेल्समेन, हेल्पर की आवश्यकता है आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- वियर विला, धन गुरुनानक दरबार के पास, बलराम टाकीज रोड, सिन्धी कालोनी जरहाभाठा बिलासपुर, 8827550866, 8988888737 **(41998)**

आवश्यकता है- फर्निशिंग शोरूम अर्बन लिविंग मुंगेली नाका चौक बिलासपुर में काउंटर सेल्स कार्य करने हेतु 12वीं पास 15 लड़कों की आवश्यकता है (गाड़ी चलाने आता हो) सम्पर्क करें- 8109090000, 831939 7645 **(42006)**

आवश्यकता है- 100% परमानेंट जॉब भारत में सबसे अधिक स्थायी रोजगार देने वाली Righteous Limited को आफिस कार्य एवं विभिन्न पदों हेतु 8/10/12वीं स्नातक लड़के/ लड़कियों का चयनकर 11000 13000, 17000, 25000/- आवास बोनस मिलें- प्रजापिता ब्रह्माकुमारी के पास चौपाटी चोपड़ापारा अम्बिकापुर 9669370111, 95840 00909, 8435803535, 7067084579 **(20652)**

आवश्यकता है- 3वर्ष अनुभवी एकाउंटेंट (मेल), आरटीओ कार्य हेतु 2वर्ष अनुभवी (मेल/ फीमेल) केंडीडेट चाहिए सम्पर्क करें- कृष्णा सेल्स रिंग रोड नं-2, भाटिया फ्यूल के पास, महाराणा प्रताप चौक, बिलासपुर 9300674767, 9893978331 **(41996)**

आवश्यकता है- रेडीमेड कपड़ा दुकान (गर्ल्स वेयर) में काम करने हेतु लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- आलीशान गर्ल्स, करोना चौक, सदर बाजार बिलासपुर 79872 61212 **(42004)**

आवश्यकता है- कस्ट्रक्शन साईट पर कार्य हेतु स्टोर मैनेजर एवं ऑफिस कार्य हेतु ऑफिस मैनेजर (युवक/ युवती) चाहिए अनुभव 3वर्ष से अधिक सम्पर्क करें- श्रीबालाजी कंस्ट्रक्शंस बिलासपुर 79740 86925, 9993120709 (व्हाट्स एप्प- 99079 25045) **(41994)**

आवश्यकता है- कैफे में कार्य हेतु युवक/ युवती की आवश्यकता है। वेतन 6500 से 8000 सम्पर्क करें- 12बजे के बाद, ब्रूबेरी कैफे, एंबियंस बिजनेस पार्क, सीएमडी कॉलेज के सामने, बिलासपुर 7987926453, 07752 490692 **(42001)**

आवश्यकता है- मेडिकल एजेन्सी में आर्डर बुकिंग एवं वसूली कार्य करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- गोविन्द फार्मा मेन रोड दयालबंद बिलासपुर 91110 00629 **(42003)**

आवश्यकता है- घर पर डेली 3 कार 8 बाइक वाश करवाना है जिसको कार वाश का अनुभव हो एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर भी चाहिए सम्पर्क करें- रिंग रोड नं-2 शांति नगर बिलासपुर 9753330000 **(42002)**

आवश्यकता है- खेती बाड़ी कार्य करने हेतु फैमली वाले की आवश्यकता है जो वहां रहकर कार्य कर सके दोनो मिलाकर तनख्वा 14000/- संपर्क 9754293974 **(41981)**

आवश्यकता है- इलेक्ट्रानिक्स शोरूम में काम करने के लिए लड़के की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- Haier Showroom राजीव गांधी चौक बिलासपुर 90988 44447 **(41992)**

आवश्यकता है- अतिशीघ्र आवश्यकता है (1) कम्प्यूटर ऑपरेटर 3, अनुभव 2वर्ष टेंडर कार्य, ऑनलाइन, जेम, ऑफ लाइन वेतन 15000 से 25000 (2) मार्केटिंग ऑफिसर 4, वेतन 25000 से 40000 अनुभव 3वर्ष मार्केटिंग कार्य योग्यता MA/ MBA सम्पर्क करें- Alert SGS Private Limited कार्यालय- प्रथम तल 06 जे शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका चौक रायपुर छत्तीसगढ़ 87200 05500 **(815)**

आवश्यकता है- अनुभवी, निष्ठावान ड्राइवर की आवश्यकता है जिसे ऑटोमैटिक कार चलाना आता हो। किसी भी प्रकार का व्यसन नहीं करता हो। आवश्यकता अनुसार रहने, भोजन की सुविधा उपलब्ध। सम्पर्क करें- 9827156675 **(41984)**

आवश्यकता है- होलसेल मेडिकल एजेन्सी में सामान पैक करने, लाने, लेजानेss हेतु लड़कों की आवश्यकता है योग्यता- 10वीं वेतन- 10000 सम्पर्क- मातुश्री ट्रेडिंग, वेस्ट साइड शोरूम के बाजू, व्यापार विहार रोड, बिलासपुर **(41985)**

आवश्यकता है- होलसेल मेडिकल एजेन्सी में कम्प्यूटर आपरेटर एवं लोकल में माल छोड़ने के लिए लड़के की आवश्यकता है। केवल लड़के ही सम्पर्क करें- शारदा मेडिकल एजेन्सी मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर **(41993)**

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीकल दुकान में काम करने हेतु मेहनती लड़कों की आवश्यकता हैं वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- भारती इलेक्ट्रीकल, मेन रोड तेलीपारा, बिलासपुर **(41995)**

आवश्यकता है- छत्तीसगढ़, ओड़शी में सेल्स/मार्केटिंग हेतु फ्रेशर्स की आवश्यकता है ट्रेक्टर एक्सेसरीज में कार्य करने वाले व्यक्ति कमीशन पे काम के लिए सम्पर्क करे फ़ोन 9977454909 समय सुबह 9 से शाम 7 **(26435)**

आवश्यकता है- सीसीटीवी कैमरा की वायरिंग एवं फिटिंग हेतु युवकों की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- पारस इन्टरप्राइजेस, GF-26, अम्बे अंजनी ई-प्लाजा, सीएमडी कॉलेज चौक, लिंक रोड बिलासपुर 9425530470, 9826598526 **(41991)**

आवश्यकता है- मंथली एवं लॉग टूर में गाड़ी चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवरों और ऑफिस में कार्य हेतु 10वीं, 12वीं पास लड़के लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- बिलासपुर 9300672005 **(41980)**

आवश्यकता है- मंगला सुपर बाजार में सफाई पैकिंग कार्य हेतु फीमेल, मेल कर्मचारी 2पद, मेल हमाली कार्य हेतु 1पद, कम्प्यूटर कार्य हेतु 1पद चाहिए वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9827998640, 7648086615 **(41982)**

आवश्यकता है- रियल एस्टेट ऑफिस में टेली कॉलिंग एवं सेल्स अनुभवी एक्जीक्यूटिव (Female) की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता सैलरी योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 9770770000, 9827072000 **(41950)**

आवश्यकता है- बर्तन दुकान में कार्य करने हेतु 2 लड़कों की। वेतन 4 अंको में, सम्पर्क करें- घरसंसार, नरेश बाजार के सामने, बजरंग कॉम्प्लेक्स के पास, पुराना बस स्टैण्ड, तेलीपारा बिलासपुर 79998 22285 **(41986)**

नशा मुक्ति केन्द्र

नशा मुक्ति केन्द्र- सभी प्रकार के नशे का ईलाज काउन्सलिंग, योग ध्यान, दवाईयों एवं आध्यात्मिक प्रोग्राम द्वारा सम्भव है। मनोरोगियों का ईलाज मनोचिकित्सक द्वारा किया जाता है सम्पर्क करें- 9340093665 **(41915)**

बेचना है

बेचना है- व्यापार विहार बिलासपुर में एक कमर्शियल प्लॉट साईज 375 वर्गफीट एवं सिरगिट्टी में गोविन्द नगर में 3225 वर्गफुट प्लॉट अतिशीघ्र बेचना है इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें- 9630083740, 97706 76030 **(41989)**

बेचना है- (1) 2BHK फ्लैट टिपटॉप फर्स्ट फ्लोर ऋषभ अपार्टमेंट जबड़ापारा नया सरकंडा में (2) 10×10=100 फुट दुकान छत नहीं मेंसवियर हेतु उचित गोधू चौक के पास सिंधी कालोनी में सम्पर्क- 9131242092 **(41975)**

बेचना है- काली ढाबा के पास रायपुर मेन रोड से मात्र 500 मीटर अन्दर हिर्री माइंस रोड में कमर्शियल, रेसिडेंशियल जमीन काफी कियाफती दर में बिक्री हेतु उपलब्ध है सम्पर्क 9329111632 **(41988)**

बेचना है- यदुनन्दन नगर तिफरा में डायवर्टेड प्लाट, जमीन और 2BHK, 3BHK मकान अति शीघ्र बेचना है। आपके बजट और आवश्यकता अनुसार सम्पर्क करें- कृत्या कंसल्टेन्सी बिलासपुर 9826314444 **(41999)**

बेचना है- अशोक नगर, सरकंडा में 1080 वर्गफुट मे 400 वर्गफुट निर्माण 680 वर्गफुट खाली डायवर्ट जमीन के साथ मात्र 28.50 लाख रुपये में, अन्नपूर्णा कॉलोनी में 1500 वर्गफुट मात्र 1650/- में, न्यूइंडिया स्कूल के पास 900 वर्गफुट मात्र 1200/- में सम्पर्क करें- 7489846536 **(41990)**

बेचना है- कांकेर माकड़ी (कांकेर - रायपुर रोड) नया माकड़ी होटल पंजाबी ढाबा से लगभग 300 मीटर कि दूरी पर मेन रोड किनारे 1 एकड़ 15 डिसमिल जमीन बिक्री हेतु उपलब्ध। खरीदार संपर्क करें - 8770236792 **(221)**

बेचना है- बिलासपुर सकरी मेन रोड से दो कदम दूर पूर्ण विकसित कॉलोनी में सीसी रोड नाली, पानी, बिजली, सर्वसुविधायुक्त सहित नॉर्थ फेसिंग प्लॉट 100×50= 5000 वर्गफुट बेचना है सम्पर्क करें- 7898855268 **(41750)**

बेचना है- नगर निगम सीमा से मात्र 8km दूर गनियारी, बिलासपुर में डायवर्टेड प्लॉट 400/-, बिना डायवर्टेड प्लॉट 200/- 300/-, 350/- प्रति वर्गफुट फार्म हाउस के लिए, पहले आएं, पहले पाएं। सम्पर्क करें- 7898333307 78058 03607, 7805803607 **(42017)**

बेचना है- तोरवा गुरुनानक चौक स्थित जे.जे. हॉस्पिटल के पास 1619 वर्गफुट में निर्मित 5 दुकानें एवं बसन्त विहार के पास 11×20 फर्स्ट फ्लोर पर ऑफिस अतिशीघ्र बेचना है। सम्पर्क करें- 9301186703 **(41929)**

बेचना है- पारिजात एक्सटेंशन में स्थित प्लॉट एरिया 1350 वर्गफुट, जिसमें 2 बेडरूम, हॉल, किचन, 2 लेटबाथ, पोर्च के साथ 2 मकान जो आजूबाजू है अतिशीघ्र बेचना है सम्पर्क 9827167229 **(42011)**

किराया

किराया- शहर के मध्य फरिस्ता कॉम्प्लेक्स के पास एक होटल 'गोल्डी होटल' किराए से देना है, संपर्क करे घरमीत सिंह भामरा मो. 97543 55587 **(220)**

किराया- सिटी कोतवाली के पास मल्टी लेवल पार्किंग काम्प्लेक्स में दुकान नम्बर 23 साईज 16×17= 285 वर्गफिट की दुकान किराये से देना है सम्पर्क करें- 6265000325, 9131758423 **(42007)**

एशियाई खेल : फाइनल में पाकिस्तान को 19 रनों से हराया

भारत ने लगातार दूसरी बार जीता गोल्ड

एजेंसी ▶▶| निशिन



अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा के तूफानी अर्धशतकों की मदद से भारत ने हसन नवाज की आक्रामक पारी के बावजूद रोमांचक फाइनल में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 19 रन से हराकर शनिवार को एशियाई खेलों के पुरुष क्रिकेट में अपने स्वर्ण पदक का सफलतापूर्वक बचाव किया।

अभिषेक ने 28 गेंद पर 61 रन बनाए, जिसमें तीन चौके और सात छक्के शामिल हैं। तिलक वर्मा ने आखिरी ओवरों में 22 गेंद पर नाबाद 51 रन की पारी खेली, जिसमें तीन चौके और चार छक्के शामिल हैं। उन्हें शिवम दुबे का अच्छा साथ मिला, जिन्होंने 15 गेंद पर 27 रन बनाए। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने के लिए उतरी भारतीय टीम ने छह विकेट पर 211 रन का बड़ा स्कोर बनाया। पाकिस्तान की तरफ से अहमद दानियाल और अराफात मिन्हास ने दो-दो विकेट लिए।

हसन नवाज ने खेली 51 गेंदों पर 96 रन की पारी

पाकिस्तान खराब शुरुआत के बावजूद हसन नवाज की 51 गेंदों पर 96 रन की पारी से मुकाबले में बना रहा लेकिन आखिर में वह 6 विकेट पर 192 रन तक ही पहुंच पाया। नवाज जब चार रन पर थे तब वैभव सूर्यवंशी ने उनका कैच छोड़ दिया था। नवाज ने अपनी पारी में पांच चौके और सात छक्के लगाए। भारत की तरफ से अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर और शिवम दुबे ने दो-दो विकेट लिए।

अपने प्रदर्शन का स्तर ऊंचा उठाएं : अय्यर



पाकिस्तान के खिलाफ पहली बार कप्तान कर रहे श्रेयस अय्यर ने एशियाई खेलों के फाइनल में अपने साथियों से सिर्फ इतना कहा था कि मुकाबले को लेकर बने माहौल और दबाव को खुद पर हावी नहीं होने दें और बड़े मंच पर अपने प्रदर्शन का स्तर ऊंचा उठाएं। भारतीय खिलाड़ियों ने भी कप्तान की बात पर अमल करते हुए शानदार प्रदर्शन किया। जीत के बाद अय्यर ने कहा कि टीम ने पाकिस्तान या श्रीलंका के बजाय सिर्फ एक प्रतिद्वंद्वी के रूप में सामने वाली टीम को देखा और अपना पूरा ध्यान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर रखा। उन्होंने कहा, 'हमारे दिमाग में सिर्फ एक प्रतिद्वंद्वी था, पाकिस्तान या श्रीलंका नहीं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। अगर हम अपनी क्षमता के मुताबिक सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं तो बाकी चीजें अपने आप सही हो जाती हैं। आज इसका सही उदाहरण देखने को मिला और हम उस पर खरे उतरे।'

नहीं किया हैंडशेक

भारत और पाकिस्तान के बीच एशियाई खेलों के क्रिकेट फाइनल को लेकर काफी उत्सुकता थी लेकिन शनिवार को मुकाबला बिना किसी विवाद के संपन्न हुआ। इस दौरान दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने एक बार फिर हाथ नहीं मिलाए। फाइनल देखने के लिए तोक्यो, नागोया और जापान के अन्य हिस्सों से बड़ी संख्या में पहुंचे भारतीय समुदाय के लोगों के लिए यह दिन क्रिकेट के नाम रहा। मैच के बाद का घटनाक्रम भी कुछ ऐसा ही रहा। जीत के बाद भारतीय खिलाड़ी जब अपने ड्रेसिंग रूम की ओर बढ़े तो उन्होंने पाकिस्तानी खिलाड़ियों के पास जाने की कोशिश नहीं की। पाकिस्तान की टीम अपने ड्रेसिंग रूम से बाहर आई, अंपायरों से हाथ मिलाया और भारतीय खिलाड़ियों से बिना किसी बातचीत के वापस लौट गई। हाथ मिलाने को छोड़ दे तो मैच खेल भावना के साथ खेला गया। खिलाड़ियों के बीच कोई तीखी बहस या बड़ा विवाद नहीं हुआ और उन्होंने अपना ध्यान मुकाबले पर बनाए रखा तथा क्रिकेट को केंद्र में रहने दिया। पदक समारोह भी बिना किसी व्यवधान के संपन्न हुआ और आयोजकों ने पूरी प्रक्रिया को व्यवस्थित बनाए रखा।

वेस्टइंडीज से हारी टीम इंडिया

स्कोर डिफेंड नहीं कर पाई, राहुल की सेंचुरी बेकार गई

एजेंसी ▶▶| न्यू चंडीगढ़



क्रिकेट वनडे रैंकिंग में नंबर-10 पर मौजूद वेस्टइंडीज ने रैंकिंग टॉपर भारत को 5 विकेट से हरा दिया। न्यू चंडीगढ़ में भारत 351 रन का स्कोर भी डिफेंड नहीं कर सका। वेस्टइंडीज ने 48.2 ओवर में 5 विकेट पर 352 रन बनाकर जीत हासिल की।

यह वनडे में वेस्टइंडीज का सबसे बड़ा सफल रन चेज है। इससे पहले टीम ने 2019 में आयरलैंड के खिलाफ 328 रन चेज किए थे। भारत ने शनिवार को टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और 50 ओवर में 7 विकेट पर 351 रन बनाए। केएल राहुल ने नाबाद 129 रन बनाए। रोहित शर्मा ने 92 रन की पारी खेली। उन्होंने बतौर ओपनर वनडे में 10 हजार रन पूरे किए। ऋतुराज गायकवाड ने 57 रन बनाए। जवाब में वेस्टइंडीज के लिए कप्तान शाई होप ने नाबाद 160 रन बनाए। उन्होंने 17 चौके और 3 सिक्स लगाए। अमीर जांगू ने 67 रन बनाए।

गिल प्लेयर ऑफ द सीरीज बने

3 मैचों में 334 रन बनाने वाले कप्तान शुभमन गिल को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। यह गिल का 7वां प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड है। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वेस्टइंडीज ने भारत के खिलाफ सबसे बड़ा सफल रन चेज कर लिया। इससे पहले टीम का सबसे बड़ा सफल रन चेज 2019 में डबलिन में आयरलैंड के खिलाफ 328 रन का था।

वेस्टइंडीज का सबसे बड़ा रन चेज

वेस्टइंडीज ने भारत के खिलाफ सबसे बड़ा सफल रन चेज कर लिया। इससे पहले टीम का सबसे बड़ा सफल रन चेज 2019 में डबलिन में आयरलैंड के खिलाफ 328 रन का था।

रोहित ने किया तेंदुलकर का रिकॉर्ड ध्वस्त



रोहित शर्मा ने अब वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे मुकाबले में सचिन तेंदुलकर का विश्व रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया। सचिन का ये कीर्तिमान करीब 22 साल पुराना है। रोहित अब बतौर ओपनर वनडे में दस हजार रन बनाने वाले दुनिया के चौथे बल्लेबाज भी बन गए हैं। बतौर ओपनर सबसे तेज दस हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर थे। उन्होंने साल 2004 में ब्रिस्बेन ने ऑस्ट्रेलिया दस हजार रन का आंकड़ा छुआ था। अब रोहित शर्मा ने उनसे 12 पारियां कम खेलकर ही 10,000 रन बना दिए हैं। रोहित ने यहां तक पहुंचने के लिए केवल 202 पारियां खेली हैं। रोहित के अलावा 10 हजार रन बनाने वाले बाकी बल्लेबाजों में सचिन तेंदुलकर के अलावा वेस्टइंडीज के क्रिस गेल और श्रीलंका के सनथ जयसूर्या हैं।

एशियन गेम्स

गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय महिला गोल्फर बनीं प्रणवी उर्स

एजेंसी ▶▶| नागोया



प्रणवी उर्स एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला गोल्फर बन गई, जिन्होंने आखिरी दौर में थकान से उबरते हुए एक स्ट्रोक की बढत बरकरार रखकर यह ऐतिहासिक उपलब्धि अर्जित की और टीम को भी रजत दिलाया। मैसूर की 23 वर्ष की प्रणवी ने तीसरे होल में ट्रिपल बोगी करने के बाद तीन बर्डी लगाए। आखिरी दौर में उन्होंने इवन पार 70 स्कोर किया और चार दिन में कुल स्कोर 15 अंडर 265 रहा। चीन की यिन रूओनिंग ने रजत पदक जीता जबकि सिंगापुर की शैनोन टैन को कांस्य पदक मिला।

शुरुआत में काफी नर्वस थी : प्रणवी

प्रणवी ने जीत के बाद कहा,' मुझे कुछ उपलब्धि हासिल करने वाली पहली खिलाड़ी बनना पसंद है। लोग आगे भी जीतेंगे लेकिन पहली बार जीतने वाला पहला ही होता है।' प्रणवी ने कहा कि वह पूरी रात सो नहीं सकी थी और आखिरी दिन शुरुआत में काफी नर्वस थी ।

गोल्फ में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

यह 1982 दिल्ली एशियाई खेलों के बाद गोल्फ में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उस समय गोल्फ में लक्ष्मण सिंह ने व्यक्तिगत पुरुष स्वर्ण जीता था जबकि अमित लूथरा और राजीव मोहता के साथ टीम वर्ग में भी पीला तमगा हासिल किया था।

टीम ने जीता रजत

प्रणवी, ओलंपियन अदिति अशोक (आखिरी दौर में 67) और दीक्षा डागर (आखिरी दौर में 77) की टीम ने रजत पदक जीता। भारत ने 14 अंडर 546 स्कोर किया। चीन ने 22 अंडर 538 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। अदिति एक डबल बोगी और एक बोगी के बाद लगातार पांच बर्डी लगाकर संयुक्त 14वें स्थान पर रही जबकि दीक्षा संयुक्त 23वें स्थान पर रही।

कुश्ती में भारत की झोली में 6 पदक

अमन को स्वर्ण, अंतिम की चांदी



एजेंसी ▶▶| नागोया

अमन सहरावत ने एशियाई खेलों में अपने कांस्य पदक को स्वर्ण में बदल दिया जबकि महाद्वीपीय खिताब जीतने वाली केवल दूसरी भारतीय महिला पहलवान बनने की अंतिम पंघाल की कोशिश को जापान की मेई मियोका के हाथों हार के साथ निराशा का सामना करना पड़ा।

मियोका ने शनिवार को यहां अंतिम को एकतरफा मुकाबले में शिकस्त दी, जिससे भारतीय पहलवान को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारत ने कुश्ती प्रतियोगिता में छह पदकों (दो स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य) के साथ अपना अभियान समाप्त किया। यह 2023 के हांगझोउ एशियाई खेलों में शीर्ष स्थान से चूकने के बाद भारत के इस प्रतियोगिता में सबसे शानदार प्रदर्शनों में से एक रहा। अमन ने पुरुषों के 57 किलोग्राम वर्ग में उत्तर कोरिया के चोंग सोंग हान को 10-7 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। यह कुश्ती में भारत का दूसरा स्वर्ण पदक था। इससे पहले शुक्रवार को सुजीत कलकल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया था।

ओसीए एथलीट समिति में राजेश्वरी शामिल

नागोया। पूर्व भारतीय निशानेबाज राजेश्वरी कुमारी को दक्षिण एशिया के प्रतिनिधि के रूप में एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) की एथलीट समिति में शामिल किया गया। ओसीए एथलीट समिति में अन्य तीन क्षेत्रीय पदों के लिए एशियाई खेलों के दौरान चुनाव कराए गए। राजेश्वरी के नामांकन को पहले ही ओसीए के कार्यकारी बोर्ड से मंजूरी मिल गई थी।

तीरदांजी : नीरज ने रिकर्व स्पर्धा में जीता कांस्य पदक

नागोया। भारतीय तीरंदाज नीरज चौहान ने एशियाई खेलों में पुरुषों की व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा में अपने हमवतन शीर्ष वरीयता प्राप्त धीरज बोम्मादेवरा को 6-4 से हराकर कांस्य पदक जीता। नीरज ने कांस्य पदक के प्लेऑफ मैच में धीरज को 29-26, 27-28, 28-29, 30-28, 29-28 से हराया। इस तरह से वह तरुणदीप राय के बाद एशियाई खेलों में व्यक्तिगत रिकर्व पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय पुरुष तीरंदाज बन गए। इससे पहले शीर्ष वरीयता प्राप्त धीरज सेमीफाइनल में पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता ली वू सेओक से 3-7 से हार गए, जबकि नीरज को अंतिम चार के मैच में जापान के तीरंदाज जुन्या नाकानिशी से 1-7 से हार का सामना करना पड़ा।

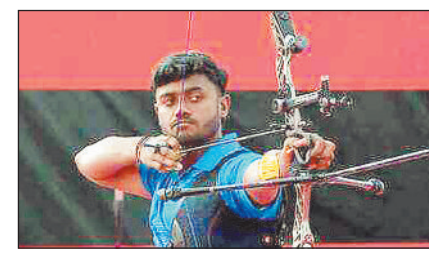

मैदान पर 'अजेय तीरंदाज', बाहर 'चंचल बच्ची', गोल्ड पर साधा निशाना

एजेंसी ▶▶| नागोया

निशाना साधते समय शांत रहने वाली युवा तीरंदाज कुमकुम मोहोद जब अपना धनुष नीचे रखकर आइसक्रीम या गणित को लेकर अपने प्यार के बारे में बात करती है तो उनके भीतर का बच्चा हावी हो जाता है।

महाराष्ट्र की 17 वर्ष की कुमकुम ने एशियाई खेलों में व्यक्तिगत रिकर्व और टीम वर्ग का स्वर्ण जीतकर इतिहास रचा है। उन्होंने फाइनल में पूर्व ओलंपिक चैंपियन और अपनी आदर्श कोरिया की कांग चाएयंग को हराया।



मोबाइल से बनाई दूरी पढाई भी रह गई पीछे

कुमकुम ने जीत के बाद कहा ,'' मुझे आइसक्रीम खाना पसंद है। बटरस्कॉच मेरा पसंदीदा फ्लेवर है। लेकिन 11 सितंबर को यहां आने के बाद से मैने आइसक्रीम नहीं खाई है क्योंकि लक्ष्य पर निशाना था।'

रिकर्व तीरंदाजी : कुमकुम ने जीता स्वर्ण

नागोया। सत्रह वर्ष की कुमकुम मोहाद ने दबाव में संयम के साथ खेलते हुए एशियाई खेलों की महिला व्यक्तिगत रिकर्व तीरंदाजी स्पर्धा में कोरिया की ओ येजिन को शूटआउट में हराकर स्वर्ण पदक जीता। कुमकुम एशियाई खेलों की व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला तीरंदाज बन गई। स्कोर 5-5 से बराबर रहने के बाद कुमकुम ने शूटआउट में 10 स्कोर किया जबकि येजिन आठ ही स्कोर कर सकी। इससे पहले चीन की जिंगयी झू को हराकर फाइनल में पहुंचने के साथ कुमकुम ने लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 के दो कोटा स्थानों में से एक हासिल कर लिया।

कार्यालय नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)
निविदा निरस्तिकरण सूचना

एतत् द्वारा सूचित किया जाता है कि कार्यालयीन निविदा क्र.28 दिनांक 28.09.2026 के माध्यम से आमंत्रित निविदा को अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है।

सम्पत्तिकर, दुकान किराया एवं पानी बिल का भुगतान ऑनलाईन nigambilaspur.com/ptis पर किया जाता है।

कार्यपालन अभियंता
जोन क्रमांक–7
न.पा.नि. बिलासपुर (छ.ग.)

पश्चिम मध्य रेल

सूचना संख्या : JBP/C/NFR/E-Tender/26, दिनांक 01.10.2026

मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), जबलपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से जबलपुर मंडल के विभिन्न आय अर्जन एवं लीज अनुबंधों हेतु ई–निविदाएं (E-Tender) आमंत्रित की जाती हैं। विवरण निम्नानुसार है:

क्र.: 1 श्रेणी : OOH, निविदा/ ई–नीलामी सूचना संख्या : ADVT-JBP-JBP-OH-167-26-2, परिसंपत्ति/कार्य का विवरण : जबलपुर एवं मदन महल स्टेशन पर जैंट्री गेट का निर्माण, संचालन एवं हस्तांतरण। इसमें 50% समय वाणिज्यिक विज्ञापन के प्रदर्शन तथा 50% समय रेलवे की सूचनाओं के प्रदर्शन के लिए होगा। मीडिया – LED/अन्य उन्नत डिजिटल मूविंग डिस्प्ले। कुल 2 जैंट्री गेट। बोली प्रारंभ दिनांक एवं समय : 05-10-26 (10:00:00), बोली समाप्ति दिनांक एवं समय : 05-10-26 (10:30:00)

क्र.: 2 श्रेणी : विज्ञापन –स्टेशन परिसर (गैर–डिजिटल), निविदा/ ई–नीलामी सूचना संख्या : ADVT-JBP-JBP-OSN-94-23-1, परिसंपत्ति/कार्य का विवरण : जबलपुर रेलवे स्टेशन पर फ्लेक्स बोर्ड एवं ग्लो साइन बोर्ड के माध्यम से विज्ञापन। बोली प्रारंभ दिनांक एवं समय : 09-10-26 (11:00:00), बोली समाप्ति दिनांक एवं समय : 09-10-26 (11:30:00)

क्र.: 3 श्रेणी : विज्ञापन –स्टेशन परिसर (गैर–डिजिटल), निविदा/ ई–नीलामी सूचना संख्या : ADVT-JBP-DMO-OSN-161-26-1, परिसंपत्ति/कार्य का विवरण :प्लेटफॉर्म, कॉनकोर्स, FOB एवं रैम्प पर 1100 वर्गफुट क्षेत्र में फ्लेक्स बोर्ड के माध्यम से विज्ञापन, बोली प्रारंभ दिनांक एवं समय : 9-10-26 (11:10:00), बोली समाप्ति दिनांक एवं समय : 9-10-26 (11:40:00)

क्र.: 4 श्रेणी : विविध स्थिर सेवाएँ –दोपहिया एवं अन्य पार्सल पैकिंग सेवा, निविदा/ ई–नीलामी सूचना संख्या : MSS-JBP-REWA-TWnOPS-159-26-1, परिसंपत्ति/कार्य का विवरण : जबलपुर मंडल, पश्चिम मध्य रेलवे के रीवा, सतना, कटनी, कटनी मुड़वारा, सागर एवं दमोह के पार्सल कार्यालयों में दोपहिया वाहनों की पैकिंग का कार्य 5 वर्ष की अवधि के लिए, बोली प्रारंभ दिनांक एवं समय : 09-10-26 (15:00:00), बोली समाप्ति दिनांक एवं समय : 09-10-26 (15:30:00)

क्र.: 5 श्रेणी : ट्रेनों में सीट के पीछे फूड ट्रे पर विज्ञापन, निविदा/ ई–नीलामी सूचना संख्या : MMS-FTA-127872-1-26-4, परिसंपत्ति/कार्य का विवरण : ट्रेन संख्या 11705/11706 के बैठने वाले कोचों में स्नैक/फूड ट्रे (सीट के पीछे लगी भोजन ट्रे) पर विनाइल स्टिकर के माध्यम से विज्ञापन। इच्छुक बोलीदाताओं को ई–नीलामी से पहले स्थल/मंडल कार्यालय का निरीक्षण करने की सलाह दी जाती है, बोली प्रारंभ दिनांक एवं समय : 12-10-26 (10:00:00), बोली समाप्ति दिनांक एवं समय : 12-10-26 (10:30:00)

क्र.: 6 श्रेणी : ट्रेनों में सीट के पीछे फूड ट्रे पर विज्ञापन, निविदा/ ई–नीलामी सूचना संख्या : MMS-FTA-155494-1-26-2, परिसंपत्ति/कार्य का विवरण : ट्रेन संख्या 22189/22190, 11651/11652 एवं 11265/11266 के बैठने वाले कोचों में स्नैक/फूड ट्रे (सीट के पीछे लगी भोजन ट्रे) पर विनाइल स्टिकर के माध्यम से विज्ञापन, बोली प्रारंभ दिनांक एवं समय : 12-10-26 (10:10:00), बोली समाप्ति दिनांक एवं समय : 12-10-26 (10:40:00)

नोट इच्छुक बोलीदाता विस्तृत जानकारी हेतु आईआरईपीएस (IREPS) की ई–टेंडर/लीजिंग मॉड्यूल वेबसाइट पर उपलब्ध विवरण देख सकते हैं। IREPS वेबसाइट उपरोक्त सभी लॉटों का विस्तृत विवरण संबंधित कैटलॉग संख्या के अंतर्गत उपलब्ध है। निविदा संबंधी जानकारी मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के सूचना पट्ट पर भी देखी जा सकती है। (हस्ता.)
मंडल रेल प्रबंधक (वाणिज्य), पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
शुद्धिपत्र

संदर्भः- (1) ई-निविदा सूचना संख्याः एनआईटी/14/26/34, दिनांकः 18 अगस्त 2026.
(2) सीपीआर/एसईसीआर/10/(26-27)/AN/360
(3) ई-निविदा सूचना संख्याः एनआईटी/14/26/36, दिनांकः 01 सितम्बर 2026.
(4) सीपीआर/एसईसीआर/10/(26-27)/AN/387

क्र. सं.	निविदा संख्या	निविदा बंद/खुलने की तिथि व समय	पढ़ा जाएं	मात्रा	रिमार्क
1.	05265088	24.09.2026 सनय 10:30 बजे	09.10.2026 समय 10:30 बजे	3438 किलोमीटर	NIT-34 & सीपीआर/10/360
2.	05265015	09.10.2026 सनय 10:30 बजे	27.10.2026 समय 10:30 बजे	590 किलोमीटर	NIT-36 & सीपीआर/10/387

रेलवे को किसी निविदा के लिए शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, शुद्धिपत्र और ई खरीद की जरूरी सूचना वेंडर www.ireps.gov.in पर देख सकते है।
सीपीआर/10/पीएच/432 कृते प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, बिलासपुर
f South East Central Railway @secrail

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड
कार्यालय कार्यपालन यंत्री (सं./सं.) संभाग-2 बिलासपुर (सकरी)

क्र. :- का.अभिं. / सं. / सं. / संभाग-2 / 841 बिलासपुर, दिनांक : 03.10.2026

-: बिजली बंद की सूचना :-

समस्त सम्माननीय उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित 33 केव्ही लाईनों पर आवश्यक मेंटेनेंस कार्य हेतु दिनांक 04.10.2026 दिन रविवार को सुबह 10:00 बजे से 03:00 बजे तक की अवधि में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। इसका समय आवश्यकतानुसार घटाया या बढ़ाया जा सकता है, असुविधा के लिए खेद है।

क्रं.	33 केव्ही फीडर का नाम	33 / 11 केव्ही उपकेन्द्र	प्रभावित क्षेत्र
1	33 केव्ही बेलगहना फीडर	33 / 11 केव्ही रामालाईफ सबस्टेशन	रामालाईफ, आसमां, नेचरसिटी, सागर होम्स, उस्लापुर
		33 / 11 केव्ही सकरी सबस्टेशन	सकरी, हाफा, सलमपुर, दलदलिया, जोंकि, उच्चदाब कनेक्शन, सी.आर.पी.एफ., जैन इंटरनेशनल स्कूल, इमराल्ड हॉटल
2	33 केव्ही तखतपुर फीडर	33 / 11 केव्ही आसमां सबस्टेशन	आसमां, सैदा, मेण्ड्रा
		33 / 11 केव्ही काठकोनी सबस्टेशन	काठकोनी, पेण्ड्री, सागर, केकराड, लाखासार, दबेना, विंध्यासार, भिलौनी, बिनौरी, खजुरी नवागांव, देवरी, खम्हरिया, उच्चदाब कनेक्शन - पारस पॉवर, कोल बेनिफिकेशन, भाटिया कोल, जगदेव इनर्जी
3	33 केव्ही सिरगिट्टी इण्डस्ट्रीयल फीडर	33 / 11 केव्ही उस्लापुर सबस्टेशन	घूरू, अमेरी, उस्लापुर, तिफरा स्थित दो उच्चदाब कनेक्शन

संवाद- कार्यपालन अभियंता (सं./सं.) संभाग-2
छ.स्टे.पा.डि.कं.लिमि. बिलासपुर (सकरी)

गुमशुदा



श्रीमती हिमांशु कुर्रे

नाम : श्रीमती हिमांशु कुर्रे, उम्र : 32 वर्ष, दिनांक : 02/10/2026 शाम को अपने घर शिवम वॉटिका कॉलोनी, मोपका से बच्चे को ट्यूशन क्लास छोड़ने निकली है। और वापस नहीं आई। आप जहां कही भी हो मम्मी जल्द से जल्द घर आ जाईये- निवी एवं निशी
संपर्क करें :- 9425281246, 7587702777

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर



जापान में है 1000 साल पुरानी बुद्ध मूर्तियां, झरती है अनंत करुणा

टोक्यो। सम्राट अशोक के जमाने में भारत से गया बौद्ध धर्म आज जापान में खूब फल-फूल रहा है। यहां पर बौद्ध धर्म का प्रभाव इतना ज्यादा है कि पहाड़ों को काटकर बौद्ध मूर्तियां और प्रतिमाएं बनाई गई थीं। ऐसी ही कुछ मूर्तियां जापान के ओइता प्रांत में हैं, जहां हजारों सालों की हवा और बारिश झेलने के बाद भी उसुकी स्टोन बुद्ध की मूर्तियां आज भी शांति और साफ तौर पर करुणा का एहसास कराती हैं। मगर, एक समय उसकी की एक मशहूर बौद्ध मूर्ति 'दैनिची न्योराई' का सिर खो गया था। जिसे अनुमानित रूप से 200 साल बाद काफी बहस के बाद वापस बुद्ध मूर्ति के धड़ पर लगाया गया।

ओइता प्रांत में चट्टानों पर उकेरीं 400 बौद्ध मूर्तियां

ओइता प्रांत में लगभग 400 'मगाइबुत्सु' हैं, जिनका मतलब है-चट्टानों पर उकेरी गई बौद्ध मूर्तियां। ये देश की कुल ऐसी मूर्तियों का लगभग 70% हिस्सा हैं। इतनी बड़ी संख्या में इन मूर्तियों के होने के पीछे ऐतिहासिक और भू-वैज्ञानिक कारण हैं। क्यूशू जो लंबे समय से महाद्वीपीय संस्कृति का प्रवेश द्वार रहा है, वहां बौद्ध धर्म का खूब विकास हुआ। साथ ही, 90,000 साल पहले हुए एक जबरदस्त ज्वालामुखी विस्फोट ने ऐसी चट्टानें बनाईं जो नक्काशी के लिए बिल्कुल सही थीं। ओइता प्रांत में लगभग 400 'मगाइबुत्सु' हैं, जिनका मतलब है-चट्टानों पर उकेरी गई बौद्ध मूर्तियां। ये देश की कुल ऐसी मूर्तियों का लगभग 70% हिस्सा हैं।



सदियों तक खुले आसमान के नीचे रहीं ये मूर्तियां

सदियों तक उसुकी स्टोन बुद्ध की मूर्तियां खुले आसमान के नीचे रहीं और कई मूर्तियों के सिर या हाथ टूटकर गिर गए। ईदो काल (1603–1868) के बीच में दैनिची न्योराई का सिर भी धड़ से अलग होकर नीचे बने चबूतरे पर गिर गया था। फोटोग्राफर डोमोन केन (1909–1990) ने अपनी मशहूर फोटो बुक 'अ पिलग्रिमेज टू एंशिएंट टेम्पल्स' में इस सिर-विहीन मूर्ति की तस्वीर ली। उन्होंने समय के साथ होने वाली प्राकृतिक टूट-फूट और मूर्ति की उस अटूट गरिमा को एक साथ दिखाया, जो लोगों में आज भी श्रद्धा जगाती है।

राष्ट्रीय धरोहर का दर्जा दिलाने के लिए जोड़ा गया सिर

जब 1980 से 1993 के बीच उसुकी स्टोन बुद्ध की मूर्तियों की बड़े पैमाने पर मरम्मत की गई, तो विशेषज्ञों के बीच इस बात पर जोरदार बहस हुई कि क्या सिर को वापस जोड़ा जाए या मूर्ति के इतिहास के हिस्से के तौर पर उसे उसी गिरी हुई हालत में रहने दिया जाए। आखिरकार, 'राष्ट्रीय धरोहर' का दर्जा पाने के लिए सिर को वापस जोड़ना जरूरी था, इसलिए मूर्ति को उसके मौजूदा रूप में बहाल किया गया। 980 से 1993 के बीच उसुकी स्टोन बुद्ध की मूर्तियों की बड़े पैमाने पर मरम्मत की गई। आखिरकार, 'राष्ट्रीय धरोहर' का दर्जा पाने के लिए सिर को वापस जोड़ना जरूरी था, इसलिए मूर्ति को उसके मौजूदा रूप में बहाल किया गया।

सबसे शानदार मूर्ति दैनिची न्योराई

इन मूर्तियों में सबसे शानदार मूर्ति 'फरुजोनो समूह' की 'दैनिची न्योराई' (महावैरोचन) मानी जाती है। चट्टान में बनी एक बड़ी जगह पर स्थित यह बैठी हुई मूर्ति, 13 बुद्धों की कतार के बीच में है। 2.8 मीटर ऊंची यह मूर्ति 'उसुकी स्टोन बुद्ध' मूर्तियों में सबसे बड़ी भी है। इसका चेहरा भरा हुआ और गरिमापूर्ण है, और रंग के हल्के निशान मौंहों और आंखों पर काला, रत्नों जड़े मुकुट पर सिंदूरी रंग यह बताते हैं कि यह मूर्ति कभी चमकीले रंगों से सजाई गई थी।

300 रुपए का एक खीरा, 680 का टमाटर

नॉर्वे में ऑर्गेनिक नींबू की कीमत करीब 850 रुपए किलो



नई दिल्ली। दुनिया में कई ऐसी जगहें हैं, जहां की खूबसूरत जगहें और जीवनशैली लोगों को खूब पसंद आती है। इन्हीं जगहों में नॉर्वे शामिल है। अब यहां का एक वीडियो वायरल हो रहा है। यह वीडियो खूबसूरती की वजह से नहीं, बल्कि सब्जी की कीमतों की वजह से वायरल हो रहा है। इसमें एक शख्स नॉर्वे के एक सुपरमार्केट में दिख रहा है, जो वहां हर दिन इस्तेमाल होने वाली सब्जियों के दाम दिखा रहा है। सब्जियों के दाम जानकर आपके कान खड़े हो जाएंगे। वीडियो में शख्स बता रहा है कि नॉर्वे में ऑर्गेनिक नींबू की कीमत करीब 850 रुपए किलो है। 680 रुपये किलो लाल टमाटर मिल रहा है। 300 रुपये में सिर्फ एक खीरी मिल रहा है। वीडियो में शख्स भारत और नार्वे में सब्जियों की कीमतों में अंतर को लेकर भी बात करता है।

किसानों की कमाई

कुछ लोगों का कहना है किसान की भी कमाई हो रही है। अगर बाजार में सब्जियां सस्ती मिल रही हैं, तो मतलब यह नहीं कि किसान को भी कम पैसे मिलें। किसान को मेहनत और लागत के हिसाब से सही दाम मिलना चाहिए। नार्वे के सब्जियों की कीमत वाला वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है।

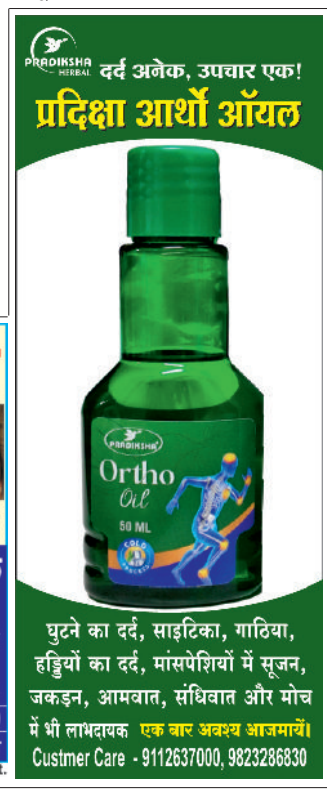

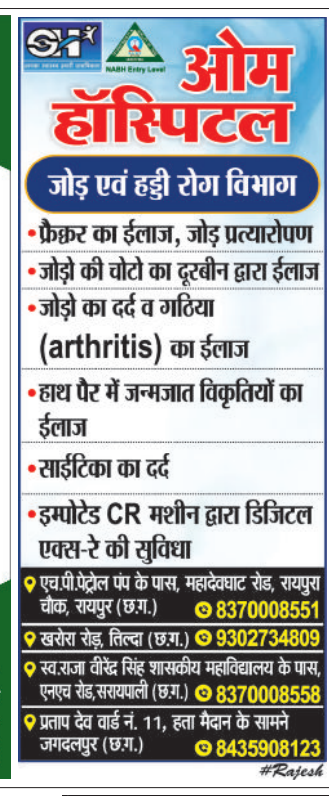



Ajay 9827144371









हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com